खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 07 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-304

ब्राजीलियन मॉडल की तस्वीर राहुल गांधी का दिमागी फितूर साबित

तीनों महिलाओं ने अपनी वोटर आईडी पर दिए थे वोट

झूठ की हद्द, राहुल की भद्द...

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के झूठ की हद ने पूरी दुनिया में उनकी भद करा दी है। राहुल गांधी ने ब्राजील की एक मॉडल की फोटो लगा कर हरियाणा में वोट चोरी का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने ब्राजील की मॉडल की तस्वीर दिखा कर कहा कि उसी तस्वीर पर कभी सीमा तो कभी स्वीटी तो कभी सरस्वती के नाम पर वोट डाला गया। जबकि उक्त नाम की तीनों महिलाओं ने कहा कि उन्होंने अपने वोटर पहचान पत्र पर वोट डाले। महिलाओं ने कहा कि ब्राजील की महिला की फोटो फर्जी तरीके से लगाई और दिखाई गई है। राहुल गांधी ने बड़े सोचे-समझे तरीके से ब्राजील की मॉडल लारिसा नेरी की तस्वीर लगा कर उसे हाइड्रोजन-बम बनाने की कोशिश की। ब्राजील की मॉडल लारिसा ने भारत में उसका चेहरा दिखा कर उसे वोटर लिस्ट में शामिल बताए जाने पर बेसाख्ता कहा, यह क्या पागलपन है। वाकई, यह पागलपन कांग्रेसी राजनीति की असलियत है।

वोटर आईडी पर वोटरों के असली चेहरे मॉडल की फोटो-कहानी फर्जी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हरियाणा में वोट चोरी के आरोप ने अजीबोगरीब मोड़ ले लिया है। उन्होंने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्राजील की मॉडल लारिसा नेरी की तस्वीर दिखाकर दावा किया कि यही चेहरा हरियाणा की मतदाता सूची में 22 बार अलग-अलग नामों से इस्तेमाल हुआ है, कहीं सीमा, कहीं स्वीटी, तो कहीं सरस्वती के नाम से। ब्राजील की मॉडल लारिसा ने कहा है कि यह तस्वीर उनकी है, जब वह करीब 20 साल की थीं। लारिसा ने कहा, वो लोग मेरी पुरानी फोटो का इस्तेमाल कर रहे हैं। मैं उस वक्त 18-20 साल की थी। अब मेरी उस फोटो को किसी चुनाव में, किसी वोटिंग में भारत में इस्तेमाल किया जा रहा है और मुझे एक भारतीय महिला दिखाया जा रहा है! उन्होंने कहा, हे भगवान, ये क्या हो रहा है! क्या पागलपन है ये, किस दुनिया में जी रहे हैं हम! लारिसा ने बताया कि जब से यह विवाद फैला है, उन्हें लगातार पत्रकारों के फोन आने लगे हैं। एक रिपोर्टर ने तो उस सैलून में फोन कर दिया जहां मैं काम करती हूं। फिर मेरे इंस्टाग्राम पर कॉल करने लगा। उन्होंने बताया कि एक दोस्त ने दूसरे शहर से उन्हें वही तस्वीर भेजी, और तभी उन्हें पता चला कि उनकी तस्वीर भारत के एक चुनावी विवाद में फंस गई है।

यह ध्यान रखने की बात है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बीते दिनों भी अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि उत्तर प्रदेश में एक महिला पूनम के नाम पर वोटर लिस्ट में ब्राजीलियन मॉडल की तस्वीर लगी हुई है और इसे फेक वोटर का उदाहरण बताया था। यानि, ब्राजील मॉडल की फोटो इस्तेमाल करने का फितूर राहुल गांधी के दिमाग में पहले से चल रहा था। अब इस दावे की सच्चाई सामने आ गई है। पूनम नाम की महिला वास्तविक रूप से मौजूद हैं ▶10 पर

राहुल गांधी को पागल घोषित करो : हिमंत

बेतिया (बिहार), 06 नवंबर (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा, मैं देशवासियों से अनुरोध करता हूं कि राहुल गांधी को आधिकारिक रूप से पागल घोषित किया जाए। सीएम हिमंत की इस टिप्पणी के बाद सियासी गलियारों में हलचल मच गई है। हिमंत सरमा ने कहा, जिस तरह राहुल गांधी अनाप शनाप बयान देते फिरते हैं और बिना किसी संकोच के सफेद झूठ बोलते हैं, उससे यह साफ प्रतीत होता है कि राहुल गांधी अपना दिमागी संतुलन खो चुके हैं। उन्हें आधिकारिक तौर पर पागल घोषित किया जाना चाहिए।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बेतिया की चनपटिया विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार की जनता को यह तय करना है कि उन्हें श्रीराम चाहिए या बाबर, लक्ष्मण चाहिए या औरंगजेब। ▶10 पर

अररिया में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा

राजद का शासन 15 साल लेकिन रिपोर्ट कार्ड शून्य

अररिया, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार के दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार में अररिया के फारबिसगंज पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले चरण के मतदान में लोगों के उत्साह पर खुशी व्यक्त की और राजद के जंगलराज-काल पर तीखा हमला किया। उन्होंने कांग्रेस और राजद के अवसरवादी गठजोड़ पर भी प्रहार किया और कहा कि कांग्रेस और राजद को महर्षि वाल्मीकि से लेकर माता शबरी तक से दिक्कत है। पीएम मोदी ने घुसपैठियों के मुद्दे और धार्मिक आस्था के अपमान को भी जोरदार तरीके से उठाया।पीएम मोदी ने जनसभा की शुरुआत में पहले चरण के मतदान के प्रति उत्साह व्यक्त किया और कहा कि बिहार को विकसित बनाने के लिए वोट पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर मतदान केंद्रों पर लंबी लाइनें, खासकर माताओं, बहनों और बेटियों का बड़ी संख्या में बाहर निकलना, एक शानदार तस्वीर पेश कर रहा है। पीएम मोदी ने मतदाताओं का अभिनंदन किया और दावा किया कि पूरे बिहार से फिर एक बार एनडीए सरकार, फिर एक बार सुशासन की सरकार की आवाज आ रही है। पीएम ने नौजवानों को गारंटी दी कि आपका सपना ही, मोदी का संकल्प है। प्रधानमंत्री ने राजद के 1990 से 2005 तक के 15 साल के शासन को जंगलराज कहा, जिसकी पहचान कट्टा, क्रूरता, कटुता, कु-संस्कार, करप्शन और कुशासन थी। पीएम मोदी ने राजद पर पूरी एक पीढ़ी का भविष्य खा जाने का आरोप लगाते हुए 15 साल के शासन को शून्य रिपोर्ट कार्ड वाला बताया। पीएम मोदी ने कहा कि इन 15 वर्षों में बिहार में जीरो एक्सप्रेस-वे बने, कोसी नदी पर शून्य पुल बने, जीरो टूरिस्ट सर्किट विकसित हुए, जीरो स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बने, और शून्य मेडिकल कॉलेज बने। पीएम ने बताया कि जंगलराज के उन 15 साल में न बिहार में एक भी आईआईटी आई, न एक भी आईआईएम बना।

महर्षि वाल्मीकि से माता शबरी तक, कांग्रेस-राजद को सबसे दिक्कत

पीएम मोदी ने एनडीए सरकार के तहत हुए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि 2014 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बिहार के विकास में नई तेजी आई है। उन्होंने बताया कि पटना में आईआईटी और एम्स, बोधगया में आईआईएम, भागलपुर में आईआईआईटी खुला है, और दरभंगा एम्स का काम तेजी से चल रहा है। साथ ही, बिहार में चार सेंट्रल यूनिवर्सिटी भी स्थापित की गई हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार गरीबों को पक्का घर, मुफ्त अनाज-इलाज, नल से जल दे रही है, और मुद्रा योजना के तहत मदद कर रही है। किसानों के लिए राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की स्थापना की गई है और जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 5060 रुपए किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने घुसपैठियों के मुद्दे को एक बड़ी चुनौती बताया और कहा कि एनडीए सरकार पूरी ईमानदारी से एक-एक घुसपैठिए की पहचान कर उसे देश से बाहर निकालने में जुटी है, क्योंकि ये हमारी खेती पर कब्जा करते हैं और बच्चों के काम का हक छीन लेते हैं। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद घुसपैठियों को बचाने और उन्हें पिछले दरवाजे से भारत का नागरिक बनाने में जुटे हैं। इसके अलावा, पीएम ने कांग्रेस पर आस्था का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नामदार बिहार आकर छठी मईया की पूजा को ड्रामा बताते हैं, जो कि हमारी आस्था का अपमान है। उन्होंने राजद पर भी नामदार के इस बयान पर ताला लग जाने का आरोप लगाया। पीएम ने विश्वास जताया कि बिहार की माताएं-बहनें समृद्ध बिहार बनाने का संकल्प ले चुकी हैं और वे जंगलराज की वापसी नहीं होने देंगी।

बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण पूरा हुआ

18 जिलों की 121 सीटों पर हुई उत्साहजनक वोटिंग

पटना, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

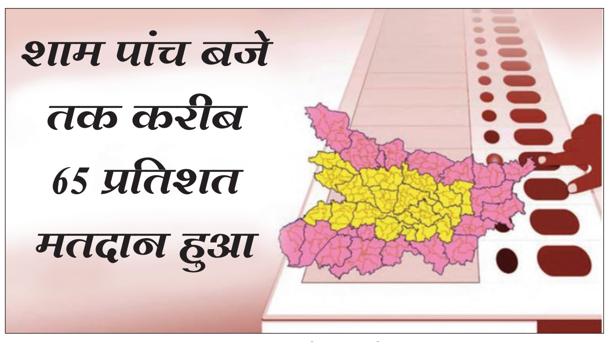

बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान आज शाम सम्पन्न हो गया। शाम पांच बजे तक 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर औसत 65 फीसदी मतदान हुआ। पहले चरण के मतदान में कुल 1314 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। पहले चरण की 102 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं, जबकि 19 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। इस चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए आयोग ने साधन उपलब्ध कराए थे। इनमें 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, 1 करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं, और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे।

राघोपुर विधानसभा से पूर्व डिप्टी सीएम और लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव राजद से उम्मीदवार हैं। महागठबंधन ने इस बार तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। तेजस्वी ने अपने चुनावी करियर की शुरुआत इसी सीट से की थी। 2015 और 2020 में वह इस सीट से जीत चुके हैं। भाजपा ने यहां से पिछली बार के उम्मीदवार सतीश कुमार को टिकट दिया है। सतीश कुमार ने 2010 में जदयू के टिकट पर तेजस्वी यादव की मां और राजद की उम्मीदवार राबड़ी देवी को हराया था। जनसुराज ने चंचल कुमार को यहां मैदान में उतारा है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को इस बार तारापुर से टिकट दिया गया है। इससे पहले वह परबत्ता सीट से राजद के टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। 2014 में वह राजद से अलग हो गए। 2020 में वह एमएलसी चुने गए। अब वह भाजपा के टिकट पर तारापुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला राजद के अरुण कुमार से है।

लखीसराय से भाजपा के टिकट पर लगातार तीन बार जीतने वाले विजय कुमार सिन्हा एक बार फिर यहां से मैदान में हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री सिन्हा फरवरी 2005 में हुए चुनाव में पहली बार लखीसराय से जीते थे। 2005 अक्तूबर में हुए चुनाव में उन्हें राजद के फुलेना सिंह से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन 2010 में उन्होंने अपनी सीट वापस ले ली। उनका मुकाबला कांग्रेस के अमरेश कुमार से है।

बाहुबली और जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। मोकामा हुए हत्याकांड के बाद इस सीट की चर्चा पूरे देश में है। इस हत्याकांड का आरोप अनंत सिंह पर लगा है। उन्हें चुनाव प्रचार के बीच में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उनके प्रचार की कमान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के हाथ में रही।

दानापुर विधानसभा सीट से भाजपा ने पूर्व सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को टिकट दिया है। रामकृपाल 2024 के लोकसभा चुनाव में पाटलिपुत्र सीट हार गए थे। उन्हें लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने शिकस्त दी थी। रामकृपाल यादव के सामने राजद ने रीत लाल राय को उतारा है। रीत लाल 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से जीते थे।

महुआ विधानसभा सीट से लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव पांच साल बाद फिर अपनी बनाई पार्टी के टिकट पर मैदान में हैं। राजद ने यहां से मुकेश कुमार रौशन और जनसुराज ने इंद्रजीत प्रधान को टिकट दिया है।

छपरा विधानसभा सीट से मशहूर भोजपुरी गायक और अभिनेता खेसारी लाल यादव की वजह से सारण जिले की यह सीट चर्चा में है। इस सीट से राजद ने महागठबंधन की ओर से शत्रुघ्न यादव उर्फ खेसारी लाल यादव को मैदान में उतारा है। खेसारी लाल के खिलाफ भाजपा ने छोटी कुमारी और जनसुराज ने जयप्रकाश सिंह को टिकट दिया है। ▶10 पर

थलपति विजय सीएम पद के दावेदार

चेन्नई, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

थलपति विजय की नई फिल्म जन नायकन का एक नया पोस्टर आज जारी किया गया। फिल्म के निर्माता केवीएन पिक्चर्स ने पोस्टर साझा कर प्रचार शुरू करने की घोषणा की। यह घोषणा तब हुई जब तमिलनाडु वेत्री कजगम (टीवीके) ने बुधवार को विजय की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी की घोषणा की। थलपति विजय की आगामी फिल्म जन नायकन के नए पोस्टर में विजय को जनता के नेता के रूप में दिखाया गया है। वह नीली शर्ट और एविएटर चश्मे में भीड़ के बीच खड़े हैं। ▶10 पर

ब्लैकलिस्ट किए गए 178 प्रशिक्षण भागीदार

पीएम कौशल विकास योजना में भ्रष्टाचार!

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

कौशल मंत्रालय ने 178 प्रशिक्षण भागीदारों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। मंत्रालय ने यह फैसला प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के पालन में भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद किया। 30 अक्टूबर को मंत्रालय ने सभी राज्यों के प्रधान सचिवों और राज्य मिशनों, क्षेत्रीय निदेशालयों के निदेशकों को पत्र लिखकर योजना के मानदंडों का पालन न करने वालों के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में सूचित किया।

ब्लैकलिस्ट में सबसे अधिक संख्या (59) यूपी की

मंत्रालय के संचार में कहा गया है कि कार्यान्वयन की निरंतर निगरानी और निरीक्षण रिपोर्टों की जांच के आधार पर, मंत्रालय और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) जो इस योजना को लागू करता है, द्वारा 178 टीपी और टीसी को ब्लैकलिस्ट में डाल दिया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मंत्रालय ने खुलासा किया है कि टीपी और टीसी को दिए गए भुगतान की वसूली शुरू हो गई है और दंड वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) का प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह योजना 2015 में शुरू की गई थी और इसके तहत जून 2025 तक 1.64 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है और वर्ष 2024-25 के लिए 1,538 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। 2022 में शुरू होने वाली योजना के उन्नत संस्करण (पीएमकेवीवाई 4.0) के बाद, बढ़े हुए बिलों, अनुपस्थित छात्रों, फर्जी दस्तावेजों और प्रशिक्षण भागीदारों (टीपी) और प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) के अभाव की शिकायतें मिली हैं। प्रशिक्षण केंद्र वे होते हैं जहाँ प्रशिक्षण दिया जाता है, प्रशिक्षण भागीदार वे संगठन या व्यक्ति होते हैं जो इन केंद्रों का संचालन करते हैं। अनुपस्थित छात्र, फर्जी दस्तावेज, अस्तित्वहीन केंद्र ये सभी परीक्षा के क्रियान्वयन में पाई गई गंभीर अनियमितताएं हैं। ▶10 पर

सरकार ने बचाए चार लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत की है। उन्होंने कहा, पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। सरकार प्रौद्योगिकी आधारित विकास पर जोर दे रही है। डेटा की लागत 2014 में 300 रुपए प्रति जीबी से घटकर 10 रुपए प्रति जीबी हो गई है। वित्त मंत्री ने यह माना कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला विघटनकारी दौर से गुजर रही है। ऐसे में बुनियादी ढांचे के निर्माण पर सरकार का मुख्य ध्यान है। पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 से कारोबार को ▶10 पर

चातुर्मास की परिसंपन्नता पर मंगलभावना एवं साध्वी पुण्ययशाजी का मंगल विहार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा प्रदत्त साध्वी श्री पुण्ययशाजी के सफल निष्पत्तिपूर्ण ऐतिहासिक चातुर्मास की परिसंपन्नता पर बुधवार को साध्वी के प्रति सुबह एवं शाम दो चरणों में मंगलभावना समारोह आयोजित किया गया। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इस चातुर्मास को एक विशेष अनुभव बताया। चातुर्मास की सफलता की ऋचाओं को लिखने में जहां एक ओर साध्वीवृन्द की प्रेरणा, श्रम व समय नियोजित हुआ वहीं पूरे श्रावक समाज की जागरूकता एवं सहभागिता भी विशेष रूप से मुखरित हुई और इसी की निष्पत्ति रही कि इस वर्ष राजराजेश्वरी नगर में अभूतपूर्व तपस्याएं, जप, स्वाध्याय का अविरल क्रम चला।

पूरे श्रावक समाज की ओर से किसी भी प्रकार की हुई अविनय आशातना हेतु खमतखामणा व्यक्त किया। पूर्व अध्यक्ष कमलसिंहजी दुगड़ ने साध्वीश्री जी के आगामी विहार के प्रति मंगलभावना व्यक्त की।

उपाध्यक्ष सरोज आर बैद, हेमराज सेठिया, बिमलसिंह बांठिया, मानमल सुराणा, मनीष पगारिया, चैनरूप सिंघी, अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, अखिल भारतीय सीप-ीएस प्रभारी दिनेश मरोठी, तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर, मंत्री संदीप बैद, विपुल पितलिया, अभातेममं सहमंत्री मधु कटारिया, महिला मंडल अध्यक्ष मंजु बोथरा, मंत्री वंदना भंसाली, ममता दुगड़, कंचन छाजेड़, लता बाफणा, सुमन पटावरी, शोभा बोथरा, हेमलता सुराणा, सविता बैंगाणी, मनिका सेठिया, शारदा बैद, पदमा महेर, सीमा दक, जयंती कोठारी, कन्यामंडल से झलक रूणवाल, प्रज्ञा मरोठी, बालक चयन लोढ़ा, विक्रम दुगड़, जितेन्द्र घोषल हनुमंतनगर से तेमम अध्यक्ष संगीता तातेड़, मंजू दक आदि अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने साध्वीवृन्द के प्रति मंगलभावना व्यक्त की। तुलसी स्वर संगम, महिला मंडल कार्यसमिति बहनों, प्रेस्टीज अपार्टमेंट की बहनों, सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया एवं कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा ने संगीतमय अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। साध्वी विनीतयशा जी, वर्धमानयशाजी, बोधिप्रभा जी ने अपनी भावनाएं व्यक्त की तथा इसे एक यादगार चातुर्मास बताया। साध्वी पुण्ययशा जी ने एक अन-ोखी डायरी के रूप में चातुर्मास काल की गतिविधियों एवं श्रावक समाज को समाहित करते हुए सभी के श्रम का विशेष उल्लेख किया तथा राजराजेश्वरी नगर को चातुर्मास हेतु उपयुक्त एवं श्रद्धाशील क्षेत्र बताया। तेरापंथ भवन को साताकारी तथा स्टाफ के व्यवहार को मधुर बताया। आज प्रातः सवा 6 बजे

परम्परानुसार परदेसी राजा का आख्यान का वाचन किया। श्रावकों को विशेष आशीर्वाद रूप में निरन्तर जप तप-स्वाध्याय के क्रम को जारी रखने की प्रेरणा प्रदान की। दिनेश मरोठी ने सामूहिक खमतखामणा करवाया। तदुपरान्त साध्वीवृन्द ठीक सवा 7 बजे विशाल जनमेदिनी के विरह-व्यथित हृदय को प्रेरक उद्बोधन देकर चातुर्मास की स्मृतियों को हृदय में संजोए हुए तेरापंथ भवन से विहार कर अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के निवास-स्थान पर पधारें। मंच संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

प्रत्येक श्रावक श्राविका को धर्म स्थान से जुड़े रहना चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी श्री शशिप्रभा जी, इंदुप्रभा जी, निपुणप्रभा जी, वृद्धिप्रभा जी, रिद्धिप्रभा जी ने महावीर भवन अलसूर में अपना 2025 का चातुर्मास कल्प पूर्ण कर प्रथम विहार करते हुए इंदिरा-नगर स्थित श्री शांतिलाल अशोक कुमार कांकरिया के निवास स्थान पहुंचे। विहार यात्रा में अलसूर संघ, जयमल जैन श्रावक संघ सहित अनेक संघों के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। विहार के पूर्व अपने संदेश में साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने अलसूर संघ सदस्यों से क्षमा याचना की और धर्म संदेश में कहा कि प्रत्येक श्रावक श्राविका को धर्म स्थान से जुड़े रहना चाहिए। धर्म स्थान पवित्र स्थान होता है जहां से हमे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और आत्म शांति की अनुभूति होती है। अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा, मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संघ की ओर से अविनय असातना के लिए साध्वी वृंद से क्षमा याचना की। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में संपन्न चातुर्मास को बांठिया ने यशस्वी, सार्थक और चिरस्मरणीय बताया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। अश्रुपूरित जनता ने जयकारों के साथ पुनः लौट कर आने की विनती के साथ महाप-ुरुषों को विदाई दी। पूज्य साध्वी वृंद के सान्निध्य में शुक्रवार को महावीर भवन अलसूर में आचार्य जयमल जी की दीक्षा जयंती प्रवचन में गुणानुवाद के साथ मनाई जाएगी।

ईएसआई अस्पताल में व्हीलचेयर दान की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने अपनी निरंतर सेवा भावना और स्वास्थ्य सहयोग की प्रतिबद्धता के तहत गुरुवार दोपहर 12 बजे ईएसआई अस्पताल, गांधी बाजार में व्हीलचेयर दान की। यह दयालु पहल रोगियों की गतिशीलता में सहयोग करने और जरूरतमंदों के लिए सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से की गई। यह आयोजन संगठन की जय महावीर की प्रेरणादायक भावना और मानवता की सेवा के प्रति उसकी निष्ठा को दर्शाता है। कार्यक्रम का नेतृत्व वीर विजयराज सिसोदिया चेयरमैन, वीर आशिक पिरगल मुख्य सचिव, वीर पदम भुरत कोषाध्यक्ष और सदस्य कंचन जैन ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए चेयरमैन वीर विजयराज सिसोदिया ने कहा हमारा संगठन मानता है कि सेवा के छोटे-छोटे कदम किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। ऐसे प्रयासों के माध्यम से हम समाज में गरिमा, सुविधा और करुणा को बढ़ावा देना चाहते हैं।

जीवन को राग से मुक्त बनाने के लिए मन में वैराग्य भाव को मजबूत करना होगा: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन को राग से मुक्त बनाने के लिए मन में वैराग्य भाव को मजबूत करना होगा। जब तक वैराग्य नहीं आएगा जीवन रागों से मुक्त नहीं हो पाएगा और हम मुक्ति की मंजिल प्राप्त नहीं कर सकेंगे। राग हमे भटकाता है और संसार के जंजाल में उलझाता चला जाता है। राग के प्रभाव से ही कई बार सही निर्णय नहीं ले पाते है और किसी के प्रति स्नेह और किसी के प्रति नफरत रखते है। उन्होंने कहा कि राग, द्वेष जैसे कषाय जीवन में संसार को बढ़ाते है। इन कषायों को कम करके ही हम मोक्ष मार्ग की तरफ अग्रसर हो सकते है।

राग, द्वेष हमारे आत्मकल्याण के मार्ग में सबसे बड़े बाधक है। धर्म की शरण में जाने पर इन कषायों को कम कर सकते है। विवेकरहित बुद्धि इंसान को पथभ्रष्ट और विचलित कर सकती है। विवेक धर्म से जुड़ने पर ही सार्थक होता है। धर्म की परिभाषा व व्याख्या नहीं की जा सकती। मात्र दर्शन की चर्चा हो सकती है। जिसकी चेतना जागृत हो जाएगी उसका विवेक भी जागृत हो जाएगा। बिना विवेक के किए जाने वाले कार्य लाभ की जगह हानि पहुंचा सकते है। इस लिए कोई भी कार्य करते समय धर्मयुक्त विवेक का आचरण करें अवश्य सफल होता है। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि व्यक्ति के पास जितना धन बढ़ता है वह उतना ही अधिक भौतिक सुखों में लिप्त होता जाता है। वह जानता है धन साथ नहीं जाएगा फिर भी उसे जुटाने के लिए लगा रहता है। दान, पुण्य व परोपकार के कार्यो के माध्यम से हम भौतिक धन को धर्म में बदल अपने साथ परलोक में ले जा सकते है। हमे भौतिक धन जुटाने की बजाय उसका सदुपयोग कर धर्म व पुण्य का खजाना बढ़ाना चाहिए। अंबालाल शाह ने बताया कि रतलाम से पधारे राजेशकुमार जैन, मंजु, राजेशकुमार मालवी का बहुमान भंवरलाल जैन, देविचंद जैन आदि ने किया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

खुले पैसे मांगने के बहाने लूट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुब्रह्मण्यनगर पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है जो एक दूध व्यापारी का ध्यान आकर्षित करके उससे खुले पैसे मांगने के बहाने उससे पैसे छीनकर फरार हो गया था। घरों और दुकानों में दूध बेचने वाला व्यापारी हनुमंतैया, दूध बेचने से मिले 20,000 रुपये लेकर सुब्रह्मण्यनगर में एक बैंक के पास ऑटोरिक्शा का इंतजार कर रहा था। उसी समय, एक लुटेरा दोपहिया वाहन पर आया और उससे 500 रुपये खुले देने को कहा। जब दूध व्यापारी जेब से 20,000 रुपये का बंडल निकालकर उसे खुले पैसे दे रहा था, तो उसने कहा कि वह पैसों का ठीक से इंतजाम कर लेगा। उसने नोटों का बंडल लेकर उसे व्यवस्थित करने का नाटक किया, उसका ध्यान भटकाया और पैसे लेकर फरार हो गया। जब तक दूध व्यापारी मदद के लिए चिल्लाता, तब तक लुटेरा भाग चुका था। उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और दोपहिया वाहन की नंबर प्लेट बरामद की। पुलिस ने आर-ोपी मोहम्मद सिकंदर (52) को पदारायणपुरा से गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 20,000 रुपये जब्त कर उसे थाने ले गई।

प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति में समाजसेवी महेंद्र सिंघी फिर से नियुक्त

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण हेतु संचालित 15 सूत्रीय कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार कर्नाटक राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रसिद्ध समाजसेवी, ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष तथा श्री सिद्धारूढ़ मठ ट्रस्ट समिति के पूर्व चेयरमैन एवं ट्रस्टी महेंद्र सिंघी को इस समिति में सदस्य के

रूप में पुनः नियुक्त किया गया है। सिंघी पूर्व में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया टेफ कैब समिति, भारत सरकार की राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सलाहकार समिति, तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति में लगातार तीस वर्षों तक सक्रिय सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अनेक सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों में भी महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं। राज्य सरकार ने उनके समाजसेवा, संगठनात्मक नेतृत्व एवं प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह दायित्व पुनः सौंपा है। अपने पूर्व कार्यकाल के दौरान सिंघी ने हुब्बल्ली सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में श्वेताम्बर जैन समाज के हजारों लोगों को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र दिलवाने में अग्रणी भूमिका निभाई थी। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार द्वारा स्वेताम्बर जैन समाज को अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान करने हेतु गजट अधिसूचना जारी करवाने में भी उल्लेखनीय योगदान दिया था। यह समिति तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए गठित की गई है। समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश करेंगी। इन बैठकों में प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, प्रगति की समीक्षा तथा बजट के प्रभावी उपयोग से संबंधित योजनाओं पर कार्य किया जाएगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटका रक्षण वेदिके द्वारा 70वें कर्नाटक राज्योत्सव के उपलक्ष में चंद्रालेआउट में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। करवे राज्य अध्यक्ष प्रवीण शेट्टी, मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, शिवानंद शेट्टी, प्रसाद शेट्टी ,सतीश, अरुण एवं अन्य ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।*

जीण दीवाने के भक्त जगन्नाथ पूरी दर्शन के लिए रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्थानीय धार्मिक संस्था श्री जीण दीवाने के भक्तों का एक जत्था गुरुवार को बेंगलूरु के रेलवे स्टेशन से हम सफर ट्रेन से जगनाथ पूरी दर्शन के लिए रवाना हुआ। संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंच कर वहां से जगनाथ पूरी जाएंगे और शनिवार सुबह भगवान जगन्नाथ की आरती के दर्शन करेंगे। उसके पश्चात आसपास के अन्य मंदिरों के भी दर्शन करेंगे। इस यात्रा में नंदकिशोर चौधरी, शशि शर्मी, शुभम कंदोई, जटाशंकर मिश्रा, सुनील कुमार मोदी, मुकेश चौधरी, सुशीला अग्रवाल, सरीता चौधरी, शेली तिवारी, शालू खेमका सहित अनेक यात्री शामिल हैं। पूरी यात्रा में खाने पीने देव दर्शन के लिए सुखद एवं सुंदर व्यवस्था की गई है। सोमवार शाम को सभी बेंगलूरु लौटेंगे।

विजयनगर युवा संघ द्वारा आयोजित एक दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ, विजयनगर द्वारा एक दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संघ का सफल आयोजन किया गया। इस यात्रा में विजयनगर संघ, युवा संघ, महिला मंडल तथा बहु मंडल के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान रामकोट में विराजित गुरुवर्या श्री सुधाकवरजी के दर्शन-वंदन, मंगलिक एवं ज्ञान चर्चा का लाभ प्राप्त हुआ। साध्वीवृंद ने विजयनगर युवा संघ के सदस्यों की अनुमोदना करते हुए उनकी विहार सेवा एवं अन्य सेवाओं की सराहना की तथा गत वर्ष

विजयनगर में हुए ऐतिहासिक चातुर्मास को स्मरण किया। इसके पश्चात काचीगुड़ा में जयश्रीजी, सिकंदराबाद में श्री सुमंगलाश्रीजी के दर्शन-वंदन एवं मंगलिक के लाभ लिए गए। इसके बाद भोंगीर स्थित गुरु गणेश धाम में कर्नाटक गज केसरी, घोर तपस्वी श्री गणेशिलालजी के समाधि स्थल के दर्शन कर, कुलपाकजी महातीर्थ के उत्तम दर्शन के साथ यात्रा का समापन हुआ। इस यात्रा में युवा संघ के सदस्य शंकर दक, महावीर गुगलिया, हितेश पगारिया, विनोद रूनवाल, सुनील रांका, महावीर पिछोलिया, विमल गुगलिया, महावीर दक, किशोर बोहरा सहित महिला मंडल की अध्यक्ष किरणबाई भंडारी, मंत्री पवन रांका एवं अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने युवा संघ की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसी यात्राओं के आयोजन का अनुरोध किया। यह जानकारी महावीर गुगलिया द्वारा प्रदान की गई।

सत्ता के नशे में राज्य सरकार का व्यवहार खराब

सरकार गन्ना किसानों के मुद्दे पर अंधे और बहरे की तरह व्यवहार कर रही: विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। किसानों के संघर्ष को लेकर पहले किसी भी राज्य सरकार ने इतना खराब व्यवहार नहीं किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने आलोचना की है कि सरकार सत्ता के नशे में इतनी चूर हो गई है कि ऐसा कर रही है। विजयेंद्र और उनके नेताओं ने गन्ना किसानों के संघर्ष के दौरान आत्महत्या का प्रयास करने वाले और बेलगावी के केएलई अस्पताल में आपातकालीन उपचार करा रहे किसान और उसके परिवार से मुलाकात की। बाद में, विजयेंद्र ने मीडिया से बात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से गन्ना किसानों के मुद्दे को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार गन्ना किसानों के मुद्दे पर अंधे और बहरे की तरह व्यवहार कर रही है। इसे देखते हुए, उन्होंने कहा कि उन्होंने और पार्टी नेताओं ने संघर्ष में भाग लिया। मैंने रात भर धरने में भाग लिया। हमने आज भी संघर्ष में भाग लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने इसके माध्यम से साहस जगाने की कोशिश की। उन्होंने मीडिया को अधिक प्रचार देने के लिए बधाई दी। विजयेंद्र ने आपत्ति जताई कि राज्य में सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस सरकार राज्य के किसानों के लिए वास्तविक चिंता के साथ काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार किसानों की मदद करने वाले कार्यक्रम पेश करने में विफल रही है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि भारी बारिश के दौरान भी कृषि मंत्री, राजस्व मंत्री और विभागीय सचिवों ने किसी भी जिले का दौरा नहीं किया। उन्होंने वहां के किसानों की स्थिति का अध्ययन करने का भी प्रयास नहीं किया। हालांकि पड़ोसी महाराष्ट्र सरकार ने किसानों के लिए मुआवजे की घोषणा की है और उन्हें मुआवजा दिया है, लेकिन हमारे राज्य में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार केंद्र सरकार को असमंजस में डालने का काम कर रही है। उन्होंने सरकार पर संकटग्रस्त किसानों को एक पैसा भी नहीं देने का आरोप लगाया। मांड्या में एक किसान ने आत्महत्या कर ली। दर्जनों बार तहसीलदार के कार्यालय जाने के बावजूद कोई काम नहीं हुआ। दूसरी ओर, गन्ना उत्पादक पिछले पाँच-छह दिनों से लगातार संघर्ष कर रहे हैं। बेलगावी, बागलकोट और बीजापुर के गन्ना उत्पादकों ने राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की है, लेकिन उन्हें कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। किसी भी मंत्री ने किसानों से मिलने की कोशिश नहीं की। मैंने पिछले दिनों संघर्ष, विरोध प्रदर्शन और रात भर के धरने में हिस्सा लिया था। मैंने वहाँ गन्ना उत्पादकों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। मंत्री एच.के. पाटिल वहाँ आए थे क्योंकि संघर्ष बहुत तीव्र था। हालाँकि, किसानों की माँगें पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने आलोचना की कि इस संबंध में कोई प्रयास नहीं किया गया है। पाटिल द्वारा दिया गया बयान बेंगलूरु के किसी एसी कमरे में बैठकर दिया जा सकता था। उन्होंने आपत्ति जताई कि संघर्ष स्थल पर आकर ऐसा कहने की कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि जब वे वहाँ पहुँचे थे, तो उन्हें गन्ना उत्पादकों की स्थिति को समझना चाहिए था और मुआवजा प्रदान करना चाहिए था। अभी समय नहीं बीता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को दोष देना केवल अर्धसत्य है। केंद्र के बारे में मुख्यमंत्रियों और चीनी मंत्रियों के बयान केवल अर्धसत्य हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार निर्णय लेती है, तो चीनी मिल मालिकों के साथ बैठकर गन्ना उत्पादकों को न्याय दिलाना संभव है। उन्होंने कहा कि ऐसी दुविधा में, मुख्यमंत्री को खुद मौके पर जाना चाहिए था और समस्या का समाधान करना चाहिए था। कांग्रेस सरकार किसानों के लिए एक रेखा खींचने का काम कर रही है। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह एक अक्षम्य अपराध है क्योंकि यह किसान विरोधी व्यवहार कर रहा है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को उदासीन नहीं होना चाहिए, बल्कि गन्ना उत्पादकों की स्थिति को समझना चाहिए और मुआवजा प्रदान करना चाहिए।

शराब पीकर गाड़ी चलाने का मामला

रिश्वत लेने के आरोप में बीएमटीसी के नौ अधिकारी निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) ने शराब के नशे में ड्यूटी पर आने वाले ड्राइवरों से रिश्वत लेने के आरोपों के बाद नौ अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। बीएमटीसी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जांच लंबित रहने तक निलंबन आदेश जारी कर दिए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह मामला बीएमटीसी डिपो-35 में सामने आया, जहां इलेक्ट्रिक बसों के कुछ ड्राइवर कथित तौर पर नशे में काम पर पहुंचे। एक अधिकारी ने कहा इस आरोप की आंतरिक जांच चल रही है कि कुछ अधिकारी सुरक्षा और संचालन नियमों का उल्लंघन करते हुए ऐसे ड्राइवरों से हजारों रुपये की रिश्वत ले रहे थे। बीएमटीसी के नियमों के अनुसार, डिपो अधिकारियों को ड्राइवरों को ड्यूटी पर नियुक्त करने से पहले अनिवार्य रूप से शराब की जांच करनी होती है। अधिकारी के अनुसार, नशे में पाए जाने वाले किसी भी ड्राइवर को तुरंत बस चलाने से रोक दिया जाना चाहिए। यह घटना बीएमटीसी के इलेक्ट्रिक बस संचालन की चल रही जांच के बीच हुई है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने हाल ही में सकल लागत अनुबंध (जी-सीसी) मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक बसों का प्रबंधन करने वाले निजी ऑपरेटरों के खराब प्रदर्शन और जवाबदेही की कमी पर गंभीर चिंता जताई। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को लिखे एक पत्र में, रेड्डी ने इलेक्ट्रिक बसों से जुड़ी बढ़ती दुर्घटनाओं, बार-बार होने वाली खराबी, चालकों की हड़ताल और यात्रियों की बढ़ती शिकायतों पर प्रकाश डाला।

सिलिकॉन सिटी बेंगलूरु में विदेशी ड्रग नेटवर्क!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस की कड़ी निगरानी के बावजूद, राजधानी बेंगलूरु समेत पूरे राज्य में नशीले पदार्थों का परिवहन और बिक्री जारी है। बेंगलूरु सिटी पुलिस समेत राज्य पुलिस, कर्नाटक राज्य को नशीले पदार्थों से मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, सरकार ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में एक नारकोटिक्स कंट्रोल यूनिट का गठन भी किया है और उन्हें तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बेंगलूरु शहर में न केवल पड़ोसी राज्यों से, बल्कि विदेशों से भी विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थ आ रहे हैं। इनका परिवहन और बिक्री बेहद गोपनीय तरीके से होती है। इस साल जनवरी से अक्टूबर के पहले सप्ताह तक, बेंगलूरु सिटी पुलिस ने 711 मामलों में कुल 1048 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 81.21 करोड़ रुपये मूल्य का 1486.58 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 35 विदेशी हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें से ज्यादातर नाइजीरियाई नागरिक हैं। शिक्षा, पर्यटन, चिकित्सा आदि के लिए वीजा पर बेंगलूरु शहर आए कुछ विदेशी, वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अपने-अपने देशों में गए बिना यहीं रह जाते हैं। शहर में अवैध रूप से बसे कुछ विदेशी, मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में लिप्त हैं, आसानी से पैसा कमा रहे हैं और विलासितापूर्ण जीवन जी रहे हैं। इनमें से अधिकांश आरोपी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास किराए के मकानों में रहते हैं। बेंगलूरु शहर की पुलिस जानकारी इकट्ठा करती है और अक्सर ऐसे लोगों के घरों पर छापेमारी करके उन्हें गिरफ्तार करती है। वे पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों की जांच करते हैं और जिनके वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हैं। हालांकि, विदेशी मादक पदार्थों के तस्करों की संख्या कम नहीं हो रही है। बेंगलूरु शहर की पुलिस, बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित विदेशी डाकघर में विदेश से शहर और राज्य में आने वाले सभी पार्सल पर भी नजर रख रही है। यद्यपि पुलिस ने बसों, रेलवे और हवाई अड्डों पर कड़ी कार्रवाई की है, फिर भी विदेशों से शहर में मादक पदार्थों का आना बंद नहीं हुआ है। राज्य सरकार के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को केंद्रीय गृह और विदेश मंत्रियों से मिलकर उनसे विदेशों से भारत में मादक पदार्थों के निरंतर प्रवाह को पूरी तरह से रोकने का अनुरोध करना चाहिए। अगर बेंगलूरु सिटी पुलिस, एफआरआरओ अधिकारियों के साथ मिलकर, वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी शहर में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों का पता नहीं लगाती और उन्हें बाहर नहीं निकालती, तो राजधानी बेंगलूरु नशे की राजधानी बन जाएगी।

कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर गतिविधियों पर रोक लगाने वाले सरकारी आदेश पर रोक के खिलाफ अपील खारिज की

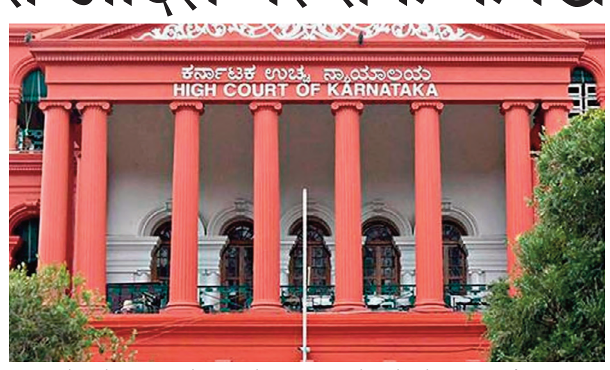

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एकल न्यायाधीश के अंतरिम आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी, जिसमें उस सरकारी आदेश पर रोक लगा दी गई थी जिसमें निजी संगठनों को सरकारी स्वामित्व वाले स्थानों पर कोई भी गतिविधि आयोजित करने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य किया गया था। न्यायमूर्ति एस. जी. पंडित और न्यायमूर्ति गीता के. बी. की खंडपीठ ने सरकार को एकल न्यायाधीश से इस रोक को हटाने का अनुरोध करने का निर्देश दिया।

एकल न्यायाधीश ने 28 अक्टूबर को एक अंतरिम आदेश जारी किया था। सरकारी आदेश के अनुसार, सरकारी आदेश का उल्लंघन करते हुए आयोजित किसी भी कार्यक्रम या जुलूस को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गैरकानूनी सभा माना जाएगा। हालांकि सरकारी आदेश में आरएसएस का नाम स्पष्ट रूप से नहीं है, लेकिन कहा जा रहा है कि आदेश के प्रावधानों का उद्देश्य हिंदू दक्षिणपंथी संगठन की गतिविधियों, जिसमें उसके रूट मार्च भी शामिल हैं, को प्रभावित करना है।

सुनवाई के दौरान, खंडपीठ ने सवाल किया कि क्या 10 या उससे अधिक व्यक्तियों के जमावड़े को स्वतः ही गैरकानूनी माना जा सकता है। पीठ ने पूछा अगर लोग एक साथ चलना चाहते हैं, तो क्या इसे रोका जा सकता है? सुझाव दिया कि राज्य अपील दायर करने के बजाय एकल न्यायाधीश से स्पष्टीकरण मांगे। सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने कहा कि यह आदेश रैलियों और जुलूसों जैसे संगठित आयोजनों के लिए है, न कि अनौपचारिक मेल-मिलाप के लिए। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही बेंगलूरु में विरोध प्रदर्शनों को फ्रीडम पार्क और खेल आयोजनों को कांतीरवा स्टेडियम तक सीमित कर चुकी है। उन्होंने तर्क दिया यह आदेश सार्वजनिक संपत्ति और व्यापक जनहित की रक्षा करता है, और निर्देश को प्रतिबंध के बजाय एक 'सक्षमकारी प्रावधान' बताया। प्रतिवादियों - पुनर्चेतना सेवा संस्थान और वी केयर फाउंडेशन - की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक हरनहल्ली ने प्रतिवाद किया कि सरकार की अपील विचारणीय नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(बी) का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने के अधिकार को केवल सार्वजनिक व्यवस्था के आधार पर ही सीमित किया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया इस नियम के तहत क्रिकेट खेलने वाले समूह को भी प्रतिदिन अनुमति की आवश्यकता होगी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, पीठ ने एकल न्यायाधीश द्वारा दिए गए स्थगन के खिलाफ सरकार की अपील को खारिज कर दिया। एकल न्यायाधीश के समक्ष मुख्य याचिका 17 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। 18 अक्टूबर के सरकारी आदेश के अनुसार, किसी भी कार्यक्रम या आयोजन से तीन दिन पहले सरकारी परिसर के उपयोग की अनुमति लेनी होगी, और यह किसी भी निजी संघ, सोसायटी, ट्रस्ट, क्लब, व्यक्तियों के निकाय या किसी अन्य संस्था पर लागू होगा, चाहे वह पंजीकृत हो या नहीं। किसी भी जुलूस या रैली के लिए अनुमति आवश्यक होगी, जिसमें 10 से अधिक व्यक्तियों का समूह, संगीत के साथ, एक ही उद्देश्य से कोई आंदोलन या सरकारी संपत्ति से होकर गुजरने वाला रूट मार्च शामिल हो। हालांकि, विवाह और अंतिम संस्कार समारोहों को इससे छूट दी गई है। सरकारी परिसरों में भूमि, भवन, सड़क, पार्क, खेल का मैदान, जलाशय या स्थानीय अधिकारियों या प्रशासनिक विभागों, बोर्डों और निगमों के स्वामित्व और प्रबंधन वाली कोई भी अचल संपत्ति शामिल है। क्षेत्राधिकार वाले पुलिस आयुक्त या उपायुक्त परमिट जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होंगे। यह आदेश हाल ही में कैबिनेट के एक फैसले पर आधारित है, जो पंचायत राज और आईटी/बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखे गए पत्र के बाद लिया गया है, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। विपक्षी भाजपा ने इस कदम की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि इसका उद्देश्य आरएसएस के कार्यक्रमों और जुलूसों पर अंकुश लगाना है।

वोट धांधली हस्ताक्षर संग्रह अभियान में

भाग नहीं लेने वाले ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को बर्खास्त किया जाएगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, ने चेतावनी दी है कि मतदान में गड़बड़ी के मामले में हस्ताक्षर संग्रह अभियान में काम न करने वाले ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को तुरंत बर्खास्त कर दिया जाएगा और विधायकों के खिलाफ भी आलाकमान को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और दस्तावेजों के साथ हरियाणा में मतदान में गड़बड़ी का पर्दाफाश किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भी मतदान में गड़बड़ी के उदाहरण मौजूद हैं। मतदान में गड़बड़ी के खिलाफ हस्ताक्षर संग्रह अभियान चल रहा है। राज्य और देश भर से एकत्र किए गए हस्ताक्षर नौ तारीख को दिल्ली लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एआईसीसी इसे समेकित करेगी और पार्टी आलाकमान इसे चुनाव आयोग को सौंपेगा। एआईसीसी नेताओं ने बुधवार रात ज़ूम मीटिंग में भी एक बैठक की और कहा कि मतदान में गड़बड़ी के मामले में काम न करने वालों को बिना देर किए और बिना समय दिए बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्हें विधायकों और मंत्रियों के बारे में पार्टी को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। उनके पास ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को बर्खास्त करने का अधिकार है और वे कार्रवाई करेंगे। कुछ विधायकों ने काम नहीं किया है, उनके बारे में मुख्यमंत्री को सूचित किया जाएगा। अगर इसके बाद भी वे नहीं जागे, तो पार्टी कोई फैसला लेगी। कर्नाटक में अब तक लगभग 80 लाख हस्ताक्षर एकत्र किए जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया है। लोकतंत्र में जनता भगवान के समान होती है। हम उन्हें मामले की जानकारी देंगे। उन्हें पता है कि कनकपुरा और बेंगलूरु दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में क्या हुआ है, जो बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। चूंकि वे हार गए थे, इसलिए उस क्षेत्र पर चर्चा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कुछ जगहों पर बूथ एजेंट नहीं थे। केवल कर्नाटक ही नहीं, महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में भी वोटों में हेराफेरी हो रही है। उन्होंने कहा कि एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में जानकारी पहुंचाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह कावेरी नदी विवाद के संबंध में एक अलग पीठ गठित करेगा। इसके लिए गुरुवार का समय दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक के लिए सर्वश्रेष्ठ की प्रार्थना करेंगे। कैबिनेट ने तय किया था कि सरकारी संपत्तियों पर निजी संगठनों के संचालन के लिए अनुमति ली जानी चाहिए। हमने पिछली जगदीश शेट्टर सरकार के आदेश को फिर से लागू किया है। इसमें कहीं भी आरएसएस का नाम नहीं लिया गया है। यह नहीं सोचा जाना चाहिए कि इस मुद्दे पर हाईकोर्ट के फैसले से सरकार को कोई झटका लगा है। उन्होंने कहा कि कानूनी विशेषज्ञों की एक टीम इस पर चर्चा करेगी और आगे की कार्रवाई करेगी।

साइबर धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिले की साइबर अपराध पुलिस ने बेंगलूरु के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक पीड़ित से 24,78,274 रुपये की ठगी की। इस अकाउंट का दावा था कि वह व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए तुरंत अनुष्ठान करता है।

गोकुला प्रथम स्टेज, यशवंतपुर, बेंगलूरु निवासी और वर्तमान में श्रीनिवासनगर, सुंकदकट्टे, बेंगलूरु में रहने वाले आरोपी वासुदेव आर. (32) ने एक इंस्टाग्राम प्रोफाइल बनाई थी जिसमें समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए विशेष पूजा-अर्चना करने की पेशकश की गई थी। इस पेशकश पर विश्वास करके, एक पीड़ित ने लगभग 24.78 लाख रुपये उसके खाते में ट्रांसफर कर दिए। एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने 4 नवंबर को वासुदेव का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने अपराध में इस्तेमाल किए गए चार मोबाइल फोन हैंडसेट और 20,300 रुपये नकद जब्त किए, जिनकी कुल अनुमानित संपत्ति 1,60,300 रुपये है। अपराध संख्या 87, 2025, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक जांच अधिकारी ने कहा आरोपी ने लोगों की आस्था का फायदा उठाया और पैसे के बदले त्वरित आध्यात्मिक उपचार का वादा किया। हम जांच कर रहे हैं कि क्या इसी तरीके का इस्तेमाल करके और पीड़ितों को ठगा गया है। वासुदेव को 5 नवंबर को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

राजनाथ ने लघु उद्योग भारती की निस्वार्थ सेवा को प्रेरित करने का आरएसएस को दिया श्रेय

बेंगलुरु, 06 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लघु उद्योग भारती जैसे संगठनों को निस्वार्थ सेवा और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की भावना से काम करने लिए प्रेरित करने का श्रेय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को दिया है।

श्री सिंह ने गुरुवार को यहां लघु उद्योग भारती कर्नाटक और आईएमएस फाउंडेशन द्वारा आयोजित आईएमडी 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि संघ का समाज के प्रति सदियों पुराना समर्पण भारत के औद्योगिक और सामाजिक विकास को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा, लघु उद्योग भारती ने बिना किसी स्वार्थ के समाज और उद्योग जगत की सेवा करने की प्रेरणा आरएसएस से ली है। संघ लगभग सौ वर्षों से पूरी निष्ठा और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित है।

उन्होंने संघ परिवार के साथ अपने लंबे जुड़ाव पर गर्व व्यक्त करते हुए ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं लंबे समय से संघ परिवार से जुड़ा हुआ हूं। मैं पहले भी जुड़ा था, आज भी जुड़ा हूं और जब तक जीवित रहूंगा जुड़ा रहूंगा। उन्होंने भारतीय समाज में अनुशासन, समर्पण और सेवा की संस्कृति के निर्माण में अहम भूमिका निभाने के

लिए आरएसएस की सराहना की। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने हमेशा 'सर्व निष्काम सेवा' में विश्वास किया है और इसने पीढ़ियों में राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत किया है।

श्री सिंह ने भारत में लघु उद्योगों को बढ़ावा देने को लेकर निरंतर प्रयास करने को लेकर लघु उद्योग भारती और आईएमएस फाउंडेशन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संगठन का विकास भारत के सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता को दर्शाता है और लघु उद्योग भारती अब 'लघु' नहीं है।

उन्होंने कहा, यह दर्शाता है कि लघु उद्योग क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक स्तंभ कैसे बन गया है। उन्होंने कहा, संगठन ने लगातार लघु उद्योगों और उनके अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई है और यह योगदान वास्तव में सराहनीय है। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि केंद्र छोटे उद्योगों और उद्यमियों के पीछे मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने उद्योग जगत से विकसित भारत के निर्माण में भागीदार बनने का आग्रह करते हुए कहा, यदि आप भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हैं, तो सरकार आपका समर्थन करने के लिए दस कदम आगे बढ़ेगी। यह आगे बढ़ने का सही समय है।

रक्षा मंत्री ने सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करते हुए,कहा कि लघु उद्योगों का विकास भारत के विकास दृष्टिकोण का केंद्रबिंदु है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आप सभी सरकार के प्रयासों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं और भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे।

पार्थ पवार भूमि विवाद: अजित पवार ने झाड़ा पल्ला, फडणवीस ने दिए जांच के आदेश

मुंबई, 06 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को पुणे में अपने बेटे पार्थ पवार से कथित तौर पर जुड़े एक ज़मीन सौदे को लेकर चल रहे विवाद से खुद को अलग कर लिया और कहा कि इस मामले में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है। पवार ने कहा कि अगर किसी ने इस मामले में उनके नाम का दुरुपयोग किया है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया टीवी चैनलों पर जो कुछ भी दिखा रहा है, उसके बारे में मुझे पूरी जानकारी नहीं है। मेरा उस मामले से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई संबंध नहीं है। अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र की जनता मुझे 35 सालों से जानती है। मैंने इस मामले की पूरी जानकारी हासिल करने का फैसला किया है। मुझे दो-चार

महीने पहले भी ऐसी ही कुछ बातें सुनने को मिली थीं। मैंने कोई भी गलत काम न करने की हिदायत दी थी। लेकिन इस बीच क्या हुआ? मुझे नहीं पता। उन्होंने आगे कहा कि वह नियमों और कानून के दायरे में रहकर काम करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मामले की जाँच करने और दोषियों को सज़ा देने का भी आग्रह किया।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार से जुड़े पुणे भूमि सौदे में अनियमितताओं के आरोपों की जांच के आदेश दिए। फडणवीस ने कहा, मैंने सारी जानकारी माँग ली है। जाँच के आदेश भी दे दिए गए हैं... इस मामले की सच्चाई सामने लाएँगे। राज्य सरकार ने एक सब-रजिस्ट्रार को निलंबित कर दिया है और सौदे की जाँच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुके ने कहा कि समिति यह जाँच करेगी कि स्टाम्प शुल्क में छूट कानून के अनुसार दी गई थी या नहीं। उन्होंने कहा, महार वतन भूमि के बारे में एक विशिष्ट कानून है और विशिष्ट उद्देश्यों के लिए स्टाम्प शुल्क में छूट दी जाती है। बावनकुले ने कहा कि उन्होंने जाँच समिति को यह देखने का आदेश दिया है कि महार वतन भूमि से संबंधित क़ानूनी प्रा-वधानों का पालन किया गया है या नहीं। महार वतन का अर्थ महार समुदाय को वंशानुगत भूमि अनुदान से है।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में लेफ्ट विजयी अध्यक्ष समेत चारों सीट पर जीत

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव का नतीजा आ गया है। यहां केंद्रीय पैनल की चारों सीटों पर लेफ्ट समर्थित छात्र संगठनों ने जीत हासिल की है। वहीं, पिछले साल एक सीट हासिल करने वाली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानी एबीवीपी चारों सीटों पर चुनाव हार गई। इस बार जेएनयू छात्र संघ चुनावों में मुख्य मुकाबला विद्यार्थी परिषद और लेफ्ट समर्थित छात्र संगठनों के बीच था। यहां अध्यक्ष पद पर अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष पद पर कीझाकूट गोपिका बाबू, महासचिव पद पर सुनील यादव और सचिव पद पर दानिश को जीत मिली है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 4 नवंबर को छात्रसंघ चुनावों के लिए मतदान हुआ था। गुरुवार सुबह से ही सामने आ रहे रुझानों में लेफ्ट समर्थित उम्मीदवार लगातार अपनी बढ़त बनाए हुए थे। हालांकि एक सीट पर कई बार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उम्मीदवार ने मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन देर शाम नतीजे आते-आते चारों सीटों पर लेफ्ट समर्थित छात्र संगठनों ने जीत हासिल कर ली। वाम दलों के उम्मीदवारों ने सभी सीटों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव व संयुक्त सचिव पद पर अपनी जीत सुनिश्चित की है। कांग्रेस समर्थित छात्र संगठन एनएसयूआई ने भी यह चुनाव लड़ा है, लेकिन वह बुरी तरह पिछड़ गई और चारों में से किसी भी सीट पर मुख्य मुकाबले में नहीं रही। इस वर्ष वाम संगठनों ने संयुक्त रूप से छात्रसंघ चुनाव लड़ा। तीनों मुख्य वाम छात्र संगठन एसएफआई, आइसा व डीएसएफ के बीच गठबंधन था। इस बार विशेष रणनीति के तहत ये छात्र संगठन एकजुट हुए थे।

दरअसल, लंबे समय बाद छात्रसंघ चुनाव में ये संगठन साथ आए हैं। इन वामदलों की ओर से अध्यक्ष पद के लिए अदिति मिश्रा मैदान में थीं। अदिति मिश्रा अध्यक्ष पद का चुनाव जीत चुकी हैं। मतगणना में अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे अन्य सभी उम्मीदवारों के मुकाबले वे शुरुआती दौर से ही आगे चल रही थीं।

उपाध्यक्ष पद पर भी लेफ्ट उम्मीदवार कीझाकूट गोपिका बाबू को जीत हासिल हुई। महासचिव पद पर लेफ्ट पार्टियों के संयुक्त उम्मीदवार सुनील यादव ने जीत दर्ज की है। दिनभर चली मतगणना में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उम्मीदवार राजेश्वर कांत दुबे एक बार मामूली अंतर से आगे हुए थे, लेकिन शाम होते होते लेफ्ट प्रत्याशी ने उन्हें पराजित कर दिया।वहीं, संयुक्त सचिव पद पर भी लेफ्ट उम्मीदवार दानिश अली को विजय हासिल हुई। लेफ्ट समर्थित छात्र संगठनों ने इसे विचारधारा की जीत बताया। उन्होंने कहा कि जेएनयू के छात्रों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विचारों को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही चारों सीटों पर मतगणना समाप्त हो चुकी है और अंतिम नतीजे आ गए हैं।बता दें कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में कुल 8 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जेएनयू के इन मतदान केंद्रों पर मंगलवार को वोट डाले गए थे। यहां दो अलग-अलग पालियों में मतदान कराया गया था। पहली पाली का मतदान दोपहर 1 बजे तक चला। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे से दूसरी पाली का मतदान प्रारंभ हुआ था। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव व संयुक्त सचिव समेत विभिन्न संकायों के काउंसलर पद के लिए यह मतदान हुआ था। विश्वविद्यालय के कुल 9043 छात्र मतदाता थे। हालांकि, विश्वविद्यालय में इस बार कुल 67 प्रतिशत मतदान हुआ, जो बीते वर्ष के मुकाबले कुछ कम है।

जीत का जश्न: विश्व कप विजेता महिला टीम ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

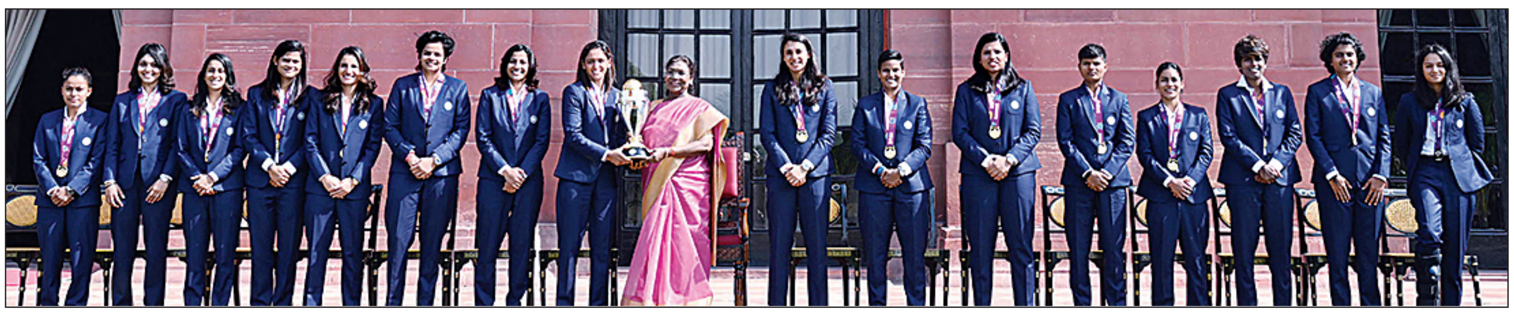

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति को टीम की तरफ से एक जर्सी भेंट की, जिस पर सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

बता दें कि भारतीय टीम ने बीते रविवार को नवी मुंबई में खेले गए 50 ओवरों के विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। गौरतलब है कि यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास का एक ऐतिहासिक पल माना जा रहा है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का काम किया है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, टीम इंडिया के ये सदस्य अलग-अलग क्षेत्रों, सामाजिक पृष्ठभूमियों और परिस्थितियों से आते हैं, लेकिन सभी एक टीम - भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।इस मुलाकात के दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप ट्रॉफी भी राष्ट्रपति को दिखाई है। टीम इससे पहले बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिली थी।प्रधानमंत्री संग हुई इस मुलाकात में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि 2017 में जब वे उपविजेता बनकर लौटी थीं, तब भी पीएम मोदी से मुलाकात हुई थी।

वहीं इस बार वे गर्व के साथ विजेता बनकर लौटी हैं। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने पीएम के नेतृत्व की सराहना की, जबकि दीप्ति शर्मा ने उनके प्रेरणादायक शब्दों को याद किया। पीएम मोदी ने टीम से 'फिट इंडिया' आंदोलन को आगे बढ़ाने और खासकर लड़कियों में फिटनेस को बढ़ावा देने की अपील की है।

ईडी ने धन शोधन मामले में क्रिकेटर रैना और धवन की 11.14 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरूवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति कुर्क की।

कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये मूल्य के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है।

ईडी ने यहां जारी एक बयान में दोनों क्रिकटरों की चल और अचल संपति की कुर्की की पुष्टि करते हुए कहा कि उसकी जाँच विभिन्न राज्य पुलिस एजेंसियों द्वारा अवैध अवैध विदेशी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म 1बीईटी के खिलाफ दर्ज की गयी कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

गौरतलब है कि 1बीईटी एक ऑनलाइन जुआ कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी और इसका मुख्यालय साइप्रस में है।ईडी की जाँच से पता चला है कि 1बीईटी और उसके सरोगेट ब्रांड 1बीएटी और 1बीएटी स्पोर्टिंग लाइन्स ने पूरे भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के संचालन को बढ़ावा दिया ।

एजेंसी की जाँच से पुष्टि हुई कि दोनों क्रिकेटरों ने जानबूझकर 1बीईटी के प्रतिनिधियों के माध्यम से उसे बढ़ावा देने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन समझौते किए। ये विज्ञापन, अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से होने वाली आय, धन के अवैध स्रोत को छिपाने के लिए विदेशी संस्थाओं के माध्यम से भुगतान के बदले में किए गए थे। जाँच में पता चला कि 1बीईटी भारत में बिना अनुमति के काम कर रहा था और सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो और प्रिंट मीडिया के माध्यम से भारतीय उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने के लिए सरोगेट ब्रांडिंग और विज्ञापनों का उपयोग कर रहा था।

ईडी की जाँच में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की धन शोधन का पता चला है। 1बीईटी ने विभिन्न म्यूल खातों के माध्यम से धन एकत्र कर भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए सट्टेबाजी की सुविधा प्रदान की और ऐसे 6000 से अधिक खातों की पहचान की गई है। म्यूल खाता एक बैंक खाता होता है जिसका इस्तेमाल अपराधी अवैध धन को सफेद करने के लिए करते हैं। ये खाते अक्सर अनजान व्यक्तियों द्वारा आसानी से पैसा कमाने के लालच में या जबरन इसमें शामिल होने के लिए खोले जाते हैं।

एजेंसी की जांच में यह भी पाया गया है कि उपयोगकर्ताओं से एकत्रित राशि में कई भुगतान गेटवे का इस्तेमाल किया जाता था। इसमें 1000 करोड़ रुपये से अधिक राशि के धन शोधन का संकेत मिला है। पीएमएलए के तहत तलाशी अभियान के बाद ईडी ने चार भुगतान गेटवे पर छापेमारी की जिसके परिणामस्वरूप आपत्तिजनक साक्ष्य जब्त किए गए। इन भुगतान गेटवे से जुड़े 60 से अधिक बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है जिनमें अब तक चार करोड़ रुपये से अधिक की राशि फ्रीज की गई है।

इस तरह के बढ़ते मामलों में ईडी ने एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है जिसमें कहा गया है कि जानबूझकर ऐसी गतिविधियों में सहायता करने वाले किसी भी व्यक्ति पर पीएमएलए के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। इसमें सात साल तक की कैद और संपत्ति कुर्क हो सकती है। यदि नागरिकों को खाते के दुरुपयोग का संदेह हो, तो उन्हें तुरंत अपने बैंक और स्थानीय पुलिस को सूचित करना चाहिए।

प्रदूषण पर एक्शन तेज! दिल्ली में बिना पीयूसी वाहनों के 4.87 लाख से अधिक चालान कटे

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच, दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अक्टूबर तक वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र के बिना वाहन चलाने पर 4.87 लाख से ज़्यादा वाहन चालकों पर जुर्माना लगाया, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3.78 लाख थी, जो 20 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि को दर्शाता है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दिल्ली यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, यह अभियान ऐसे समय में चलाया जा रहा है जब राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता 'खराब से गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही।

अधिकारी ने कहा, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, जो दिल्ली की वायु गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। नियंत्रित करने के लिए उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम यातायात रेंज में सबसे अधिक प्रदूषण नियंत्रण नियमों (पीयूसी) उल्लंघन (1,14,754 चालान) दर्ज किए गए, इसके बाद पूर्व (1,09,707), दक्षिण (1,06,939), उत्तर (96,984), उत्तर-पश्चिम (83,438) और मध्य (76,012) का स्थान रहा।यातायात पुलिस के सूत्रों ने बताया कि व्यापक प्रवर्तन के बावजूद, केवल 10 प्रतिशत उल्लंघनकर्ताओं ने ही अपना जुर्माना अदा किया है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत प्रदूषण नियंत्रण नियमों (पीयूसी) उल्लंघन पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, यातायात पुलिस ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के क्रियान्वयन में तेज़ी ला दी है और 14 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के बिना वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के 46,921 चालान जारी किए हैं।

सबसे पहले महाराष्ट्र में शुरू होगी स्टारलिंक सर्विस

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बन गया है जिसने उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ इंटरनेट सेवा के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। यह करार भारत सरकार से आवश्यक नियम और कानूनी मंजूरी मिलने के बाद लागू किया जाएगा। इससे राज्य के उन दूरदराज इलाकों मैं हाई स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट सेवा मिल सकेगी, जहां फाइबर या मोबाइल नेटवर्क नहीं पहुंच पाते। राज्य सरकार का मानना है कि इससे ग्रामीण इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासनिक सेवाओं तेजी से आगे बढ़ेगा। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह साझेदारी राज्य में डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में एक बड़ा कदम है।एलओआई पर स्टारलिंक की उपाध्यक्ष लॉरेन ड्रेयर और महाराष्ट्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव वीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। स्टारलिंक का स्वामित्व मस्क के पास है। फडणवीस ने कहा कि स्टारलिंक के महाराष्ट्र के साथ हाथ मिलाकर, हम हर गाँव, हर स्कूल और हर स्वास्थ्य केंद्र को, चाहे वह कितना भी दूर क्यों न हो, जोड़कर आखिरी डिजिटल खाई को पाट रहे हैं। यह साझेदारी एक सच्चे और भविष्य के लिए तैयार महाराष्ट्र के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमें इस सहयोग को शुरू करने और जमीनी स्तर पर डिजिटल इंडिया के लिए मानक स्थापित करने वाला भारत का पहला राज्य होने पर गर्व है।

स्टारलिंक, पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित दुनिया का सबसे उन्नत उपग्रह समूह है, जो स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल आदि का समर्थन करने में सक्षम विश्वसनीय ब्रॉडबैंड इंटरनेट प्रदान करता है। प्रक्षेपण सेवाओं के विश्व के अग्रणी प्रदाता और कक्षीय श्रेणी के पुन: प्रयोज्य रॉकेट वाले एकमात्र प्रदाता के रूप में, स्पेसएक्स को अंतरिक्ष यान और कक्षा में संचालन, दोनों का गहरा अनुभव है। इस सहयोग के तहत, यह तकनीक महाराष्ट्र सरकार और स्टारलिंक को राज्य के दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों, जैसे आदिवासी स्कूलों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आपदा नियंत्रण कक्षों, वन चौकियों, तटीय क्षेत्रों और गढ़चिरौली, नंदुरबार, धाराशिव और वाशिम जैसे आकांक्षी जिलों को जोड़ने के लिए मिलकर काम करने में सक्षम बनाएगी।

भारतीय भाषाएँ और कृत्रिम मेधा पर वीरवारीय परिचर्चा का आयोजन

जम्मू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन के मार्गदर्शन में 'भारतीय भाषाएँ और कृत्रिम मेधा' पर वीरवारीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका भाषा संकाय की अधिष्ठाता प्रो वन्दना शर्मा

एवं हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो भारत भूषण ने मुख्य वक्ता मुख्य वक्ता के रूप में कंप्युटर विभाग के आचार्य प्रो. पलविंदर सिंह मान का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ शशिकांत मिश्र ने किया। सर्वप्रथम विभाग की पीजी विद्यार्थी मानसी मिनिया के अलावा एवं शोधार्थियों सोनल तिवारी, इंद्रा देवी, अंशु कुमारी एवं विष्णु ने गंभीरता से अपने-अपने विचार रखे। तत्पश्चात मुख्य वक्ता प्रो. पलविंदर सिंह मान ने अपने उद्गार में कृत्रिम मेधा के उद्भावना का इतिहास पर आलोकपात करते हुए कैसे कृत्रिम मेधा भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में विशेष भूमिका निभा रही है, इस पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। अंत में विभाग के अध्यक्ष प्रो भारत भूषण ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक डॉ रत्नेश कुमार यादव, डॉ अरविन्द कुमार यादव के अलावा विभाग के सभी विद्यार्थी और शोधार्थियों की उपस्थिति रही।

जाली दस्तावेजों पर पासपोर्ट हासिल करने का मामला

सपा नेता आजम खान के बेटे को सुप्रीम कोर्ट से झटका

लखनऊ/नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के बेटे और यूपी के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खान की याचिका को खारिज कर दिया है। अब्दुल्ला की याचिका में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की गई थी। पूर्व विधायक अब्दुल्ला खान के खिलाफ यह मामला पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोप में दर्ज किया गया था।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हम हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। हालांकि, हम यह स्पष्ट करते हैं कि निचली अदालत हाई कोर्ट के आदेश से प्रभावित हुए बिना सभी मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें मुकदमा समाप्त होने के बाद प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि ट्रायल कोर्ट पर भरोसा रखें। फैसला

ट्रायल कोर्ट में ही होने दें। जब मुकदमा पहले ही खत्म हो चुका है, तो अब हम इसमें दखल क्यों दें?

यह मामला रामपुर जिले के सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर से संबंधित है, जिसमें अब्दुल्ला आजम खान आईपीसी की धारा 420, 467, 468 और 471 के तहत रामपुर के विशेष एमपी/एमएलए जज के समक्ष मुकदमे का सामना कर रहे हैं। एफआईआर के अनुसार, अब्दुल्ला आजम खान ने कथित तौर पर पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, जिसमें उनकी जन्मतिथि 30 सितंबर, 1990 बताई गई थी, जबकि उनके स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार उनकी वास्तविक जन्मतिथि 01 जनवरी, 1993 है। मामले में आरोप 09 सितंबर, 2021 को तय किए गए थे।

अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम खान और उनके पिता आजम खान द्वारा दायर एक अन्य मामले को रद्द करने की मांग वाली एक समान याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने के लिए पैन कार्ड प्राप्त करने हेतु जाली जन्म प्रमाण पत्र के कथित उपयोग से संबंधित एक अन्य मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। उस याचिका को भी खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा था कि उस मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है। उसने ट्रायल कोर्ट को आठ हफ्तों के भीतर फैसला सुनाने का निर्देश दिया था, और स्पष्ट किया था कि हाई कोर्ट की टिप्पणियों का अंतिम निर्णय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इससे पहले जुलाई में सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर निर्देश दिया था कि दोनों मामलों में सुनवाई जारी रह सकती है, लेकिन अंतिम फैसला नहीं सुनाया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि याचिकाएं विचारणीय नहीं हैं तथा संविधान के अनुच्छेद 20(2) और सीआरपीसी की धारा 300 के तहत दोहरे खतरे का सिद्धांत लागू नहीं होता। हाई कोर्ट ने कहा था कि यद्यपि कथित तौर पर एक ही जाली जन्म प्रमाण पत्र का इस्तेमाल पैन कार्ड और पासपोर्ट, दोनों प्राप्त करने के लिए किया गया था, फिर भी प्रत्येक प्रयोग एक अलग अपराध है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि अभियुक्तों ने अपने आवेदन देरी से दाखिल किए थे और तथ्यों की जानकारी होने के बावजूद पहले दोहरे खतरे की दलील नहीं दी थी।

पीएमओ तक पहुंचा बिजली के निजीकरण का विवाद

उपभोक्ता परिषद ने खामियां गिनाते हुए भेजा प्रस्ताव

लखनऊ, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी में बिजली के निजीकरण का मुद्दा अब बड़ा बनता जा रहा है। सीएम योगी से दखल की मांग करने के बाद अब परिषद ने पीएमओ को पत्र भेजा है। प्रदेश में निजीकरण व सुधार के नाम पर किए जा रहे नए प्रयोगों से उपभोक्ताओं की समस्याएं घटने के बजाय बढ़ने लगी हैं। यह आरोप लगाते हुए राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र भेजा है। सुधार के सुझाव भी दिए हैं। इसे सात नवंबर को पीएमओ में होने वाली ऊर्जा सुधार बैठक में शामिल करने की मांग की है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजे पत्र में बताया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने 1934 में कहा था कि बिजली हमेशा सरकारी क्षेत्र में रहनी चाहिए। सस्ती नहीं बल्कि बहुत सस्ती होनी चाहिए। इसलिए केंद्र सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि संविधान निर्माता के बताए हुए रास्ते पर चलें। देश में बिजली सस्ती करने की दिशा में कार्य करने की जरूरत है। पत्र में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नई विद्युत वितरण सुधार योजना का विरोध किया गया है। मांग की गई है कि इसे उपभोक्ता हितैषी बनाया जाए।

परिषद ने अपने प्रतिवेदन में कहा है कि यह योजना सुधार नहीं, बल्कि एक और वित्तीय बेलआउट (ऋण पुनर्गठन) है, जिसका पहला शर्त निजीकरण को बढ़ावा देना एवं बिजली दरों में वृद्धि करना है, जो पूर्णतः उपभोक्ता विरोधी कदम हैं। इस बैठक में उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष व अपर मुख्य सचिव ऊर्जा भी हिस्सा लेंगे। उत्तर प्रदेश का ऊर्जा प्रबंध पहले से ही निजीकरण का पक्षधर है। इसलिए वह निजीकरण के पक्ष में ही जानकारी देगा। वर्मा ने कहा कि हर पांच वर्ष में नई-नई योजनाएं जैसे एपीडीआरपी, आर-एपीडीआरपी, एफआरपी, उदय, आरडीएसएस आदि लाई जाती हैं, लेकिन वास्तविक सुधार जैसे वितरण दक्षता में सुधार, हानि नियंत्रण, समय पर सब्सिडी भुगतान, और जवाबदेही तय करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते हैं। इस वजह से भी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा

बिहार चुनाव में सपा न तीन में न तेरह में

लखनऊ, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार के चुनावी पर्व में सपा बहादुर अखिलेश यादव नाहक ही अपना लट्ठ भांज रहे हैं। हकीकत यह है कि इस चुनाव में उनकी सपा न तीन में है और न ही तेरह में और उनकी पार्टी के लिए दूर तक सूखा ही सूखा है। केशव प्रसाद मौर्य बिहार के सह चुनाव प्रभारी भी हैं।

मौर्य ने बिहार की जनता से विकसित और आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण के लिए पहले मतदान, फिर जलपान करने की अपील करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र और सशक्त बिहार के निर्माण के लिए आवश्यक है कि आप सभी अपने अपने मताधिकार का सदुपयोग करे। आइए, एकजुट होकर फिर से एनडीए समर्थित सुशासन की सरकार बनाएं और बिहार के विकास की रफ्तार को और गति दें। उन्होंने एक कविता के माध्यम से एनडीए सरकार चुनने और विपक्षी पार्टियों का ठगबंधन करार दिया है। महाठगों के ठगबंधन से ठन गई है रार,समझदारी से अपना भविष्य चुन रहा है बिहार।जंगलराज और भ्रष्टाचार के दिन हुए पार,फिर आ रही है विकास वाली एनडीए सरकार।

लंदन में रहकर यूपी की सैलरी लेने वाले शमशुल की जांच करेगा ईडी

विदेश से चार करोड़ की फंडिंग का आरोप

लखनऊ, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

लंदन में बैठकर यूपी में सहायक अध्यापक की सैलरी लेने वाले शमशुल हुदा खां के खिलाफ ईडी जांच करेगा। शमशुल पर विदेशी फंडिग लेने के भी गंभीर आरोप हैं। इस्लामिक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के लिए गैरकानूनी तरीके से विदेश से फंडिंग जुटाने वाले संतकबीनगर के मौलाना शमशुल हुदा खां के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम-1999 (फेमा) के तहत जांच करेगा। ईडी शमशुल के खिलाफ संतकबीनगर के खलीलाबाद थाने में दर्ज मुकदमे के आधार पर फेमा का केस दर्ज करने की तैयारी में है।

इस प्रकरण की जांच एटीएस ने की थी, जिसमें शमशुल द्वारा विदेश से करीब 4 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाने के सुराग मिले थे। फिलहाल उसके ब्रिटेन में होने की आशंका जताई जा रही है। एटीएस की जांच में सामने आया था कि शमशुल ने वर्ष 2013 में ब्रिटेन की नागरिकता ले ली थी और लगातार पाकिस्तान, अफ्रीकी देशों, आस्ट्रेलिया आदि जाकर इस्लाम धर्म का प्रचार (तकरीरें) कर रहा था। वह जम्मू-कश्मीर के कुछ संदिग्ध लोगों के संपर्क में भी था। वह 12 जुलाई 1984 को मदरसा दारूल उलूम अहले, सुन्नत मदरसा अशरफिया मुबारकपुर आजमगढ़ में सहायक अध्यापक आलिया के पद पर नियुक्त हुआ था और वर्ष 2007 से ही ब्रिटेन में रह रहा था।

वर्ष 2007 से 2017 तक बिना उसकी सेवा पुस्तिका की जांच किए प्रतिवर्ष वेतन वृद्धि प्रदान की जाती रही और 1 अगस्त 2017 से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति प्रदान करते हुए पेंशन भी स्वीकृत कर दी गयी। उसके खिलाफ संतकबीनगर के जिला अल्पसंख्यक अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर में फेमा एक्ट भी लगाया गया था, जिसकी जांच ईडी द्वारा की जाती है। इसी वजह से ईडी जल्द ही इस मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई करने की तैयारी में है।

चुनाव में बिहार जा रही 7500 लीटर शराब पकड़ी गई

209 लोग गिरफ्तार, चार किलो मादक पदार्थ जब्त

लखनऊ, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार चुनाव में खपाने के इरादे से ले जाई जा रही 7409 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। शराब की तस्करी करने वाले 209 लोगों को गिरफ्तार करने के साथ 197 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। वहीं करीब चार किलो मादक पदार्थ के साथ चार तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है।

आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार ने बताया कि बिहार राज्य की सीमा से प्रदेश के 7 जिलों देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, गाजीपुर, चंदौली, बलिया एवं सोनभद्र के 40 थानों की लगभग 524 किमी सीमा लगती है। बिहार में प्रथम चरण का मतदान बृहस्पतिवार को संपन्न हुआ, जो कुशीनगर, देवरिया, बलिया व गाजीपुर सीमा से सटे 15 विधानसभा क्षेत्रों में था।

वहीं द्वितीय चरण का मतदान 11 नवंबर को महराजगंज, कुशीनगर, गाजीपुर, चंदौली व सोनभद्र से सटी 5 विधानसभा क्षेत्रों में संपन होना है। प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में स्थापित 94 नाका-बैरियर (मिरर चेकपोस्ट-51, सीसीटीवी सहित चेकपोस्ट-45) पर 188 उपनिरीक्षक, 187 मुख्य आरक्षी और 227 आरक्षियों को तैनात किया गया है। चुनाव के दृष्टिगत 40 कंपनी पीएसी बल आवश्यक संसाधन एवं उपकरण के साथ उपलब्ध कराया गया है।

बसपा नेता को छत से धक्का देकर दारोगा ने मार डाला

दारोगा की करतूत बताकर बसपा नेता ने तोड़ दिया दम

शाहजहांपुर, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र में दबिश के दौरान दारोगा ने बसपा नेता सत्यभान को छत से धकेल दिया। बसपा नेता की रीढ़ की हड्डी टूट गई, वे तड़पते रहे, लेकिन लोगों ने उन्हें अस्पताल नहीं पहुंचाया। लोग वीडियो बनाते रहे, वे आठ घंटे तक तड़पते रहे। सड़क पर औंधे गिरे पड़े सत्यभान एक वीडियो में कह रहे हैं कि दारोगा राहुल सिसौदिया ने उन्हें छत से धक्का दिया। उनकी रीढ़ और कमर टूट गई है। वह दर्द से कराहते दिख रहे हैं। पुलिस प्रशासन इस हत्या की लीपापोती में जुट गया है। स्थानीय लोगों के प्रबल विरोध पर एफआईआर तो दर्ज की गई लेकिन उसमें हत्या का मामला न लिख कर गैर इरादतन हत्या का मामला लिखा गया। यानि, संज्ञेय अपराध को गैर संज्ञेय में तब्दील कर आरोपी दारोगा को बचा लिया गया।

तिलहर थाने के मौजमपुर गांव में मंगलवार रात पुलिस की दबिश के दौरान सत्यभान को छत से धक्का दिया गया। सत्यभान बसपा के कटरा विधानसभा क्षेत्र के जोन प्रभारी थे। दम तोड़ने से पहले सत्यभान ने वीडियो में दारोगा पर गालीगलौज और धक्का देने का आरोप लगाया। इसे सबूत के तौर पर पेश करते हुए परिजनों ने हंगामा किया। इसके बाद दारोगा और सादा कपड़ों में आए एक अन्य के खिलाफ गैरइरादतन हत्या और एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। अभियुक्तों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

बिहार के चुनावी अभियान में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

अपराधियों को सत्ता का स्वाद चखाओगे तो कीमत चुकाओगे

लखनऊ, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

सीएम योगी ने बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार में ताबड़तोड़ रैली की। गुरुवार को पूर्व उप मुख्यमंत्री व बेतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रेणु देवी के लिए कमल खिलाने की अपील की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज बिहार में विकास की सारी योजनाएं हैं। बिहार बदलकर समृद्धि की तरफ बढ़ा है। राजद काल में 1990 से 2005 के मध्य 60 से अधिक जातीय नरसंहार व अपहरण की 30 हजार घटनाएं हुईं। उस समय इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे, व्यापारी के साथ ही सड़क, पुल का भी अपहरण हो जाता था। पेशेवर माफिया व अपराधी इनके शागिर्द बनते थे। यूपी में माफिया को अब बुलडोजर से रौंद दिया गया है। सीएम ने मतदाताओं को चेताया कि माफिया व अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना चाहिए। जब भी इन्हें सत्ता का स्वाद चखाओ तो कीमत चुकाओगे। दंगाइयों को सत्ता का स्वाद चखने नहीं देना है।

सीएम योगी की बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार में ताबड़तोड़ रैली निरंतर जारी है। गुरुवार को दूसरी रैली में उन्होंने पूर्व उप मुख्यमंत्री व बेतिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रेणु देवी के लिए कमल खिलाने की अपील की। यहां जनसभा में योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनाया तो कांग्रेस व राजद गठबंधन पर करारा प्रहार किया।

सीएम ने विपक्षी प्रत्याशियों की जमानत जब्त कराने की अपील की। कहा कि आज पहले चरण की 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। नौजवान, किसान, श्रमिक, माताएं, बहनें, युवा सभी एनडीए को वोट दे रहे हैं। रुझान बता रहा कि 14 नवंबर को परिणाम आने पर एनडीए सरकार का नारा फिर बुलंद होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, यूपी में इनके पार्टनर सपा व कांग्रेस माफिया को गले लगाकर चलती थी। जनता का शोषण करती थी। हमने कहा कि यह नहीं चलेगा। आज यूपी में नौजवान को नौकरी, रोजगार, शिक्षा, बहन-बेटियों को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन है। वहां युवा मस्त व माफिया पस्त है। यूपी में माफिया को बुलडोजर से रौंद दिया गया है।

लखनऊ में डीजीपी आवास के सामने दुर्दांत माफिया ने गरीबों की जमीनों पर कब्जा करके हवेली बनाई थी। एक दिन मैंने कहा कि इसे कब्जे में ले लो। मैं बताऊंगा कि क्या करना है। फिर कब्जे में लेकर उस हवेली पर बुलडोजर चलवाया गया। वहां हमने गरीबों के लिए 72 आवास बनाकर उन्हें चाबी सौंपी। यही काम प्रयागराज में भी किया। माफिया व अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना चाहिए। जब भी इन्हें सत्ता का स्वाद चखाओ तो इसकी कीमत चुकाओगे।

योगी ने कहा, पीएम मोदी ने भारत को बदला है। जो काम कांग्रेस 65-70 वर्ष में नहीं कर पाई, मोदी जी ने 11 वर्ष में कर दिया। 46 करोड़ बैंक अकाउंट खोल दिए गए, जिससे गरीबों, महिलाओं व लाभार्थियों का पैसा सीधे अकाउंट में जाता है। पीएम ने कांग्रेस व राजद की दलाली को रोक दिया है, इसलिए यह लोग मोदी जी को गाली देते हैं। राजद के समय बिजली नहीं आती थी, जबकि अब तीन करोड़ लोगों के घर में बिजली कनेक्शन दिए गए। लालटेन की लाइट में मोबाइल-लैपटॉप नहीं चार्ज कर पाएंगे, क्योंकि बिजली तो एनडीए ही देगी। यह लोग लालटेन दिखाकर बंद कर देते थे, फिर रात में डकैती डालते थे। कांग्रेस, राजद व सपा वाले जाति के नाम पर बांटने का कार्य कर रहे हैं। सीएम ने मतदाताओं को आगाह किया कि बंटे थे तो कटे थे। बंटना नहीं है, एकजुट होकर कांग्रेस-राजद के माफियाराज व जंगलराज का मुंहतोड़ जवाब देना है।

सीएम ने बिहार की गौरवशाली धरा पर महापुरुषों का स्मरण किया। बोले कि मां जानकी ने इस धरा पर जन्म लेकर साक्षात लक्ष्मी का अवतार बनकर लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। यूपी व बिहार सांझी विरासत के प्रतीक हैं। हमारा संबंध श्रीराम व मां सीता जैसा है। एक-दूसरे के साथ पवित्र संबंध के साथ जुड़े हैं। इसे कोई अलग नहीं कर सकता। शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद शैली का जन्म बेतियाराज घराने में हुआ था। बिहार में जो संभावनाएं थीं, उसे पहले कांग्रेस, फिर राजद ने धूल-धूसरित किया। अंग्रेजों की विरासत के अनुसार कांग्रेस ने किसानों को भुखमरी की ओर धकेला तो राजद ने उनका शोषण किया। इन लोगों ने समृद्ध बिहार बनने के सपनों को जंगलराज में बदलकर नौजवानों, नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, लेकिन 20 वर्ष पहले नौजवानों ने अंगड़ाई ली। नीतीश बाबू के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी तो इसके साथ ही सुशासन की आधारशिला खड़ी की गई, जिस पर मजबूत इमारत का निर्माण करना है और विकसित बिहार की पीएम मोदी की संकल्पना को आगे बढ़ाना है।

सीएम योगी ने कहा, कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि श्रीराम हुए ही नहीं। कांग्रेस ने मां सीता और महर्षि वाल्मीकि को भी झुठलाने का बड़ा पाप किया। कांग्रेस आस्था व विरासत का अपमान करती है। राजद ने राम मंदिर के रथ को रोक दिया। यूपी में इनके पार्टनर सपा ने रामभक्तों पर गोली चलाकर अयोध्या को लहूलुहान कर दिया, लेकिन हमने जो कहा-वह करके दिखाया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया। इससे पहले अयोध्या में बने अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर हुआ। रसोई मां शबरी और रैन बसेरा निषादराज के नाम पर बना है। 25 नवंबर को पीएम मोदी अयोध्या आ रहे हैं। राम मंदिर में राम दरबार भी है। हनुमानगढ़ी में हनुमानजी महाराज विराजमान हैं। वहां सुग्रीव किला भी है। रामायण काल के पहले बलिदानी गिद्धराज जटायु भी राम मंदिर की तरफ देख रहे हैं। जिस गिलहरी ने सेतु निर्माण में योगदान दिया, उसकी भी मूर्ति लगाई गई है। यह कृतज्ञता ज्ञापित करने की संस्कृति है। कांग्रेस व राजद कृतज्ञता ज्ञापित करना नहीं सिखा सकती। एनडीए सरकार सीतामढ़ी में भी मां जानकी का मंदिर बना रही है। एनडीए का रथ बिना रुके, झुके, डिगे डबल स्पीड से बढ़ रहा है।

शेविंग टिप्स

सेन्सिटिव स्किन के लिए बड़े काम के हैं ये शेविंग टिप्स

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी के अनुसार, शेविंग करने वाले 30 प्रतिशत से ज्यादा पुरुषों को दा?ी बनाने के बाद त्वचा में जलन की शिकायत रहती है। यह समस्या खास तौर से उन लोगों में होती है, जिनकी त्वचा संवेदनशील है। यदि आप भी इस श्रेणी में आते हैं, तो त्वचा की हिफाजत करते हुए अच्छी तरह शेविंग कर सकते हैं, बशर्ते आप

कुछ मूलभूत बातों का ध्यान रखें।.........

याद करें पहला सबक

याद करें, जब आपने दाढ़ी बनाना शुरू ही किया था, तब आपने इसकी ए-बी-सी के रूप में क्या सीखा था। पहले चेहरा गीला कर लें, अपनी सुविधानुसार शेविंग क्रीम या ऑइल लगाएं और हमेशा उस दिशा में शेव करें, जिस दिशा में बाल उगते हैं। दरअसल बात यह है कि स्किन इरिटेशन का मुख्य कारण त्वचा पर ब्लेड का घर्षण ही होता है। इसलिए गौर करें कि कहीं आप गलत तरीके से तो शेव नहीं कर रहे। सभी पुरुषों के दाढ़ी-मूंछ के बाल एक जैसे नहीं होते। किसी के बाल मोटे तो किसी के पतले होते हैं, किसी के बाल रूखे तो किसी के घुमावदार। आपको अपनी त्वचा और अपने बाल के अनुसार रेजर चुनना चाहिए। मगर ध्यान रखें कि यह पुरानी सलाह भी हमेशा कारगर नहीं होती कि बाल उगने की दिशा में ही रेजर फिराना चाहिए। वैसे भी प्रत्येक हेयर फॉलिकल की कोई एक दिशा ही नहीं होती। हो सकता है कि आपको सही दिशा में शेव करते वक्त कुछ ज्यादा ही जोर लगाना पड़ रहा हो और इसी वजह से त्वचा को नुकसान हो रहा हो। इसलिए यदि आप पाते हैं कि बालों की दिशा से विपरीत दिशा में रेजर चलाने पर बेहतर शेव होती है और त्वचा में जलन नहीं होती, तो वैसे ही करें।

गर्मी का लाभ लें

गर्म पानी इस्तेमाल करने से बाल मुलायम हो जाते हैं और उन्हें शेव करना आसान हो जाता है। साथ ही, इससे रोमछिद्र खुल जाते हैं। याद रखें, शेव कर लेने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धोना भी उतना ही जरूरी है ताकि रोमछिद्र वापस बंद हो जाएं और उनमें धूल आदि का प्रवेश न होने पाए। यह त्वचा को साफ व स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है।

त्वचा का रखें ध्यान

सिर्फ शेविंग के दौरान ही नहीं, अपनी त्वचा का ध्यान हमेशा ही रखना चाहिए। अच्छा स्किन हाइजीन बनाए रखें। कोई अच्छा मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करें। सेंसिटिव स्किन के लिए अलग तरह के मॉइश्चराइजर आते हैं। दिन में दो बार किसी अच्छे फेसवॉश से चेहरा धोएं।

सुबह-सुबह की ये आदतें बढ़ा देंगी आपका वजन

मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। लेकिन आपको पता ही नहीं चलता कि इस मोटापा बढ़ने का कारण आपकी आदतें ही हैं। आज की लाइफस्टाइल ही कुछ ऐसी हो गई है कि इससे दूर रहना तब तक मुश्किल है जब तक कि आप खुद इस पर ध्यान नहीं देते। आप दिन की शुरूआत ही बुरी आदतों के साथ करते हैं।

सुबह के समय ऐसी गलतियां कर देते हैं जो कि वजन बढ़ने के लिए जिम्मेदार हो सकती है। यहां देखिए कहीं आप भी रोजाना सुबह ये 10 गलतियों को नहीं कर रहें।

1. देर तक सोना

पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन ज्यादा सोना भी उतना ही बुरा है जितना कि पर्याप्त नींद न लेना। यह साबित हो चुका है कि ज्यादा सोना डायबिटीज और दिल की बीमारियों का कारण बन सकता है। साथ ही यह वजन तो बढ़ाने में मदद करेगा ही।

2. पानी का पहला ग्लास

सुबह उठते ही आपका सबसे पहला काम होना चाहिए एक ग्लास पानी पीना। यह न्यूट्रीयेंट्स, टेम्परेचर या फूड डायजेशन को लेकर आपके शरीर को संतुलित बनाने में मदद करता है। साथ ही पेट में पानी हो तो आप ज्यादा खाने से बचोगे।

3. स्ट्रेचिंग

आपकी लूज मसल्स को स्ट्रेंथ देने का काम स्ट्रेचिंग करता है। सुबह स्ट्रेचिंग करने पर आपका शरीर आगे के दिन के लिए तैयार होता है। आपको इस एक्टिविटी में 20 मिनट देने की जरूरत नहीं है। आप इसके लिए तीन से चार मिनट दे तो भी एनर्जी पैदा कर सकते हैं।

4. मेडिटेशन से दूरी

अलसुबह मेडिटेशन सैशन करने से आपके वजन कम करने में मदद मिलेगी। डीप ब्रीदिंग और रिलेक्सिंग म्यूजिक आपके ब्लड प्रेशर और कोर्टिसोल लेवल को कम करने में मदद कर सकता है। कोर्टिसोल एक स्ट्रेस हॉर्मोन है जो कि वेट गेन और भूख के बढ़ने से संबंधित है।

5. ब्रिस्क वॉक भूल गए

ब्रिस्क वॉकिंग फिजिकल फिटनेस को सुधारने और वजन कम करने का शानदार तरीका हो सकता है। साथ ही इसका एक फायदा ये भी है कि इसमें कोई खास इक्विप्मेंट नहीं लगते और आप अपनी सुविधानुसार कभी भी कर सकते हैं।

6. ब्रेकफास्ट स्किप करना

अगर आप ब्रेकफास्ट नहीं करते हैं तो समझ जाइए कि आप मेटाबॉलिज्म के साथ पंगा ले रहे हैं। जब आप ब्रेकफास्ट करते हैं तो यह आपकी एनर्जी बढ़ाता है और ग्लूकोज लेवल स्थिर रखता है। ब्रेकफास्ट ब्लड में कोर्टसोल लेवल्स को कम करने में मदद करता है।

7. पहले फोन

जैसे ही आप सुबह आंखें खोलते ही फोन या लेपटॉप यूज करते हैं तो संभल जाइए। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आर आसानी से अपने पुशअप्स या ब्रेकफास्ट का समय खो देंगे।

8. आरामदायक हो कपड़े

काम पर जाने के लिए आपको अच्छा ड्रेसअप करना जरूरी है लेकिन अगर आपने टाइट ड्रेस, हाई हील्स पहनी है तो आप सीढ़ियों से जाना या फिर लंच ब्रेक पर क्विक वॉक नहीं कर पाएंगे।
अगर वजन कम करना आपका लक्ष्य है तो आरामदायक कपड़े और फ्लैट फुटवियर पहनें।

9. सूर्य की किरणें

नींद से जागने के बाद भी आप घर के परदे नहीं हटा रहे हैं तो आप सूर्य की रोशनी के वेट लॉस बेनेफिट मिस कर देंगे।

सूर्य की किरणें आपकी दोस्त हैं, यह प्राकृतिक रोशनी आपके दिमाग और शरीर कोएक्टिव रखने के लिए तैयार करती है। ज्यादाएनर्जी का मतलब आपके एक्सरसाइज करने की ज्यादा संभावना।

10. हाई कैलोरी स्नैक्स खाना

सुबह के समय पेट पूरा खाली रहता है। अगरऐसे में आप हाई कैलोरी स्नैक्स जैसे चिप्स, सैंडविच या बर्गर खाते हैं तो ये फैट में बदल जाते हैं और इससे मोटापा बढ़ सकता है।

घरेलू उपाय

चेहरे पर ओपन पोर्स से छुटकारा पाने के लिए

आजमाएं ये घरेलू उपाय

हम सभी अपने चेहरे पर मौजूद खुले रोमछिद्रों से काफी परेशान रहते हैं लेकिन हम इसका कोई उपाय नहीं ढूंढ़ पाते हैं। लेकिन अब परेशान होने की जरुरत नहीं है हम आपको बता रहे हैं आपको इनसे छुटकारा पाने के ये सरल उपाय।

हम आपके लिए लेकर आए हैं घर पर तैयार किये जाने वाले ये बेहद आसान टिप्स जिसे अपने चेहरे पर अप्लाय करके आप इन रोमछिद्रों से छुटकारा पा सकती हैं। बस आपको थोड़ा धैर्य रखने की जरुरत है।

अंडे की सफेदी

चेहरे पर मौजूद बड़े आकर के रोम छिद्रों को हटाने का टेम्प्रेरी उपाय है अंडे की सफेदी का इस्तेमाल करना। अंडे के पीले भाग को अलग करके इसकी सफेदी को अपने चेहरे पर लगायें। 20 मिनट तक सूखने के बाद इसे साफ और ठंडे पानी से धो दें। आपके खुले रोमछिद्र बंद हो जायेंगे।

स्टीम फेशियल

स्टीम फेशियल भी खुले रोमछिद्रों से गंदगी हटाने का एक सबसे सस्ता और आसान उपाय है। पानी को उबाल लें। इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रखें इसके बाद आप पैन के उपर अपने चेहरे को लगाकर स्टीम लेना शुरु करें। ध्यान रहे कि चेहरे की त्वचा जलने ना पाये। स्टीम लेने के बाद आप चेहरे को ठंडे पानी से धो दें।

टमाटर का पल्प

टमाटर का पल्प निकाल कर इसे अपने चेहरे पर लगायें और दस मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद आप ठंडे पानी से चेहरा धो लें। आप इसे नियमित रुप से अपने चेहरे पर लगा सकती हैं क्योंकि ये एक प्राकृतिक टोनर है।

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी भी एक नेचुरल टोनर की तरह काम करता है। इसी कारण से इसे रोमछिद्रों को बंद करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा पानी मिलाकर इसे थोड़ा चिपचिपा पेस्ट बना लें इसके बाद इसे अपने चेहरे पर लगायें। सूख जाने के बाद इसे ठंडे पानी से धो दें। आप पायेंगे कि आपके पोर्स धीरे-धीरे सिकुड़ रहे हैं और अंत में यह गायब भी हो जाता है।

केमिकल पील्स

केमिकल पील्स को चेहरे पर पड़े मृत त्वचा को हटाने के लिए किया जाता है। ये ना ही सिर्फ डेड स्किन को हटाता है बल्कि स्किन टेक्सचर को भी सही करता है। हालांकि ये पूरी तरह से रोमछिद्रों को गायब नहीं करता है लेकिन इसका आकार जरुर छोटा कर देता है।

फोटोफेशियल

फोटोफेशियल का इस्तेमाल स्किन से संबंधित काफी सारे प्रॉब्लम को खत्म करने के लिए किया जाता है इसी में से एक है बड़े रोमछिद्र। लाइट वेवलेंथ के कारण इस ट्रीटमेंट की मदद से बड़े रोमछिद्रों को कम किया जाता है। इससे रिजल्ट बहुत जल्द ही देखने को मिलता है।

ठंड में ऐसे दें अपने घर को गर्माहट

ठंड की दस्तक के साथ ही मौका आ गया है, गर्मागर्म सूप, चाय, कॉफी आदि के मजे लेने का। लेकिन सर्द मौसम में गर्मागर्म चीजों का मजा लेने के बाद जब आप घर में इधर-उधर घर में नजर घुमाती हैं तो क्या आपको भी मौसम के अनुसार घर की सजावट में कुछ कमी नजर आती है? क्या आपका भी मन चाहता है कि घर का इंटीरियर भी गर्माहट देने वाला होना चाहिए? इंटीरियर डेकोरेटर, रीना उप्पल बताती हैं कि सर्दी के मौसम के अनुसार घर की सजावट करने के लिए आपको बहुत ज्यादा खर्च करने की जरूरत भी नहीं है, कुछ आसान-सी बातों को अपनाकर आप अपने घर को नया व ट्रेंडी लुक दे सकती हैं।

पुराने स्वेटर से सजाएं घर

घर में उपलब्ध पुराने स्वेटर का इस्तेमाल करके आप कई प्रकार के क्राफ्ट बना सकती हैं। पुराने स्वेटर से आप सोफे व डाइनिंग चेयर के लिए कुशन, तकिया, फुट मैट, डेकोरेशन पीस आदि बना सकती हैं। इस मौसम में क्रोशिया से बुने ऊनी टेबल कवर भी काफी खूबसूरत लगते हैं। क्रोशिया से बुने सोफा कवर, मेजपोश आदि भी काफी आकर्षक दिखते हैं।

रंग हों गर्माहट भरे

हर मौसम में अपने घर में नये प्रकार का रंग-रोगन करना तो संभव नहीं है। पर, आप किसी और तरीके से गर्माहट भरे रंगों जैसे नारंगी, लाल व नीला आदि को अपने घर की सजावट का हिस्सा बना सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप कुछ गहरे रंगों जैसे पीला, चॉकलेटी, गाढ़ा भूरा आदि का इस्तेमाल भी घर की सजावट में कर सकती हैं। इन रंगों गर्माहट मिलती है। सॉलिड रंग के कुशन कवर का इस्तेमाल भी कॉन्ट्रास्ट में करें। वेलवेट और मखमल जैसे फैब्रिक पर सुनहरे काम वाले कुशन ठंड में घर की खूबसूरती निखारते हैं। साथ ही आप घर में गहरे नारंगी, लाल व बरगंडी रंग की एक्सेसरीज का प्रयोग भी कर सकती हैं। ये घर को गर्माहट के एहसास से भर देंगे।

मौसम के अनुरूप हो फैब्रिक का चुनाव

ठंड के मौसम में घर में परदे, बेडशीड, कुशन कवर आदि में वेलवेट, फॉक्स फर जैसे फैब्रिक का इस्तेमाल करें। इस तरह के फैब्रिक से न सिर्फ घर को शाही अंदाज मिलेगा बल्कि आपको ठंड भी कम लगेगी। इसके अतिरिक्त कश्मीरी कढ़ाई या फिर वेलवेट पर जरदोजी के काम वाले पर्दे शालीन व राजसी शान देते हैं और सर्दियों के मौसम के लिए बेहद उपयुक्त होते हैं।

कालीन जरूर बिछाएं

सर्दी के मौसम में फर्श बहुत ठंडी हो जाती है। इस ठंड से बचने और घर में गर्माहट भरने के लिए ठंड के मौसम में कालीन को अपने घर के इंटीरियर का हिस्सा जरूर बनाएं। बाजार में हर आकार और हर बजट में कालीन उपलब्ध हैं। पूरे घर में संभव नहीं है तो घर के जिस हिस्से में आप लोग सबसे ज्यादा वक्त बिताती हैं, वहां कालीन जरूर बिछाएं। आप चाहें तो छोटे-छोटे डोरमैट्स को एक साथ जोड़कर भी कालीन जैसा रूप दे सकती हैं।

मोमबत्तियों से दोस्ती

खाने की मेज हो या फिर बैठक की सेंटर टेबल, इनको आप विभिन्न आकार-प्रकार व खुशबू वाली मोमबत्तियों से ठंड के मौस में जरूर सजाएं। सर्दियों की लंबी शामें इन मोमबत्तियों की सुनहरी मद्धिम रोशनी से गर्म व खूबसूरत हो उठेंगी।

बोनफायर बनाएं

घर में बोनफायर के लिए जगह जरूर बनाएं। बोनफायर से घर में बेहद ही आरामदायक एहसास मिलता है क्योंकि इससे कमरे का तापमान संतुलित रहता है। अपने फर्नीचर को बोनफायर के आसपास ही रखें। इससे फर्नीचर पर बैठने वालों को बोनफायर से गर्मी मिलती रहती है।

परत दर परत

जिस प्रकार आप सर्दी से बचने के लिए कपड़ों की लेयरिंग करके पहनती हैं, वैसे ही आप अपने बेडरूम में भी पलंग पर लेयरिंग इफेक्ट दे सकती हैं। चाहें तो एक सॉलिड रंग या फिर किसी मनमोहक डिजाइन पैटर्न के गर्म कंबल को चादर की तरह बिछाकर उस पर मखमल की रजाई बिछा सकती हैं। साथ ही अपने तकियों के साथ कुछ अतिरिक्तकुशन भी पलंग पर सजा सकती हैं। पलंग के दोनों ओर फर्श पर कार्पेट रनर बिछाना न भूलें।

सर्दियों में खास पौधों से करें सजावट

आप चाहें तो एक-दो बड़े साइज के इंडोर पौधे जैसे एरिका पम या फिर क्रिसमस ट्री बड़े-बड़े खूबसूरत गमलों में कमरे के कोने में रखकर उनको कुछ रंग-बिरंगी फेयरी लाइट्स से सजा सकती हैं। ये जलती-बुझती रोशनी ठंडी रातों में गर्माहट का एहसास कराएगी। सर्दियों में गेंदा, गुलदाउदी, पैंजी, पिटुनिया के रंग-बिरंगे फूलों के गमले भी बेहद खूबसूरत दिखते हैं।

रेसिपी

चिली पोपर्स

सामग्री

हरी मिर्च: 200 ग्राम, मौजरैला
चीज़ :स्वादानुसार मैदा: 150 ग्राम
नमक- 1/2 छोटा चम्मच
एग वॉश
ब्रेड क्रस :
तेल : फ्राई करने के लिए

विधि

सबसे पहले हरी मिर्च लें और इन्हें बीच में से काटकर अंदर से सारे बीज निकाल लें। उन्हें 10 से 12 मिनट तक पानी में भिगोकर रख दें। अब हरी मिर्च को पानी से निकाल कर उसमें चम्मच की सहायता से मोज़रैला चीज़ भरें। एक कटोरी लें, उसमें 150 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद हरी मिर्च को एग वॉश में डिप करें। फिर इसे मैदे और ब्रेड क्रस में रोल करें। इस प्रक्रिया को दोबारा दोहराएं ताकि यह कोट अच्छी तरह से हो। मध्यम आंच पर एक कढ़ाई में पर्याप्त तेल गर्म करें और हरी मिर्च को इसमें डालकर सुनहरा भूरा और खस्ता होने तक फ्राई करें। आपके चिली पोपर्स तैयार है। इन्हें गर्मा-गर्म परोसें।

गुड़ वाले शक्कर पारे

सामग्री

मैदा: 300 ग्राम
तेल: जरूरत अनुसार
पानी: 100 मिलीलीटर
सौंफ़: बड़ा डेढ़ चम्मच
गुड़: 250 ग्राम

विधि

एक बाउल में 300 ग्राम मैदा और 80 मिलीलीटर तेल डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसमें 100 मिलीलीटर पानी डालकर नर्म आटे की तरह गूंथ लें और 10 मिनट के लिए रख दें। आटा को 4 भागों में विभाजित करें और आटा के प्रत्येक हिस्से को बेलन की सहायता से आधा इंच मोटा बेल लें। अब चाकू की सहायता से इसे किनारों से काट लें। इसके बाद आटे को 2-3 इंच लंबी स्ट्रिप्स में काटें। मध्यम आंच पर एक कड़ाही में पर्याप्त तेल गर्म करें। इसमें आटे के काटे हुए पीस को डालकर भूरा और खस्ता होने तक फ्राई करें। फिर इसे असॉबेंट पेपर पर निकाल लें। एक अन्य कड़ाही में 80 मिलीलीटर तेल डालकर गर्म करें। इसमें बड़ा डेढ़ चम्मच सौंफ डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद इसमें 250 ग्राम गुड़ डालकर धीरे-धीरे हिलाएं, जब तक कि यह अच्छे से पिघल न जाएं। अब फ्राइड स्ट्रिप्स को गुड़ में डालकर जल्दी से मिस करें, ताकि सारी स्ट्रिप्स पर समान रूप से गुड़ चिपक जाए। इसे आंच से उतार कर ठंडा होने के लिए रख दें। आपके गुड़ वाले शकर पारे तैयार है।

संपादकीय

'महिला स्ट्रोक' का चुनाव

आज बिहार में प्रथम चरण का मतदान हुआ। विधानसभा की कुल 243 में से 121 सीटों पर जनता अपना जनादेश देगी। अगले चरण का मतदान 11 नवंबर को है और 14 नवंबर को जनादेश अंतिम रूप से सार्वजनिक कर दिया जाएगा। चुनाव में अभी तक जो गौरतलब रहा है, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शख्सियत है। बीते 20 सालों से वह बिहार के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई रुझान नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। विपक्षी उनकी उम्र, स्वास्थ्य, मनःस्थिति और सेवानिवृत्ति की बातें तो करते रहे हैं, लेकिन उससे कोई 'सत्ता-विरोधी लहर' नहीं बन पाई है। नतीजतन भाजपा के बड़े नेताओं ने भी बयान दिए हैं कि नीतीश ही चुनाव के बाद मुख्यमंत्री होंगे। अभी तक जो सर्वेक्षण सार्वजनिक हुए हैं, उनमें नीतीश कुमार 46 फीसदी से अधिक लोगों के पसंदीदा मुख्यमंत्री हैं, जबकि सितंबर में यह पसंद 15-16 फीसदी तक ही सिमटी थी। तब मुख्यमंत्री की दौड़ में तेजस्वी यादव सबसे आगे थे, लेकिन अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। आश्चर्यजनक रुझान यह देखा गया है कि महिलाएं जाति, धर्म, नस्ल, अगड़ी-पिछड़ी कोई भी हों, लेकिन नीतीश के कारण 45 फीसदी महिलाएं भाजपा-एनडीए को समर्थन देती दिख रही हैं। जो महिलाएं 18-30 साल उम्र की हैं, उनमें यह समर्थन 48 फीसदी से अधिक दिखा है। नतीजतन सभी सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है और बेहतर बहुमत के साथ उनकी सरकार बनती दिख रही है। बेशक महिला-शक्ति निर्णायक लग रही है, हालांकि जाति का मुद्दा अब भी प्रबल रहा है। पलायन और रोजगार भी संवेदनशील मुद्दे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी समेत बड़े नेताओं के प्रचार लालू यादव के 'जंगलराज' पर ही केंद्रित हैं। भाजपा-एनडीए बार-बार उसे याद दिला रहा है। प्रधानमंत्री ने तो बार-बार छर्रा, कट्टे और दुनाली का जिक्र अपने संबोधनों में किया है। सिर्फ 10,000 रुपए महिलाओं के खातों में डालने का ही करिश्मा नहीं है, बल्कि नीतीश ने 20 साल की सत्ता के दौरान पंचायत, शिक्षा, नौकरी आदि में महिलाओं के आरक्षण और लगातार शराबबंदी से महिलाओं का एक ठोस, भरोसेमंद जनाधार तैयार किया है। बिहार में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक वोट करती हैं, क्योंकि पुरुष बाहर काम करते हैं और मतदान के दिन नहीं लौट पाते। इसका फायदा भी नीतीश पक्ष को मिलता रहा है। इस बार के चुनाव में खासकर महिलाओं पर खूब धन-वर्षा हुई है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तेजस्वी यादव को यह घोषणा करनी पड़ी कि उनकी सरकार बनी, तो 14 जनवरी, मकर संक्रांति के दिन, एकमुश्त 30,000 रुपए महिलाओं के खातों में डाल दिए जाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपए माहवार देने की जो योजना 'तेजस्वी प्रण' में संकलित है, उसका सालाना धन 30,000 रुपए ही बनता है। इधर तेजस्वी ने यह घोषणा की, उधर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऐलान किया कि 2 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपए उनके खातों में, रोजगार प्रोत्साहन के मद्देनजर, डाल दिए जाएंगे। यदि ऐसा किया जाता है, तो 4 लाख करोड़ रुपए इसी योजना के लिए चाहिए। फिर वही यथार्थ सामने उभर आता है कि बिहार का बजट 3.16 लाख करोड़ रुपए है और कर्ज 3.62 लाख करोड़ रुपए का है। बिहार में कुल महिला मतदाता 3.50 करोड़ से अधिक हैं। धन-वर्षा की बातें एक तरफ हैं, लेकिन सभी योजनाओं के लिए पैसा कहां से आएगा? बिहार के संसाधन तो बेहद सीमित हैं। सवाल है कि क्या बिहार में कुबेर का खजाना मौजूद है, जिसमें से धन निकाल कर बांटा जाता रहेगा? तेजस्वी ने 1.40 करोड़ से अधिक 'जीविका दीदियों' को 30,000 रुपए वेतन के साथ सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की भी घोषणा की है। बेशक महिलाएं इस चुनाव में 'गेम चेंजर' या 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हो सकती हैं, लेकिन यह खुलासा करने को कोई भी पक्ष तैयार नहीं है कि पैसा कहां से आएगा।

> अगले चरण का मतदान 11 नवंबर को है और 14 नवंबर को जनादेश अंतिम रूप से सार्वजनिक कर दिया जाएगा। चुनाव में अभी तक जो गौरतलब रहा है, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शख्सियत है। बीते 20 सालों से वह बिहार के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई रुझान नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। विपक्षी उनकी उम्र, स्वास्थ्य, मन :स्थिति और सेवानिवृत्ति की बातें तो करते रहे हैं, लेकिन उससे कोई 'सत्ता-विरोधी लहर' नहीं बन पाई है। नतीजतन भाजपा के बड़े नेताओं ने भी बयान दिए हैं कि नीतीश ही चुनाव के बाद मुख्यमंत्री होंगे। अभी तक जो सर्वेक्षण सार्वजनिक हुए हैं, उनमें नीतीश कुमार 46 फीसदी से अधिक लोगों के पसंदीदा मुख्यमंत्री हैं, जबकि सितंबर में यह पसंद 15-16 फीसदी तक ही सिमटी थी। तब मुख्यमंत्री की दौड़ में तेजस्वी यादव सबसे आगे थे, लेकिन अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। आश्चर्यजनक रुझान यह देखा गया है कि महिलाएं जाति, धर्म, नस्ल, अगड़ी-पिछड़ी कोई भी हों, लेकिन नीतीश के कारण 45 फीसदी महिलाएं भाजपा-एनडीए को समर्थन देती दिख रही हैं। जो महिलाएं 18-30 साल उम्र की हैं, उनमें यह समर्थन 48 फीसदी से अधिक दिखा है। नतीजतन सभी सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है और बेहतर बहुमत के साथ उनकी सरकार बनती दिख रही है। बेशक महिला-शक्ति निर्णायक लग रही है, हालांकि जाति का मुद्दा अब भी प्रबल रहा है। पलायन और रोजगार भी संवेदनशील मुद्दे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी समेत बड़े नेताओं के प्रचार लालू यादव के 'जंगलराज' पर ही केंद्रित हैं। भाजपा-एनडीए बार-बार उसे याद दिला रहा है। प्रधानमंत्री ने तो बार-बार छर्रा, कट्टे और दुनाली का जिक्र अपने संबोधनों में किया है। सिर्फ 10,000 रुपए महिलाओं के खातों में डालने का ही करिश्मा नहीं है, बल्कि नीतीश ने 20 साल की सत्ता के दौरान पंचायत, शिक्षा, नौकरी आदि में महिलाओं के आरक्षण और लगातार शराबबंदी से महिलाओं का एक ठोस, भरोसेमंद जनाधार तैयार किया है।

कुछ अलग

फरियादियों की बस्ती

जब से जिंदगी से रुखसत लेने का समय करीब आता जा रहा है, हम एक ही बात बार-बार सोचने लगे हैं, कि क्या हमारी इस धडन्नतख्ता जिंदगी और नामुकम्मल जिंदगी की नाकामयाबी के पीछे यह सच्चाई तो नहीं कि हम किसी भी क्षण जिंदगी के किसी भी आयाम में एक समझौतापरस्त टुकडख़ोर न बन सके। जी हां, जीवन में कामयाब होने के यही दो अचूक मंत्र हैं। पहला तो यह कि सबसे अच्छा लड़ाकू वह जो अपने से तगड़े को देखकर समझौता कर उसकी चरणवंदना कर ले, और अपने से कमजोर के सामने एक ऐसे पहाड़ पर खड़े होने का नजारा पेश करे कि जिसके नीचे कोई सीढ़ी भी नहीं। ऐसे पहाड़ पर वह हमेशा अकेला खड़ा रहता है, और अपनी कल्पना में एक ऐसी भीड़ को अपना अनुसरण करते देखता है, उन पर अनुग्रह के फूल बरसाता रहता है। आशीर्वाद की भाषा के चंदोए तानता है लेकिन अगर उसके ढोल की पोल खोल कोई छीछालेदर करने वाला सामने आ जाए।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस (7 नवम्बर) पर विशेष

कैंसर का फैलता जाल और समाज की चुप्पी

योगेश कुमार गोयल

कैंसर! किसी भी व्यक्ति के लिए यह एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है। भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता है। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं। कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

> विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है। भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

देश दुनिया से

ज्ञान का अहंकार

पढ़ी सुनी, जानी बातें हमारे ज्ञान का हिस्सा बन जाती हैं। हमारे अनुभव हमारे ज्ञान का हिस्सा बन जाते हैं। फिर भी हम अक्सर यह नहीं समझ पाते कि ज्ञान का भंडार एक महासागर है जिसका ओर-छोर हमारी समझ से बाहर है। हमारा अज्ञान इतना बड़ा है कि अक्सर हम अपने अज्ञान को ही ज्ञान मान लेते हैं। सच तो यह है कि इस सच को समझने में मुझे काफी देर लगी। मैंने इसे बहुत बाद में समझा, पर जब समझ आ गई तो मेरा सारा अहंकार छूमंतर हो गया, गाल बजाना बंद हो गया, ज्ञान बघारना बंद हो गया और आत्मा में एक अजब सी चुप्पी छा गई। हम पढ़कर, सुनकर, समझ कर, कल्पनाशक्ति से, ज्ञान की नई बातें सीखते हैं, प्रयोग करते हैं, फिर प्रयोग करते हैं और जब तसल्ली हो जाती है उस ज्ञान को 'तथ्य' के रूप, सत्य के रूप में, स्वीकार कर लेते हैं। विज्ञान के क्षेत्र में तो तब तक किसी बात को तथ्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता जब तक कि यह सिद्ध न हो जाए कि दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी व्यक्ति द्वारा उस तथ्य का, उस सत्य का अनुभव किया जा सकता है, बार-बार किया जा सकता है, हर बार किया जा सकता है। हम सब यही मानते हैं कि विज्ञान के क्षेत्र के तथ्य सार्वभौमिक सत्य हैं। पर सच क्या है? सच इसके विपरीत है। कारण यह है कि सारी प्रगति, सारे आविष्कारों और सारी घोषणाओं के बावजूद हमारा ज्ञान अभी बहुत शुरुआती स्तर का है। हम दरअसल अभी भी बहुत कम जानते हैं। अभी तो हम अपने शरीर को ही पूरी तरह से नहीं जान पाये हैं, ब्रह्मांड की समझ तो बहुत दूर की बात है। विज्ञान से संबंधित हमारे ज्ञान का हाल भी कुछ अलग नहीं है। हम भौतिक शास्त्र, यानी फिजिक्स की बात करें तो सर आइजैक न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का प्रतिपादन किया और सन्-1687 में गति के नियम की खोज प्रकाशित की, जिससे कालांतर में क्लासिकल मकैनिक्स की नींव पड़ी। न्यूटन के इन नियमों पर खूब बहस हुई और अंततः उन्हें सार्वभौमिक सत्य के रूप में स्वीकार कर लिया गया। जब एक बार उन्हें सिद्ध हो चुका मान लिया गया तो दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने उन्हें अपना लिया, वैसे ही जैसे सेब का पेड़ से नीचे गिरना और ग्रहों का अपनी-अपनी कक्षा में, अपनी ऑर्बिट में चक्कर लगाना। अगर कोई व्यक्ति इन नियमों पर सवाल उठाता तो उसे अज्ञानी मान लिया जाता था। सार्वभौमिक सत्य के ज्ञान का यह अहंकार लंबे समय तक बना रहा, लेकिन बाद में सिद्ध हो गया कि न्यूटन के इन नियमों में बहुत सी कमियां थीं क्योंकि तब तक बहुत सी सच्चाइयां उद्घाटित नहीं हो पाई थीं, हमें उनकी जानकारी ही नहीं थी, उनकी खोज ही बाद में हुई। सन्-1861 में जेम्स क्लार्क मैक्सवैल की क्लासिकल थर्मोडायनामिक्स ने सिद्ध कर दिया कि न्यूटन के बताए नियम सार्वभौमिक सत्य नहीं थे। सन्-1905 में अलबर्ट आइंस्टीन ने समय के बारे में न्यूटन की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। सन्-1920 के मध्य में क्वांटम फिजिक्स की यह भी खोज हुई कि छोटे कण वैसा व्यवहार नहीं करते जैसा न्यूटन ने उम्मीद की थी। 1960 के दशक में स्ट्रिंग थ्योरी के प्रादुर्भाव से फिर यह सिद्ध हुआ कि क्वांटम थ्योरी अधूरी है, लेकिन 1990 के दशक में एम. थ्योरी की खोज ने स्ट्रिंग थ्योरी को भी अधूरा साबित कर दिया। अब शायद कभी यह भी हो जाए कि कोई नयी अवधारणा एम. थ्योरी को भी गलत या अधूरा साबित कर दे। आइंस्टीन बहुत सूझबूझ वाले और ज्ञानवान थे। उन्होंने कभी भी अपने मन में ज्ञान का अहंकार नहीं आने दिया। उन्होंने एक बार कहा था कि सिद्धांततः, सिद्धांत और व्यवहार में कोई फर्क नहीं होता, लेकिन जब उसी सिद्धांत को व्यवहार में उतारा जाए तो यह संभव है कि दोनों में फर्क नजर आए। जब गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के प्रतिपादन के लिए उन्होंने इक्वेशन बनाई, समीकरण बनाया तो इस समीकरण को, इस इक्वेशन को पूरा करने के लिए उन्होंने उसमें एक स्थायी अंक जोडऩे की बड़ी गलती कर डाली। बाद में उन्होंने खुद स्वीकार किया कि यह गलती थी। मजे की बात यह है कि बाद में वैज्ञानिकों ने पाया कि यह 'गलती' गलती थी ही नहीं, क्योंकि यह स्थायी अंक ब्रह्मांड का आधारभूत सत्य है। जब विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान को लेकर इतना असमंजस हो तो फिर आम आदमी के ज्ञान की क्या बात की जाए, क्या अहंकार किया जाए? असल ज्ञान, ज्ञान नहीं है, बल्कि यह जानना है कि हम कितने अज्ञानी हैं। सार्वभौमिक सत्य तो असल में यही है कि हमें अपने अज्ञान की थाह नहीं है और अपने अज्ञान को स्वीकार करने के अलावा और कोई ज्ञान नहीं है। बाकी सब तो अज्ञान ही है। ज्ञान का हाल ऐसा ही है। हम इस खुशफहमी में रहते हैं कि हम 'जानते' हैं। जहां यह भावना आ जाती है कि हम जानते हैं, वहां सीखने की इच्छा खत्म हो जाती है, नया दृष्टिकोण समझने की इच्छा खत्म हो जाती है और हम अपने ज्ञान के अधूरेपन में ही मस्त रहते हैं। हमारे पास ज्ञान का जितना भी अंश है, यदि हम उसे जीवन में न उतारें तो हमारा दिमाग नये बहाने गढ़ लेता है कि हम इतने व्यस्त हैं कि उस ज्ञान का लाभ नहीं ले पा रहे, इस तरह से हम अपने ज्ञान के उस अंश को भी खुद ही नकार देते हैं। यह स्वीकार करने के बजाय कि हम आर्गेनाइज्ड नहीं हैं, हम अपने समय का सदुपयोग नहीं कर रहे, हम बहाने गढऩे लगते हैं। जब एक बार हम किसी बात के लिए बहाना गढ़ लेते हैं तो बहाने गढऩा हमारी रुटीन में शामिल हो जाता है और हम जीवन के हर क्षेत्र में बहाने गढने की आदत पाल लेते हैं। जीवन में उतारे बिना हर ज्ञान बेकार है। बहुत-सी और भी ऐसी बातें होती हैं, घटनाएं होती हैं, जिन्हें हम परखने की कोशिश नहीं करते, उन पर विचार करने की कोशिश नहीं करते, सवाल नहीं उठाते। कभी वह अज्ञान के कारण होता है, कभी आलस्य के कारण और कभी आस्था के कारण। ऐसा ज्ञान हमेशा अहंकार ही होता है और इसका निराकरण ही ज्ञान का असली उद्देश्य है। ज्ञान पाने की कोशिश होनी चाहिए, होनी ही चाहिए, उसका विश्लेषण होना चाहिए, होना ही चाहिए, यदि वह किसी क्रिया से, किसी एक्शन से जुड़ा हो तो उसे जीवन में उतारना चाहिए, लेकिन कुछ नहीं कहा जा सकता कि वह ज्ञान कब छोटा साबित हो जाए, अधूरा साबित हो जाए, गलत साबित हो जाए। इसलिए ज्ञान के अहंकार से बचना चाहिए।

> हमारा अज्ञान इतना बड़ा है कि अक्सर हम अपने अज्ञान को ही ज्ञान मान लेते हैं। सच तो यह है कि इस सच को समझने में मुझे काफी देर लगी। मैंने इसे बहुत बाद में समझा, पर जब समझ आ गई तो मेरा सारा अहंकार छूमंतर हो गया, गाल बजाना बंद हो गया, ज्ञान बघारना बंद हो गया और आत्मा में एक अजब सी चुप्पी छा गई। हम पढ़कर, सुनकर, समझ कर, कल्पनाशक्ति से, ज्ञान की नई बातें सीखते हैं, प्रयोग करते हैं, फिर प्रयोग करते हैं और जब तसल्ली हो जाती है उस ज्ञान को 'तथ्य' के रूप, सत्य के रूप में, स्वीकार कर लेते हैं।

आप का नजरिया

सादगीपूर्ण जीवनशैली से प्रदूषण मुक्ति की राह

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की तीव्रता के बारे में पहले ही काफी कुछ कहा और लिखा जा चुका है। बारम्बार, हमें उस ज़हरीली हवा के हानिकारक परिणामों की याद दिलाई जाती रही है जिसमें हम सांस लेते हैं। जैसा कि एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया कहते हैं, वायु प्रदूषण कोविड-19 से ज़्यादा लोगों की जान ले रहा है। दरअसल, उनके शब्दों में, वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव खांसी और सांस फूलने से कहीं आगे तक जाते हैं; यह दिल के दौरे, ब्रेन स्ट्रोक और यहां तक कि कैंसर जोखिम का एक बड़ा कारक है। फिर भी, ऐसा लगता है कि हम बुनियादी सवाल उठाने और इस संकट की जड़ तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं। इसके बजाय, हम सरकार द्वारा सुझाए गए अस्थायी समाधानों से ही संतुष्ट रहना पसंद कर रहे हैं। एयर प्यूरीफायर खरीदें; बाहर जाते समय एन95 मास्क का इस्तेमाल करें; और तकनीकी चमत्कार- क्लाउड सीडिंग एवं कृत्रिम वर्षा - का इंतज़ार करें! दरअसल, किसी सार्वजनिक समस्या के ऐसे निजीकृत समाधानों से परे देखने, खुद से सवाल करने और उस वैश्विक नजरिये अथवा जीवन शैली के तरीकों पर सवाल उठाने के लिए साहस और राजनीतिक/नैतिक दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है, जिसे हमने सामान्य बना लिया है। आइए, हम ईमानदारी से स्वीकार करें कि दिल्ली का वायु प्रदूषण, व्यापक जलवायु संकट और पारिस्थितिकी तंत्र पर बढ़ते हमलों से जुदा नहीं है। आधुनिकता के मूल मिज़ाज और प्रकृति पर मशीनी प्रभुत्व स्थापित करने की तर्कसंगतता मनाने पर विचार करें। 16वीं शताब्दी के दार्शनिक फ्रांसिस बेकन को याद करें—जिस तरह उन्होंने प्रकृति को मात्र संसाधन के रूप में देखा, और उस पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए प्रकृति पर जीत प्राप्त करने, उसे काबू करने और अपने हिसाब से घुमाने के लिए नव विज्ञान की वकालत की है। यह कहकर कि 'ज्ञान ही शक्ति है' -बेकन का यह सिद्धांत उस सोच को नई गति देता है जिसको लेकर आधुनिकता बहुत उत्साहित रहती है : अंतहीन तकनीकी-भौतिक प्रगति हेतु प्रकृति पर विजय पाने का कार्य। और फिर, आधुनिकता की सबसे प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति के रूप में तकनीकी-पूंजीवाद के निरंतर विकास के साथ, हम आर्थिक विकास और उपभोक्तावाद के सिद्धांत के प्रति तेजी से आदी होने लगे। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे आस-पास की हर चीज़, चाहे वह पेड़ हो, नदी हो, जंगल हो या पहाड़, अपना रहस्य और अर्थ खो बैठी है। इस मोहभंग भरी दुनिया में, प्रकृति हमारी बढ़ती ज़रूरतों और लालच को पूरा करने के लिए अपने 'उपयोग मूल्य' के साथ एक संसाधन मात्र बन गई है - ज़्यादा बिजली, ज़्यादा कारें, ज़्यादा फ़र्नीचर, ज़्यादा यात्राएं, ज़्यादा कपड़े, ज़्यादा उपभोग... हम सड़कें बनाने के लिए हज़ारों पेड़ों को नष्ट करने से नहीं हिचकिचाते; बांध बनाने और बिजली पैदा करने के लिए नदी के प्राकृतिक प्रवाह और लय को नष्ट कर रहे हैं; हम उपभोक्तावादी पर्यटकों की ज़रूरतों की पूर्ति हेतु होटल और रिसॉर्ट बनाने के लिए नाजुक पहाड़ों को नष्ट करते हैं। इसके अलावा, चूंकि आधुनिकता के विमर्श में गति और गतिशीलता का पंथ अंतर्निहित है, इसलिए हमें ज़्यादा कारों, ज़्यादा ट्रेनों, ज़्यादा हवाई जहाजों की ज़रूरत है; और इसके वास्ते उपयोग होने वाले जीवाश्म ईंधन का निरंतर दोहन ज़्यादा से ज़्यादा कार्बन उत्सर्जन को बढ़ावा देता है। हम आधुनिकता व तकनीकी-पूंजीवाद के दुष्चक्र में फंसे हैं। जैसा कि समाजशास्त्री उलरिच बेक ने कहा है, 'अब हम एक 'जोखिम युक्त समाज' में जी रहे हैं।' दिल्ली का वायु प्रदूषण आधुनिकता की त्रासदी का एक उदाहरण है। शहर में घूमते वक्त वाहनों की भरमार देखिए। जैसा कि दिल्ली के 2023 के आंकड़े बताते हैं, राजधानी में पंजीकृत वाहनों की कुल संख्या 1.2 करोड़ थी, जिनमें से 33.8 लाख निजी कारें थीं। शहर में जारी अंतहीन निर्माण कार्य को देखिए- कहीं कोई नया राजमार्ग, कोई नया फ्लाईओवर, कोई नया मेट्रो स्टेशन, या गगनचुंबी मंजिलों वाली कोई नई विशाल हाउसिंग सोसायटी बनती नज़र आती है। इसे स्वीकार करें, दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण नहीं है। इसकी बजाय, यह बड़े पैमाने के विकास, गति और उपभोग में अंतर्निहित जन्मजात अवगुण के कारण है।

> वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव खांसी और सांस फूलने से कहीं आगे तक जाते हैं; यह दिल के दौरे, ब्रेन स्ट्रोक और यहां तक कि कैंसर जोखिम का एक बड़ा कारक है। फिर भी, ऐसा लगता है कि हम बुनियादी सवाल उठाने और इस संकट की जड़ तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं। इसके बजाय, हम सरकार द्वारा सुझाए गए अस्थायी समाधानों से ही संतुष्ट रहना पसंद कर रहे हैं। एयर प्यूरीफायर खरीदें; बाहर जाते समय एन95 मास्क का इस्तेमाल करें; और तकनीकी चमत्कार- क्लाउड सीडिंग एवं कृत्रिम वर्षा - का इंतज़ार करें! दरअसल, किसी सार्वजनिक समस्या के ऐसे निजीकृत समाधानों से परे देखने, खुद से सवाल करने और उस वैश्विक नजरिये अथवा जीवन शैली के तरीकों पर सवाल उठाने के लिए साहस और राजनीतिक/नैतिक दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है, जिसे हमने सामान्य बना लिया है। आइए, हम ईमानदारी से स्वीकार करें कि दिल्ली का वायु प्रदूषण, व्यापक जलवायु संकट और पारिस्थितिकी तंत्र पर बढ़ते हमलों से जुदा नहीं है।

दृष्टि कोण

हिमाचल में गड्ढों वाली सड़कें एक बड़ी चुनौती

हिमाचल की सडक़ों पर सफर अब केवल एक यात्रा नहीं रहा, बल्कि धैर्य, मानसिक एवं शारीरिक पीड़ा और कीमती समय की बर्बादी का अनुभव बनकर रह गया है। पहाड़ी प्रदेश में सडक़ें मानवीय जीवन रेखा और विकास की वाहक मानी जाती हैं। हिमाचल के लोक निर्माण मंत्री मानते हैं कि विगत तीन वर्षों में राज्य को केंद्र से सडक़ों के लिए लगभग 4500 करोड़ रुपयों की मदद मिली है और राज्य सरकार अपनी तरफ से भी विभागीय बजटीय आवंटन करती है, तो भी पूरे प्रदेश में सडक़ों की हालत और दुर्दशा किसी से छिपी हुई नहीं है। पिछले सप्ताह रामपुर बुशहर के पास निथर में एक विवाह समारोह में भाग लेने के दौरान और वापसी पर जब मैं लुहरी से शिमला की ओर लौट रहा था, तो पूरे राजमार्ग की स्थिति देखकर मन क्षुब्ध हो उठा। सडक़ जगह-जगह से टूटी हुई, गड्ढों में बदल चुकी थी। ठियोग से ढली तक दो घंटे तक जाम में फंसे रहना उस यातना का हिस्सा था, जो अब हिमाचली यात्राओं का सामान्य हिस्सा बन चुकी है। ये केवल सडक़ों के गड्ढे नहीं हैं, बल्कि ये व्यवस्था, जवाबदेही और प्रशासनिक विफलता की जीती जागती तस्वीरें हैं। सडक़ें केवल विकास की गति का प्रतीक ही नहीं बल्कि सुगम एवं सुरक्षित यात्रा का साधन भी होनी चाहिए। परंतु अब हिमाचल में यही सडक़ें वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती और सिरदर्द बन गई हैं। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में प्रदेश में 2324 सडक़ हादसे हुए, जिनमें 1157 लोगों ने अपनी जान गंवाई और 2500 से अधिक घायल हुए। सबसे अधिक हादसे मंडी, कुल्लू, शिमला, सिरमौर और चंबा जिलों में दर्ज किए गए। हमारे पर्वतीय प्रदेश की सडक़ें न केवल संकरी हैं, बल्कि लापरवाही और उपेक्षा की मिसाल बन चुकी हैं। प्रदेश में केवल 39 प्रतिशत सडक़ें ही राष्ट्रीय या राज्यीय राजमार्ग मानकों पर खरी उतरती हैं। बाकी ग्रामीण सडक़ों पर न तो पर्याप्त सुरक्षा दीवारें (क्रैश बैरियर्स) हैं, न चेतावनी संकेत, न

रिफ्लेक्टर हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि प्रदेश में 62 प्रतिशत सडक़ दुर्घटनाएं खराब सडक़ों, अंधे मोड़ों अथवा रखरखाव की कमी से जुड़ी हुई हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2023 में देशभर में 1.68 लाख लोगों की सडक़ दुर्घटनाओं में मौत हुई, यानी हर दिन औसतन 460 लोग सडक़ पर दम तोड़ते हैं। इनमें से लगभग 70 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष की आयु वर्ग के हैं, जो देश की उत्पादकता का मेरुदंड हैं। इन हादसों से भारत को जीडीपी का लगभग 3.2 प्रतिशत नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय क्षति की करुण कहानी भी है। राष्ट्रीय सडक़ सुरक्षा परिषद का लक्ष्य है कि 2030 तक भारत में सडक़ मृत्यु दर को आधा किया जाए। यदि यह लक्ष्य पूरा होता है, तो हर वर्ष लगभग 80000 जीवन बचाए जा सकते हैं और यह किसी युद्ध को जीतने से कम नहीं होगा। मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 से अपेक्षा की गई थी कि सख्त दंड और डिजिटल निगरानी व्यवस्था से सडक़ अनुशासन सुधरेगा। परंतु कानून अपने आप में समाधान नहीं है। समस्या हमारी सामाजिक मानसिकता की भी है। हम सुरक्षा को अनुशासन नहीं, बंधन समझते हैं। हेलमेट न पहनना, सीट बेल्ट नहीं लगाना, बेहूदा ड्राईविंग करते हुए रील्स बनाना और ट्रैफिक सिग्नल का अनुपालन न करना ट्रैफिक नियमों का मजाक बनकर रह गए हैं। यही कारण है कि कानून लागू करने वाली पुलिस को भी अक्सर जनता की प्रतिरोधी मानसिकता झेलनी पड़ती है, तो कहीं कहीं ट्रैफिक पुलिस कर्मियों द्वारा आम जनता से बदतमीजी और रिश्वतखोरी के वीडियो भी सोशल मीडिया में व्यवस्था के पतन को दर्शाते हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सिंध के पहाड़ों में परमाणु सुरंगें बना रहा पाक, सिंध संगठनों ने उठाई जांच की मांग

इस्लामाबाद, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान द्वारा सिंध के पहाड़ों में कथित परमाणु सुरंगों के निर्माण से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग सिंधी नागरिक समाज के संगठनों और सिंधुदेश आंदोलन के संयुक्त मंच ने की है। इन संगठनों ने पाकिस्तान के सिंध प्रांत के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों, विशेष रूप से जमशोरो के उत्तर में नोरियाबाद के निकट, कंबर-शाहदादकोट जिले के आसपास और मंचर झील के पश्चिमी भाग में गुप्त परमाणु क्रियाकलापों और भूमिगत सुरंगों तथा कक्ष प्रणालियों के निर्माण पर चिंता जाहिर की है। उनका दावा है कि इन संरचनाओं का उपयोग परमाणु सामग्री के भंडारण या इससे जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए किया जा सकता है।

पत्र के अनुसार, इन सुरंगों के निर्माण स्थल पर सख्त सैन्य गोपनीयता का पालन हो रहा है और प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध है। समूहों ने आगाह किया है कि इन संरचनाओं में परमाणु पदार्थ होने पर रेडियोधर्मी प्रदूषण, पर्यावरणीय विनाश तथा वैश्विक परमाणु सुरक्षा और अप्रसार नियमों का उल्लंघन होने का गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), संयुक्त राष्ट्र के निरस्त्रीकरण कार्यालय तथा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) को औपचारिक पत्र भेजकर तत्काल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच और वैश्विक सत्यापन की अपील की है। यह औपचारिक पत्र सिंधी नागरिक समाज के संगठनों और सिंधुदेश आंदोलन के संयुक्त मंच द्वारा भेजा गया है। इस पत्र को जेय सिंध मुत्तहिदा महाज के अध्यक्ष शफी बुरफत ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि इसका लक्ष्य तनाव बढ़ाना नहीं, बल्कि पारदर्शिता कायम करना, स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण की हिफाजत करना है। यह जांचने का अनुरोध किया गया है कि क्या ये दावे उसके सत्यापन दायरे में आते हैं, और यदि हाँ, तो स्थल पर तकनीकी विशेषज्ञों की तैनाती कर मूल्यांकन कराया जाए। विशिष्ट यूएन एजेंसियों के सहयोग से एक स्वतंत्र तथा निष्पक्ष तथ्य-निरोधन मिशन गठित करने की अपील की गई है। जल संसाधनों, कृषि, जैव-विविधता तथा जन स्वास्थ्य पर संभावित प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए समांतर मानवाधिकार व पर्यावरणीय अध्ययन कराने का आग्रह किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में मिसिसिपी राज्य के सीएफ इंडस्ट्रीज प्लांट में विस्फोट कर्मचारी सुरक्षित

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी राज्य मिसिसिपी के याजू सिटी में बुधवार दोपहर सीएफ इंडस्ट्रीज प्लांट में भीषण विस्फोट के कारण रासायनिक रिसाव हुआ है। फिलहाल इससे विक्सबर्ग और वॉरेन काउंटी के निवासियों के लिए कोई खतरा नहीं माना जा रहा। द विक्सबर्ग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सीएफ इंडस्ट्रीज के एक विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट के बाद हुए रासायनिक रिसाव के कारण कुछ स्थानीय निवासियों को अपना घर खाली करना पड़ा। मिसिसिपी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के मुख्य संचार अधिकारी स्कॉट सिमंस ने बताया कि संयंत्र में अमोनिया का रिसाव होने की आशंका है। मिसिसिपी पर्यावरण गुणवत्ता विभाग और अन्य एजेंसियों के अधिकारी मौके पर हैं। एनबीसी से संबद्ध डब्ल्यूएलबीटी जैक्सन टेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार, काउंटी में एक अमोनिया संयंत्र में हुए विस्फोट के बाद याजू सिटी के सभी निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए कहा गया है। यह घटना बुधवार शाम लगभग 4:25 बजे यूएस 49 ईस्ट स्थित सी.एफ. इंडस्ट्रीज में हुई। वॉलमार्ट सहित आसपास के निवासियों और व्यवसायों को अपना स्थान खाली करने का निर्देश दिया गया है। अमेरिकन रेडक्रॉस ने प्रभावित लोगों की सुविधाके लिए एक आश्रयस्थल स्थापित किया है। यह आश्रयस्थल याजू काउंटी हाईस्कूल, 191 पैंथर ड्राइव पर स्थित है। सीएफ इंडस्ट्रीज की वेबसाइट के अनुसार, इस संयंत्र में अमोनिया का निर्माण होता है। यह संयंत्र यूएस 49 ईस्ट-वेस्ट विभाजन के उत्तर में, हाइवे 49 ईस्ट के 4600 ब्लॉक में स्थित है। सीएफ इंडस्ट्रीज के अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय संयंत्र में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं।

उत्तर कोरिया में पाकिस्तान दोबारा अपना दूतावास खोलेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान उत्तर कोरिया में अपना दूतावास खोलने जा रहा है। खबर है कि इस संबंध में पाकिस्तान को प्योंगयांग से एक संदेश भी मिला है। खास बात है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि पाकिस्तान और चीन समेत कई देश परमाणु हथियारों की टेस्टिंग कर रहे हैं। भारत कई बार पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बीच संदिग्ध परमाणु संबंधों की बात उठाता रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पुष्टि की है कि इस्लामाबाद को उत्तर कोरिया से एक संदेश मिला है, जिसमें डिप्लोमैटिक मिशन खोलने का अनुरोध किया गया है। कोविड के बाद से ही उत्तर कोरिया में पाकिस्तान का दूतावास बंद है।

भगौड़ा जाकिर नाइक को बांग्लादेश में नहीं मिलेगा प्रवेश.........भारत का दबाव या और कोई कारण

ढाका। भारत से भगौड़ा घोषित जाकिर नाइक को बांग्लादेश में प्रवेश नहीं दिया जाएगा, बांग्लादेश की

अंतरिम सरकार की ओर से यह निर्णय लिया गया है। रिपोर्ट में इस निर्णय के दो प्रमुख संभावित कारण बताए गए हैं। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय की कानून-व्यवस्था कोर कमेटी की बैठक में यह तय किया गया कि अगर जाकिर नाइक बांग्लादेश आते हैं, तब भारी भीड़ उमड़ सकती है। इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती करनी पड़ेगी, जो फिलहाल संभव नहीं है। बैठक के बाद सूत्रों ने विशेष रूप से यह बताया कि इतनी संख्या में बलों की तैनाती संभव न होने के कारण उन्हें अनुमति नहीं दी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेश सरकार ने भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा की गई टिप्पणी पर गंभीरता से विचार किया। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि जाकिर नाइक भगोड़ा है और भारत में वांछित है, और भारत उम्मीद करता है कि वह जहाँ भी जाएगा, वहाँ के लोग उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे और हमारी सुरक्षा चिंताओं का समाधान करेगा। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भारत की टिप्पणी पर ध्यान देने की बात कही और यह भी कहा कि किसी भी देश को किसी दूसरे देश के आरोपी या फरार व्यक्ति को शरण नहीं देनी चाहिए।

अमेरिका के मिशिगन विवि में शोध कर रहे चीन के तीन नागरिकों ने जैविक पदार्थों की तस्करी का कुचक्र रचा, आपराधिक शिकायत दर्ज

डेट्रॉइट, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

मिशिगन विश्वविद्यालय के तीन शोधार्थियों पर जैविक पदार्थों की तस्करी करने का कुचक्र रचने का गंभीर आरोप लगा है। तीनों चीन के नागरिक हैं। चीन के इन नागरिकों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने अपने एक्स हैंडल पर यह सूचना सार्वजनिक की है। मिशिगन पूर्वी जिला के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने की विज्ञप्ति में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। अमेरिकी अटॉर्नी जेरोम एफ. गोरगन जूनियर ने कहा है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के तीन शोधार्थियों पर बुधवार को आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। तीनों पर संयुक्त राज्य अमेरिका में जैविक पदार्थों की तस्करी की साजिश रचने और अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों को झूठे बयान देने का आरोप लगाया गया है।

अमेरिकी अटॉर्नी गोरगन ने कहा, ' यह तीनों लोग मिशिगन विश्वविद्यालय की आड़ में खतरा पैदा कर रहे थे। यह हमारी सामूहिक सुरक्षा के लिए एक खतरा हैं। हम आगाह करने के लिए अपने विशिष्ट संघीय सहयोगियों के आभारी हैं। 'चीन के इन तीनों आरोपितों की पहचान 28 वर्षीय शू बाई, 27 वर्षीय फेंगफान झांग और 30 वर्षीय झियोंग झांग के रूप में हुई है। तीनों जे-1 वीजा धारक शोधार्थी हैं। तीनों जियानझोंग जू की यूएम प्रयोगशाला में शोध कर रहे थे। इसे आमतौर पर शॉन जू प्रयोगशाला के रूप में जाना जाता है।

आपराधिक शिकायत के अनुसार, 2024 और 2025 में बाई और फेंगफान झांग को गोल कृमियों से संबंधित छिपी हुई जैविक सामग्री वाले कई शिपमेंट प्राप्त हुए थे। इनको चेंगशुआन हान ने अमेरिका भेजा था। हान वुहान में जीवन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय से पीएचडी कर रहे थे। वह जून 2025 में यूएम की प्रयोगशाला में काम करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका आए। हान ने हाल ही में तस्करी के तीन मामलों और झूठे बयानों के एक मामले में कोई प्रतिवाद नहीं किया। उन्हें सजा सुनाई गई और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका से निकाल दिया गया।

हान को संयुक्त राज्य अमेरिका से निकाले जाने के बाद यूएम ने शॉन जू प्रयोगशाला की आंतरिक जांच शुरू की। तब यह खुलासा हुआ। इसके बाद

प्रतिवादियों ने हवाई यात्रा के प्रयास किए। दस अक्टूबर को संघीय एजेंटों ने प्रतिवादियों को उनके घर और अन्य जगहों पर ढूंढने का प्रयास किया लेकिन विफल रहे।

एफबीआई निदेशक काश पटेल ने कहा, 'एफबीआई और हमारे सहयोगी कानून का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह ठहराएंगे। शैक्षणिक शोध के दौरान अवैध गतिविधियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आरोपित चीनी नागरिक कथित तौर पर पहले भी अमेरिका में जैविक पदार्थों की तस्करी में शामिल थे।' अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने कहा, 'शोध की आड़ में जैविक पदार्थों की तस्करी का कथित प्रयास एक गंभीर अपराध है। यह अमेरिका की राष्ट्रीय और कृषि सुरक्षा के लिए खतरा है। हमे ऐसे विदेशी नागरिकों से सतर्क रहने की जरूरत है। यह लोग अमेरिका की उदारता का फायदा उठाते हैं।' एफबीआई डेट्रॉइट फील्ड ऑफिस की विशेष एजेंट जेनिफर रनयान ने कहा, 'एफबीआई और कानून प्रवर्तन सहयोगी अमेरिकी लोगों की रक्षा, मातृभूमि की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शांति वार्ता से पहले पाकिस्तान ने दी धमकी कहा- युद्ध तो होकर रहेगा

इस्लामाबाद, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शांति वार्ता होने से पहले पाकिस्तान ने खुली चेतावनी दे दी है। दोनों मुल्कों के बीच पहले दौर की वार्ता 18 और 19 अक्टूबर को दोहा में हुई थी, उसके बाद 25 अक्टूबर को इस्तांबुल में दूसरी वार्ता हुई जो कई दिनों तक चली लेकिन सीमा पार आतंकवाद के प्रमुख मुद्दे पर बिना किसी सफलता के समाप्त हो गई। दोनों मुल्कों के बीच शांति समाधान के लिए तुर्किए और कतर मध्यस्थता कर रहा है। आसिफ ने काबुल पर आतंकवादियों को पालने और सीमा पार हमलों पर चुप्पी साधने के आरोप लगाए हैं। जबकि, अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की तरफ से आम नागरिकों पर ड्रोन हमलों की निंदा की है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने काबुल को चेतावनी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब एक पत्रकार ने सवाल किया कि अगर सैन्य टकराव ही एकमात्र विकल्प बचेगा, तो क्या होगा। इसपर आसिफ ने कहा, युद्ध होगा। खास बात है कि यह टिप्पणी तुर्की में होने वाली बैठक से ठीक पहले की गई हैं। अक्तूबर में आसिफ ने अफगान तालिबान के इस दावे को खारिज कर दिया कि टीटीपी आतंकवादी अफगानिस्तान में रहने के बाद स्वदेश वापस लौट रहे 'पाकिस्तानी शरणार्थी हैं।उन्होंने सवाल किया कि ये तथाकथित शरणार्थी अत्यधिक विनाशकारी हथियारों से लैस होकर कैसे लौट रहे है मुख्य सड़कों पर बसों, ट्रकों या कारों में खुलेआम यात्रा करने के बजाय, चोरों की तरह दुर्गम पहाड़ी रास्तों से पाकिस्तान में घुस रहे हैं।उन्होंने कहा कि यह तर्क अफगानिस्तान के कपट और दुर्भावना को उजागर करता है। आसिफ ने से कहा कि जब तक काबुल टीटीपी को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता, तब तक अफगानिस्तान के साथ संबंध कभी सामान्य नहीं हो सकते।पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान पड़ोसी देश के साथ तनाव नहीं बढ़ाना चाहता।

सिंगापुर में च्युइंगम चबाने, बेचने पर हो सकती है जेल

सिंगापुर। सिंगापुर दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां च्युइंगम चबाना और बेचना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। सिंगापुर सरकार ने 1992 में देश में च्युइंगम पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। इस नियम का उल्लंघन करने पर एक साल तक की जेल और भारी जुर्माना हो सकता है। यह फैसला देश की स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक व्यवस्था को सुधारने के उद्देश्य से लिया गया था। च्युइंगम में सिंथेटिक रबर, फ्लेवर और प्लास्टिसाइजर होते हैं जो इसे चिपचिपा बनाते हैं। फेंकने के गलत तरीके से यह सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक परिवहन पर चिपककर गंदगी फैलाती थी। सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया ताकि सफाई कर्मचारियों की परेशानी कम हो और शहर साफ-सुथरा बना रहे। सिंगापुर आज इसी नीति की वजह से दुनिया के सबसे स्वच्छ और अनुशासित देशों में गिना जाता है। यह प्रतिबंध 2004 में अमेरिका और सिंगापुर के बीच हुए फ्री ट्रेड समझौते के बाद थोड़ा नरम हुआ लेकिन केवल चिकित्सीय उपयोग (मेडिकल यूज) के लिए: अनुमति प्राप्त च्युइंगम: निकोटीन गम (धूम्रपान छोड़ने में मदद करने वाली) और व्हाइटनिंग गम (दांतों की सफाई के लिए) जैसी विशेष च्युइंगम को मेडिकल स्टोर पर सिर्फ डॉक्टर की सलाह से खरीदने की अनुमति दी गई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने किया दावा: अमेरिका, रूस और चीन का होगा परमाणु निरस्त्रीकरण

वाशिंगटन, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कई देशों के न्यूक्लियर परीक्षण करने का दावा किया। साथ ही ट्रंप ने ये भी कहा था कि जब सब टेस्ट कर रहे हैं, तो अमेरिका इस मामले में पीछे क्यों रहे वो भी जल्द ही परीक्षण शुरू करने जा रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका, रूस और चीन के परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए प्लान बनाया है। ये पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने इस तरह का कोई प्लान बनाया है, इससे पहले भी वह परमाणु निरस्त्रीकरण पर बात कर चुके हैं। राष्ट्रपति ने परमाणु निरस्त्रीकरण पर काम करने की योजना का ऐलान किया है।

परमाणु निरस्त्रीकरण में आमतौर पर हथियारों की संख्या को कम कर दिया जाता है या फिर वह पूरी तरह से खत्म किया जाता है। इसका एक ही उद्देश्य होता है कि परमाणु-मुक्त दुनिया बनाई जा सके। ऐसा नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप ने इस पर पहली बार बात की है, बल्कि वह इस मामले पर पहले भी बात कर चुके हैं। ट्रंप ने साल की शुरुआत में कहा था कि 'परमाणु ऊर्जा पर बहुत खर्चा हो रहा है। ये ऐसी चीज है जिस पर हम बात भी नहीं करते हैं। इसलिए अब हमें ये देखना होगा कि क्या परमाणु निरस्त्रीकरण हो सकता है और मुझे लगता है कि यह हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप को अभी दो ही दिन बीते होंगे जब उन्होंने अमेरिका के न्यूक्लियर टेस्ट करने की बात कही थी। उनका कहना था कि पाकिस्तान, रूस और चीन जैसे कई देश परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन वो इस बात को बताते नहीं हैं। वहीं, अमेरिका इस पर खुलकर बोलता है। ट्रंप ने कहा कि जब सब देश टेस्ट कर रहे हैं तो अमेरिका परीक्षण न करने वाले देशों की लिस्ट में शामिल नहीं रहना चाहता है। हम भी न्यूक्लियर टेस्ट करेंगे, इसके लिए तैयारियां भी पूरी की जा चुकी हैं। इसके बाद अब ट्रंप ने अमेरिका के साथ-साथ रूस और चीन का परमाणु निरस्त्रीकरण करने का ऐलान कर दिया है।

बड़ी उपलब्धि: अमेरिका में पहली बार मानव में सुअर का जीन-संशोधित गुर्दा प्रतिरोपित

वाशिंगटन, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में पहली बार सुअर का आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीन-एडिटेड) गुर्दा सफलतापूर्वक एक मानव शरीर में प्रतिरोपित किया गया है। यह प्रयोग न्यूयॉर्क के एनवाईयू लेंगोन हेल्थ मेडिकल सेंटर में किया गया, जिसका उद्देश्य यह परखना है कि क्या ऐसे संशोधित अंग इंसानों के शरीर में लंबे समय तक काम कर सकते हैं और गंभीर बीमार मरीजों की जान बचाने में मददगार साबित हो सकते हैं। इससे पहले भी अमेरिका में सुअर के गुर्दों को मानव शरीर में प्रतिरोपित करने के दो प्रयास किए जा चुके हैं। अलबामा की एक महिला में प्रतिरोपित गुर्दा 130 दिन तक कार्य करता रहा, जबकि न्यू हैम्पशायर के एक व्यक्ति में यह 271 दिन तक सक्रिय रहा था। हालांकि दोनों मामलों में अंग अंततः निष्क्रिय हो गया और स्थायी सफलता नहीं मिल पाई।

इस परियोजना से जुड़ी बायोटेक कंपनी ने पुष्टि की है कि सुअर के अंगों को मानव शरीर के अनुकूल बनाने के लिए विशेष जीन एडिटिंग की गई है।अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने इस संवेदनशील और जटिल ट्रायल को सख्त शर्तों के साथ मंजूरी दी है। शुरुआती चरण में छह मरीजों पर यह परीक्षण किया जाएगा। ट्रायल का नेतृत्व डॉ रॉबर्ट मोंटगोमरी कर रहे हैं, जिन्होंने बताया कि अस्पताल में पहले से ही ऐसे कई मरीज हैं जो इस प्रयोग में शामिल होने के इच्छुक हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि यह प्रक्रिया सफल रही, तो यह चिकित्सा क्षेत्र के लिए क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

समुद्र में दो प्रकार की डाइव करते हैं सांप: शोध

लंदन। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड की एक नई रिसर्च ने साबित किया है कि ये सांप सतह की ओर लौटते समय अपनी देह को लहरों की तरह मोड़ते हुए यानी 'विगल' करते हैं। यह अनोखा व्यवहार न केवल देखने में दिलचस्प है बल्कि समुद्री पारिस्थितिकी और सांपों की अनुकूलन क्षमता को समझने में भी अहम साबित हो सकता है। शोध टीम ने दो प्रमुख प्रजातियों हायड्रोफिस स्टोक्सी (स्टोक्स सी स्नेक) और हायड्रोफिस मेजर (ग्रेटर सी स्नेक) पर अध्ययन किया। वैज्ञानिकों ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एक्समाउथ गल्फ और न्यू कैलेडोनिया के तटीय इलाकों में पांच सांपों पर अल्ट्रासोनिक ट्रांसमीटर लगाए, जो हर दो सेकंड में सांपों की गहराई का डेटा भेजते थे। इस डेटा के आधार पर उनकी 3 डी डाइविंग पाथ बनाई गई, जिससे यह खुलासा हुआ कि ये सांप अपना 97 प्रतिशत समय पानी के भीतर बिताते हैं और दो प्रकार की डाइव करते हैं 'यू-शेप' और 'एस-शेप'। 'एस-शेप' डाइव विशेष रूप से दिलचस्प है क्योंकि इसमें सांप लहराते हुए धीरे-धीरे सतह की ओर बढ़ते हैं। यह व्यवहार अब तक किसी अन्य समुद्री जीव में दर्ज नहीं हुआ था। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह लहराना सिर्फ तैरने की तकनीक नहीं है।

केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने किया 'संसद खेल महोत्सव-पूर्वी दिल्ली' का शुभारंभ

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने गुरुवार को पूर्वी दिल्ली में स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित 'संसद खेल महोत्सव 2025-पूर्वी दिल्ली' का पूर्व विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में मल्होत्रा ने कहा कि देश में खेल संस्कृति को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना आवश्यक है, क्योंकि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए, बल्कि मानसिक और सामाजिक विकास के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं के उत्साह और भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि यह उनकी असीम ऊर्जा और सकारात्मक सोच का परिचायक है। उन्होंने कहा कि 'संसद खेल महोत्सव' का उद्देश्य सिर्फ खेल भावना को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचानना और उन्हें जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का अवसर देना है।

मल्होत्रा ने अपने संबोधन में खेलों के पांच - (गति), (धैर्य), स्पद्धद्वय्द्य (कौशल), (शक्ति) और (जज़्बा) का उल्लेख करते हुए कहा कि 'इन पांचों में सबसे महत्वपूर्ण है यानी खेल भावना।' उन्होंने हाल ही में घोषित 'खेलो भारत नीति 2025' का भी उल्लेख किया, जो भारत के खेल परिदृश्य को नया आकार देने और नागरिकों को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मंत्री ने कहा कि खेलों को शिक्षा और संस्कृति के समान महत्व दिया जाना चाहिए, क्योंकि ये राष्ट्र के भावी खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। 'सद खेल महोत्सव के अंतर्गत कुल 11 खेल विधाओं — एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कुश्ती, फुटबॉल आदि — में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी, जिनमें विभिन्न आयु वर्गों के लड़के और लड़कियाँ भाग लेंगे। कार्यक्रम के समापन पर मल्होत्रा ने विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल क्लबों और स्थानीय खिलाड़ियों से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि इस महोत्सव को एक भव्य सफलता बनाया जा सके। इस अवसर पर विजेंद्र धामा (जिला अध्यक्ष, भाजपा मयूर विहार जिला), रविंदर सिंह नेगी (विधायक, पाटपड़गंज) सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

बॉडीबिल्डर फ़ैयाज़ अली महदी ने दुबई मसल शो में जीता कांस्य पदक

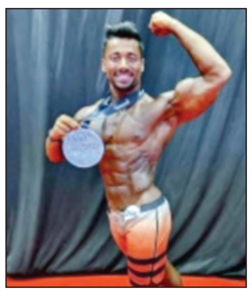

हैदराबाद, 06 नवंबर (एजेंसियां)। हैदराबाद के प्रतिभाशाली युवा बॉडीबिल्डर फ़ैयाज़ अली महदी ने दुबई में आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड मसल शो में भारत का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया।टीम शफी सामी क्लासिक ने इस उपलब्धि पर फ़ैयाज़ को हार्दिक बधाई दी, उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण व निरंतर अभ्यास ने यह सम्मान दिलाया। टीम प्रवक्ता ने भविष्य में वैश्विक स्तर पर और बड़ी सफलताओं की कामना की, जो उनकी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी।

दुनियाभर के नामी बॉडीबिल्डरों वाली इस कड़ी प्रतियोगिता में फ़ैयाज़ ने भारत व हैदराबाद का नाम रौशन किया। टीम ने इसे उनके सफल खेल करियर की शुरुआत बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मिडिल ऑर्डर में जगह बनाना चाहते हैं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट शॉर्ट

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मैट शॉर्ट ने साफ कर दिया है कि भले ही वे बल्लेबाजी की शुरुआत करना पसंद करते हों, लेकिन अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जगह बनाने का उनका सबसे बड़ा मौका मिडिल या लोअर ऑर्डर में है। 29 वर्षीय शॉर्ट पिछले साल वेस्टइंडीज में हुए टी20 वर्ल्ड कप के दौरान 15 सदस्यीय टीम के बाहर एक रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। भारत के खिलाफ चल रही मौजूदा टी20 सीरीज़, जो गोल्ड कोस्ट और गाबा में होने वाले मुकाबलों के साथ क्वींसलैंड में समाप्त होगी, शॉर्ट के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। शॉर्ट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई 30 गेंदों पर 66 रन की ताबड़तोड़ पारी रही है, जो उन्होंने ओपनिंग करते हुए खेली थी। हालांकि मौजूदा सीरीज़ में उन्होंने पहले दो मैचों में नंबर 7 पर बल्लेबाजी की है। शॉर्ट ने बताया कि टीम मैनेजमेंट ने उन्हें वर्ल्ड कप में शामिल होने का स्पष्ट रास्ता दिखाया है। उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'व्यक्तिगत तौर पर मैं ओपनिंग को अपनी सबसे मजबूत स्थिति मानता हूं, लेकिन चयनकर्ताओं और कोचिंग स्टाफ से बातचीत के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि वर्ल्ड कप के लिए हमारी टॉप-4 या टॉप-5 बल्लेबाजों की जगह लगभग तय है। अगर मुझे वर्ल्ड कप की प्लेइंग इलेवन में जगह बनानी है, तो मेरा सबसे अच्छा मौका मिडिल या लोअर ऑर्डर में है।' उन्होंने आगे कहा, 'वर्ल्ड कप खेलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वेस्टइंडीज में मैं रिज़र्व खिलाड़ी था और खेल नहीं पाया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना हमेशा गर्व की बात है — चाहे वह वर्ल्ड कप हो या कोई द्विपक्षीय सीरीज़। एडिलेड स्ट्राइकर्स के कप्तान शॉर्ट ने अपनी बीबीएल 12 और बीबीएल 13 की शानदार प्रदर्शन के दम पर पहचान बनाई, जहां वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अभी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा। अभी तक जिस प्रकार से 50-50 ओवर का गेम अंडर 19 विश्व कप में होता आया है वही आगे भी चलेगा। वहीं इससे पहले एसोसिएट सदस्यों ने इसे टी20 प्रारुप का करने की मांग की थी पर आईसीसी ने उसे खारिज कर दिया है। आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव कमिटी (सीईसी) ने कहा कि अभी किसी बदलाव की जरुरत नहीं है। दुबई में आईसीसी की बैठक में ये फैसला हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने यह फैसला किया कि अंडर-19 विश्व कप एकदिवसीय प्रारूप में ही खेला जाएगा। वहीं सहयोगी सदस्यों की ओर से यह मांग की गई थी कि जूनियर विश्व कप महिला वर्ग की तरह ही टी20 प्रारूप में खेला जाए पर सीईसी इस पर सहमत नहीं हुई। अंडर 19 विश्व कप को लेकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे। टूर्नामेंट के पिछले 18 संस्करण 50 ओवरों के रहे हैं और 19वां संस्करण अगले साल नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा, जो एकदिवसीय प्रारुप में ही होगा। एसोसिएट सदस्यों के साथ समस्या ये है कि उनके पास खिलाड़ियों का पूल नहीं होता है और सुविधाएं भी उतनी बेहतर नहीं हैं।

गेंदबाजों के दम पर भारत ने बनाई 2-1 की बढ़त

करारा (ऑस्ट्रेलिया) 06 नवंबर (एजेंसियां)। वॉशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 मुकाबले में गुरुवार को 48 रन से हराकर सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली।

भारत ने शुभमन गिल (46), अभिषेक शर्मा (28),शिवम दुबे (22), कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) और अक्षर पटेल (नाबाद 21) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.2 ओवर में मात्र 119 रन पर ढेर हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 37 जोड़े। कप्तान मिचेल मार्श ने 30 और मैथ्यू शॉर्ट ने 25 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया एक समय दो विकेट पर 70 रन बनाकर अच्छी स्थिति में था लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के सामने उसने अपने अंतिम आठ विकेट 49 रन जोड़कर गंवा दिये। सुंदर ने तीन विकेट निकाले जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिये। अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को एक-एक विकेट मिला। अक्षर पटेल को नाबाद 21 रन बनाने और दो विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

भारत इस बढ़त के बाद अब सीरीज नहीं गंवा सकता और उसकी कोशिश अंतिम मैच जीतकर सीरीज कब्जाने की रहेगी। जबकि ऑस्ट्रेलिया आखिरी मैच में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगा।

इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े। सातवें ओवर में एडम जम्पा ने अभिषेक शर्मा को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली।

भारत का दूसरा विकेट 12वें ओवर में शिवम दुबे के रूप में गिरा। उन्हें नेथन एलिस ने बोल्ड आउट किया। दुबे ने 18 ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए 22 रन बनाये। इसके बाद एलिस ने 15वें ओवर में शुभमन गिल को बोल्डकर भारत के स्कोर पर अंकुश लगाने का काम किया। शुभमन गिल ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 46 रन बनाये। अगले ही ओवर में जेवियर बार्टलेट ने सूर्यकुमार यादव को अपना शिकार बना लिया। सूर्यकुमार यादव ने 10 गेंदों में दो छक्के लगाते हुए 20 रन बनाये। तिलक वर्मा (पांच) जितेश शर्मा (तीन), वॉशिंगटन सुंदर (12) और अर्शदीप सिंह (शून्य) पर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रनों का स्कोर खड़ा किया। जो अंतत: मैच विजयी साबित हुआ। अक्षर पटेल 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नेथन एलिस और एडम जम्पा ने तीन-तीन विकेट लिये। जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टॉयनिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गाबा टेस्ट में वापसी की राह पर लेकिन पूरी एशेज सीरीज खेलना मुश्किल : पैट कमिंस

मेलबर्न,06 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिया है कि वे ब्रिसबेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट में वापसी के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि सीरीज के सभी टेस्ट मैचों में लगातार खेलना उनके लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। कमिंस जुलाई से पीठ की चोट के कारण क्रिकेट से दूर हैं, लेकिन अब वे तीन-चौथाई रन-अप से गेंदबाजी कर रहे हैं और बुधवार को उन्होंने नेट्स में करीब आठ ओवर फेंके। वे पहले टेस्ट की शुरुआत तक पूरी गति से गेंदबाजी करने की उम्मीद कर रहे हैं। 32 वर्षीय कमिंस ने बताया कि रिहैबिलिटेशन के दौरान उन्हें अब तक कोई दर्द या पुरानी चोट के लक्षण महसूस नहीं हुए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अधिकारी अभी इस पर स्पष्ट नहीं हैं कि कमिंस दूसरे टेस्ट में निश्चित रूप से खेलेंगे या नहीं, लेकिन कप्तान ने खुद कहा कि यही उनका लक्ष्य है। ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'हमारा पूरा प्लान दूसरे टेस्ट पर केंद्रित है। फिलहाल शरीर बहुत अच्छा महसूस कर रहा है। पर्थ में एक मजबूत बॉलिंग सत्र करूंगा, उसके बाद स्पष्ट हो जाएगा कि मैं कहां खड़ा हूं।' हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वापसी के बाद हर मैच खेलना आसान नहीं होगा, क्योंकि तीसरे से पांचवें टेस्ट के बीच सिर्फ चार-चार दिन का अंतर है। उन्होंने कहा, 'मैं जितना ज्यादा खेल सकूं, उतना खेलना चाहता हूं। लेकिन अगर किसी मैच में 40-50 ओवर गेंदबाजी करनी पड़े और कुछ ही दिनों बाद अगला मैच शुरू हो, तो शायद वो थोड़ा मुश्किल हो सकता है।' कमिंस को नहीं लगता कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट से पहले किसी प्रैक्टिस मैच की जरूरत होगी।

वे अगले सप्ताह टीम के साथ पर्थ जाएंगे और वहां कोचिंग स्टाफ के साथ रहेंगे। उन्होंने बताया, '2023 वर्ल्ड कप से पहले भी मैं साउथ अफ्रीका गया था और वहां से मैचों को कोचिंग बॉक्स से देखने का अनुभव मिला। इस बार भी पर्थ टेस्ट में वैसा ही अनुभव लूंगा, जिससे आगे के मैचों में मदद मिल सके।' कमिंस की गैरमौजूदगी में मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड पेस अटैक की अगुवाई करेंगे, जबकि स्कॉट बोलैंड को भी अपनी जगह बनाए रखने का मौका मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ विराट और रोहित को नहीं मिली जगह

मुम्बई। अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस सीरीज के लिए भारत ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा जबकि उपकप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को दी गयी है। टीम में अधिकतर युवाओं को ही जगह दी गयी है। इस सीरीज के तीनों मैच राजकोट में 13 नवंबर, 16 नवंबर और 19 नवंबर को खेले जाएंगे। रोहित और विराट को इस सीरीज में अवसर नहीं दिये जाने से दोनो को ही झटका लगा है कयोंकि इससे इनके पास अभ्यास का अच्छा अवसर था। वैसे भी अब ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। रोहित और कोहली दोनों ने ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से से संन्यास ले लिया है। दोनों अब सिर्फ ओडीआई ही खेल रहे हैं। दोनों को किस कारण से टीम में शामिल नहीं किया गया, ये स्पष्ट नहीं है। ये भी हो सकता है कि दोनों दिग्गज स्वयं ही भारत ए की तरफ से खेलने के इच्छुक न रहें हों। ये भी हो सकता है कि टीम प्रबंधन इन दोनों दिग्गजों के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हो कि ये बिना अभ्यास के भी रन बना सकते हैं।इसलिए युवाओं और नई प्रतिभाओं को ही अवसर दिया गया है।

लियोनेल मेसी 2025 एमएलएस बेस्ट इलेवन टीम के कप्तान चुने गए

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी को इस सीज़न के मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की सर्वश्रेष्ठ टीम (बेस्ट इलेवन) का कप्तान चुना गया है। इस सूची में नौ अलग-अलग क्लबों के खिलाड़ियों को जगह मिली है।

इंटर मियामी के इस अर्जेंटीनी फॉरवर्ड ने इस सीज़न में 29 गोल और 19 असिस्ट किए, यानी कुल 48 गोल योगदान दिए — जो 2019 में कार्लोस वेला द्वारा बनाए गए 49 योगदानों के रिकॉर्ड से बस एक कम है। मेसी अब लीग इतिहास में लगातार दो बार एमवीपी पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की राह पर हैं। बुधवार को एमएलएस द्वारा घोषित इस सूची में सात देशों के खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से छह खिलाड़ी पहली बार बेस्ट इलेवन में जगह बना पाए हैं।

फिलाडेल्फिया यूनियन (जेकब ग्लेसनेस और काई वाग्नर) और वैंकूवर व्हाइटकैप्स (ट्रिस्टन ब्लैकमोन और सेबेस्टियन बर्हाल्टर) ऐसी दो टीमें हैं जिनके दो-दो खिलाड़ी इस सूची में शामिल हैं।

बेस्ट इलेवन का चयन हर साल मीडिया, एमएलएस खिलाड़ियों और क्लब टेक्निकल स्टाफ के वोटों से किया जाता है।

2025 एमएलएस बेस्ट इलेवन टीम

गोलकीपर: डेन सेंट क्लेयर (मिनेसोटा यूनाइटेड एफसी)।

डिफेंडर: ट्रिस्टन ब्लैकमोन (वैंकूवर व्हाइटकैप्स), एलेक्स फ्रीमैन (ऑरलैंडो सिटी), जेकब ग्लेसनेस (फिलाडेल्फिया यूनियन), काई वाग्नर (फिलाडेल्फिया यूनियन)।

मिडफील्डर: सेबेस्टियन बर्हाल्टर (वैंकूवर व्हाइटकैप्स), इवांडर (एफसी सिनसिनाटी), क्रिस्टियन रोल्डन (सिएटल साउंडर्स)।

फॉरवर्ड: डेनिस बुआंगा (एलएएफसी), एंडर्स ड्रेयर (सैन डिएगो एफसी), लियोनेल मेसी (कप्तान) (इंटर मियामी सीएफ)।

एफआईएच मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप से पहले हॉकी इंडिया 20 शहरों में निकालेगा ट्रॉफी टूर

विश्व कप की प्रतिष्ठित ट्रॉफी 20 शहरों की यात्रा पूरी करने के बाद तमिलनाडु लौटेगी

नई दिल्ली,06 नवंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में होने जा रहे एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप 2025 से पहले हॉकी इंडिया ने आज देश के 20 शहरों में ट्रॉफी टूर करने की घोषणा की। इस टूर के तहत विश्व कप की प्रतिष्ठित ट्रॉफी देश के विभिन्न हिस्सों में जाएगी, जिससे हॉकी प्रेमियों को इसे करीब से देखने का मौका मिलेगा। ट्रॉफी टूर की औपचारिक शुरुआत 7 नवंबर को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में हॉकी इंडिया शताब्दी समारोह से होगी। इस ट्रॉफी टूर का मकसद 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप से पहले पूरे देश में उत्साह का माहौल बनाना और खेल प्रेमियों को जोड़ना है।

ट्रॉफी 20 शहरों की यात्रा पूरी करने के बाद तमिलनाडु लौटेगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, 'ट्रॉफी टूर का उद्देश्य एफआईएच हॉकी मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप के उत्साह को देश के हर कोने तक पहुंचाना है। यह भारतीय हॉकी के लिए ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि हम 24 टीमों के साथ अब तक के सबसे बड़े जूनियर वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि पूरा देश इस जश्न में शामिल हो और भारतीय टीम को शुभकामनाएं दे।

' सचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक यह ट्रॉफी टूर हॉकी परिवार को एक सूत्र में जोड़ने की अनोखी पहल है। नई दिल्ली में हॉकी इंडिया के शताब्दी समारोह से इस यात्रा की शुरुआत इसे और भी खास बनाती है।

20 शहरों की इस यात्रा से देशभर के प्रशंसक इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी को लेकर उत्साह साझा करेंगे।' इस अवसर पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इक़राम, हॉकी इंडिया अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, सचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष सेकर जे. मनोहरन उपस्थित रहेंगे।

ट्रॉफी टूर कार्यक्रम:

- 07 नवंबर-नई दिल्ली
- 09 नवंबर-पंचकुला, हरियाणा (12 बजे दोपहर)
- 09 नवंबर-चंडीगढ़ (3 बजे अपराह्न)
- 10 नवंबर-अमृतसर, पंजाब
- 11 नवंबर-जम्मू, जम्मू-कश्मीर
- 12 नवंबर-लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- 13 नवंबर-उदयपुर, राजस्थान
- 14 नवंबर-अहमदाबाद, गुजरात
- 15 नवंबर-भोपाल, मध्य प्रदेश
- 16 नवंबर-कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- 17 नवंबर-रायपुर, छत्तीसगढ़
- 18 नवंबर-रांची, झारखंड
- 19 नवंबर-पटना, बिहार
- 20 नवंबर-भुवनेश्वर, ओडिशा
- 21 नवंबर-गुवाहाटी, असम
- 22 नवंबर-पुणे, महाराष्ट्र।

प्रीमियम एसयूवी इलेवेट के नए एडिशन का टीजर जारी

नई दिल्ली,06 नवंबर (एजेंसियां)। होंडा कार्स इंडिया कंपनी ने अपनी प्रीमियम एसयूवी इलेवेट के नए एडिशन का टीज़र जारी किया है, जो डिजाइन और फीचर्स के मामले में हयूंदै क्रेटा को सीधी चुनौती देने वाली है। रेड एक्सेंट वाली फ्रंट ग्रिल, ग्लॉस ब्लैक एलॉय व्हील्स और ब्लैक टोन हेडलैंप स्ट्रिप इसके लुक को और दमदार बनाते हैं। सोशल मीडिया पर जारी इस टीज़र में कार का स्पोर्टी और आकर्षक लुक दिखाई देता है, जिसमें ब्लैक और रेड थीम का संयोजन इसे पहले से अधिक प्रीमियम बनाता है। कंपनी ने टीज़र में 'ए बोल्ड कैंपेनियन फार बोल्ड कैंपेनियन फार द एक्सप्लोरर इन यू' टैगलाइन दी है, जिससे संकेत मिलता है कि यह एडिशन इलेवेट एक्सप्लोरर एडिशन नाम से लॉन्च हो सकता है। यह वेरिएंट एडवेंचर और रोमांच पसंद करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नए एडिशन में वही भरोसेमंद 1.5 लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 119 बीएचपी पावर और 145 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड मैनुअल और 7-स्टेप सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प मौजूद रहेंगे, जबकि सीएनजी फिटमेंट डीलर स्तर पर उपलब्ध होगी। सेफ्टी और फीचर्स के मामले में होंडा ने इसे पहले से अधिक एडवांस बनाया है। कार में लेवल-2 एडीएएस सिस्टम, छह एयरबैग, लेनवॉच कैमरा, हिल स्टार्ट असिस्ट, ट्रैक्शन कंट्रोल और इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल जैसे फीचर्स शामिल हैं।

टीवीएस ने अक्टूबर में कुल 5,43,557 वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली। अक्टूबर 2025 में टीवीएस मोटर ने बिक्री के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टीवीएस कंपनी ने इस महीने कुल 5,43,557 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.15 प्रतिशत की वृद्धि और पिछले महीने की तुलना में 0.46 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है। बीते साल की तुलना में टीवीएस ने करीब 54 हजार वाहनों की अतिरिक्त बिक्री की। यह प्रदर्शन कंपनी की घरेलू और वैश्विक बाजार में मजबूत पकड़ को दर्शाता है। टीवीएस की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका भारतीय बाजार रहा, जहां उसने 4,21,631 वाहनों की बिक्री की। यह कुल बिक्री का लगभग 80 प्रतिशत है और इसमें वार्षिक तौर पर 9.83 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, निर्यात के क्षेत्र में कंपनी ने 1,03,519 वाहनों की बिक्री की, जो कुल बिक्री का करीब 18 प्रतिशत हिस्सा है। मोटरसाइकिल श्रेणी में कंपनी ने 2,66,715 इकाइयाँ बेचीं, जो कुल बिक्री का 51 प्रतिशत हिस्सा है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 15.77 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। वहीं स्कूटर सेगमेंट में कंपनी ने 2,05,919 यूनिट्स बेचीं, जिनमें से आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर सबसे लोकप्रिय रहा। इस मॉडल की 32,387 इकाइयाँ बिकीं, जिससे यह साबित हुआ कि उपभोक्ता तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

1 जनवरी 2026 से पेन निष्क्रिय, समय रहते लिंक करें आधार

नई दिल्ली। 1 जनवरी 2026 से उन लोगों का पेन नंबर निष्क्रिय हो जाएगा जिन्होंने 31 दिसंबर 2025 तक पेन और आधार लिंक नहीं किया। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की इस नई प्रक्रिया का पालन न करने पर वित्तीय लेन-देन प्रभावित हो सकते हैं। पेन निष्क्रिय होने पर आप आईटीआर फाइल नहीं कर पाएंगे और रिफंड प्रोसेस भी रुक सकता है। इसके अलावा, सैलरी सिप निवेश और बैंक ट्रांजैक्शन भी प्रभावित हो सकते हैं। टैक्स बडी के मुताबिक, कई निवेश और बैंकिंग सुविधाओं पर प्रतिबंध लग सकता है। कुछ विशेष श्रेणी के लोग इस नियम से मुक्त हैं, जैसे एनआरआई, 80 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक और कुछ राज्यों के निवासी। इसके लिए संबंधित व्यक्ति को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से वैरिफिकेशन कराना जरूरी है। पेन को फिर से सक्रिय करने में लगभग 30 दिन लग सकते हैं।

क्विक कॉमर्स कंपनियों ने अपनाया 'बैचिंग' मॉडल, कम खर्च में तेज डिलीवरी का नया फॉर्मूला

नई दिल्ली। तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स कारोबार में अब कंपनियां खर्च घटाने और मुनाफा बढ़ाने के लिए बैचिंग या क्लबिंग मॉडल अपना रही हैं। इस प्रक्रिया में कंपनियां दो या उससे ज़्यादा ऑर्डर एक साथ पैक करती हैं और एक ही डिलीवरी पार्टनर से ग्राहकों तक भेजती हैं। इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होती है, साथ ही कंपनियों की डिलीवरी लागत में कमी आती है। डार्क स्टोर, यानी छोटे वेयरहाउस, जहां ऑर्डर तैयार किए जाते हैं, अब खास सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये सिस्टम आसपास के ऑर्डर को पहचानकर डिलीवरी का रास्ता तय करते हैं, ताकि एक ही रूट में कई ऑर्डर पूरे किए जा सकें। जेप्टो के एक अधिकारी ने बताया कि बैचिंग से डिलीवरी पार्टनर का सफर छोटा होता है, जिससे समय बचता है और उन्हें अतिरिक्त इंसेंटिव भी मिलता है। सिर्फ जेप्टो ही नहीं, बल्कि ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामेंट और बिग बॉस्केट भी यह तरीका अपनाने लगी हैं। फिलपकार्ट मिनट ने अगस्त 2025 से 500 मीटर के दायरे में आने वाले ऑर्डर को जोड़ना शुरू किया है, जिससे भीड़भाड़ या त्योहारों के दौरान भी डिलीवरी पर असर नहीं पड़ता। वहीं बिग बॉस्केट अपने स्लॉटेड डिलीवरी सिस्टम में शुरुआत से ही बैचिंग कर रही है।

ब्रुकफील्ड रीट खरीदेगी 13,125 करोड़ का कार्यालय परिसर

नई दिल्ली। ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट (रीट) ने बेंगलूरु में एक कार्यालय परिसर इकोवर्ल्ड का 13,125 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने के लिए पक्का करार किया है। जेएलएल के पूंजी बाजार प्रमुख ने बताया कि यह सौदा भारत के रीट इकोसिस्टम की बढ़ती परिपक्वता को रेखांकित करता है। रीट सक्रिय रूप से पूंजी लगा रहे हैं और परिसंपत्ति अधिग्रहण में मजबूत प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं जो वाणिज्यिक अचल संपत्ति में संस्थागत भागीदारी की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत है। भारत के प्रमुख कार्यालय बाजार बेंगलूरु के सबसे व्यस्त इलाके में 48 एकड़ में बना इकोवर्ल्ड का परिसर आउटर रिंग रोड पर 77 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है। ब्रुकफील्ड के निदेशक मंडल ने अधिग्रहण के लिए 3,500 करोड़ रुपये की नई ऋण प्रतिभूतियां करने, वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में तरजीही निर्गम से 1,000 करोड़ रुपये की नकद आय और 2,500 करोड़ रुपये की नई इक्विटी जारी करने से प्राप्त रकम का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है। एनारॉक समूह ने कहा, ब्रुकफील्ड द्वारा बेंगलूरु में 77 लाख वर्ग फुट के इकोवर्ल्ड ऑफिस परियोजना को 13,125 करोड़ रुपये में खरीदना भारत में अब तक की सबसे बड़ी कार्यालय अचल संपत्ति की बिक्री है। इस तरह ब्रुकफील्ड का सौदा भारतीय अचल संपत्ति के इतिहास में एक ही जगह कार्यालय संपत्ति खरीद का नया रिकॉर्ड है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

झूठ की हद्द...

और उनके वोटर आईडी कार्ड में उनकी अपनी असली तस्वीर लगी हुई है, न कि किसी विदेशी मॉडल की। बता दें कि पूनम का पता, उम्र और उनके पति का नाम सभी सही हैं और निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड से मेल खाते हैं। यह भी पता चला है कि जिस मतदाता सूची की फोटो राहुल गांधी ने दिखाई थी, वह या तो एडिटेड थी या वह पुराना ड्राफ्ट था, जिसका इस्तेमाल भ्रामक तरीके से किया गया। इस खुलासे के बाद राहुल गांधी पर सवाल उठ रहे हैं कि उन्होंने बिना पुष्टि के ऐसी जानकारी क्यों साझा की। कांग्रेस की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

पत्रकारों ने उन तीन महिलाओं के घरों का भी दौरा किया जिनकी तस्वीर राहुल गांधी के अनुसार, मतदाता सूची में एक ब्राज़ीलियाई नागरिक की थी। चौथी महिला से फोन पर बात की गई। सभी मामलों में, महिलाओं या उनके परिवारों ने कहा कि उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपने वोटर पहचान कार्ड से मतदान किया। गृहिणी स्वीटी भी उनमें शामिल हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस बार मतदान करने में कोई समस्या नहीं हुई। मैंने अपने 2012 के मतदाता पहचान पत्र और उनके द्वारा जारी की गई पर्ची का इस्तेमाल किया। करीब सौ मीटर की दूरी पर 24 वर्षीय मंजीत का घर है, जो ऐसी ही एक और महिला हैं। उनके परिवार ने बताया कि उन्होंने भी हमेशा की तरह मतदान किया।

सेक्टर 35 में रहने वाली 54 वर्षीय दर्शन जून, 22 लोगों की सूची में शामिल हैं। उनकी बेटी हर्षा (24) ने जून के 2019 के मतदाता पहचान पत्र की एक तस्वीर दिखाई, जिसमें उनकी सही तस्वीर लगी थी। मतदाता सूची दिखाए जाने पर हर्षा ने कहा, हम सभी ने हाल ही में मतदान किया था और मुझे कोई समस्या नहीं हुई। जो तस्वीर दिखाई जा रही है वह साफ तौर पर गलत है। तीनों महिलाओं से अलग, मछरौला गांव की निवासी पिंकी को अपनी मतदाता पहचान पत्र में समस्या थी, लेकिन इसका ब्राजीलियाई नागरिक से कोई लेना-देना नहीं था। पिंकी ने बताया कि 2016 में शादी के बाद जब वह दिल्ली से यहां आईं, तब उन्होंने अपने वर्तमान पते पर नामांकन कराया था। उन्होंने कहा कि उन्हें जो मतदाता पहचान पत्र मिला था, उसमें गलत तस्वीर थी, लेकिन वह गांव के किसी अन्य निवासी की थी। वह ब्राजील की किसी महिला की नहीं थी। बूथ की बीएलओ बबीता ने कहा कि उन्हें कुछ महीने पहले ही इस पद पर नियुक्त किया गया था और इस मामले की जानकारी नहीं थी। पिछली बीएलओ, आशा कार्यकर्ता सुशीला ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ब्राज़ीलियाई नागरिक की गलत तस्वीर मतदाता सूची में कैसे आ गई।

हरियाणा में 2024 के विधानसभा चुनावों में वोट चुराए जाने का दावा करते हुए, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कई उदाहरण दिए, जिनमें पलवल जिले के होडल में एक घर में 66 मतदाता और दूसरे में 501 मतदाता शामिल हैं। भौतिक निरीक्षण में पाया गया है कि होडल में दोनों पते वास्तव में बड़े प्लॉट हैं, जहां कई घर हैं और कई परिवार रहते हैं। इनमें से कई लोगों ने बताया कि उन्होंने विधानसभा चुनावों में मतदान किया था। उन चार महिलाओं का भी पता लगा जिनकी मतदाता सूची में ब्राजीलियाई नागरिक की तस्वीरें थीं। उन सभी के अलग-अलग नाम हैं और उन्होंने अपना-अपना मतदान किया था।

राहुल गांधी ने प्रेस को बताया कि होडल विधानसभा में भाजपा जिला परिषद उपाध्यक्ष के एक घर में 66 मतदाता पंजीकृत मिले। जबकि होडल के गुधराना गांव में मकान संख्या 150 भाजपा के जिला परिषद उपाध्यक्ष उमेश गुधराना (40) का घर है और जिन मतदाताओं का जिक्र राहुल गांधी ने किया था, वे उनके परिवार के सदस्य हैं। गुधराना के चाचा राजपाल गुधराना (60) और उनके भाइयों ने कहा कि जिन मतदाताओं का जिक्र गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया था, वे सभी रिश्तेदार हैं जो उसी जमीन पर रहते हैं। राजपाल ने बताया, मेरे पिता अपने तीन भाइयों के साथ करीब 80 साल पहले पास के सीहा गांव से गुधराना आकर बस गए थे। उन सभी ने शादी कर अपने-अपने परिवार बसाए। हमारे पास 10 एकड़ जमीन थी, जिसमें से पांच एकड़ पर हम रहते थे और बाकी पर खेती करते थे। यह सबसे पुराना पक्का घर है, जो 1986 में बना था, मकान नंबर 150 है। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे परिवार बढ़ा, पांच एकड़ जमीन पर अलग-अलग घर बनाए गए और सभी की पहचान अब भी मकान नंबर 150 से होती है।

उमेश ने कहा, हमारे परिवार की चार पीढ़ियां साथ रहती हैं। वोट चोरी का कोई सवाल ही नहीं उठता। मेरा वोटर आईडी कार्ड 2009 में बना था और जब भी हमारे परिवार का कोई सदस्य नया वोटर आईडी बनवाता है, बीएलओ उसका पता मकान नंबर 150 ही लिखता है। इसी तरह राहुल गांधी के अन्य दावे भी भौतिक सत्यापन में फर्जी साबित हुए। मसलन मकान नंबर 265 के बारे में राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि 501 मतदाता पंजीकृत हैं। जबकि उस पते पर पंजीकृत मतदाताओं में से एक किशनी (72) ने बताया कि उनके परिवार में आठ सदस्य हैं। उनके पति राम सोरौत ने कहा कि उनके परदादा के पास गांव में 25-30 एकड़ जमीन थी, जिसे परिवार ने कई हिस्सों में बांटकर धीरे-धीरे बेच दिया। सोरौत के बेटे पवन (26) के अनुसार, इस जमीन पर वर्तमान में कुल 200 घर और तीन निजी स्कूल हैं, और सभी मतदाताओं के पते में मकान संख्या 265 दर्ज है। उन्होंने कहा, 1980 से पहले इस पूरी जमीन का इस्तेमाल खेती के लिए किया जाता था और रिहायशी इलाका बहुत कम था। लेकिन जैसे-जैसे परिवार बढ़ता गया, कई घर बने और कई एकड़ जमीन बिक गई। उन्होंने बताया कि उनके परिवार की छह पीढ़ियां अब जमीन खरीदने वाले लोगों के साथ आस-पास ही रहती हैं। ऐसी ही एक मतदाता श्यामवती सिंह (46), जिनका नाम मतदाता सूची में इसी मकान संख्या के साथ दर्ज है और जो सोरौत परिवार से जुड़ी नहीं हैं, ने बताया कि उन्होंने 2013 में यह जमीन खरीदी थी और तब से इस पते से चुनावों में वोट डालती आ रही हैं। कांग्रेस के उदय भान यहां विधानसभा चुनाव में भाजपा के हरिंदर सिंह से 2,595 मतों से हार गए।

राहुल गांधी को...

फिर सरमा ने जनता का मूड भांप कर फिर कहा, बिहार की जनता ने पहले ही फैसला कर लिया है कि उन्हें श्रीराम-लक्ष्मण चाहिए, न कि बाबर और औरंगजेब। सीएम सरमा ने मतदाताओं को यह संदेश दिया कि एनडीए सरकार ही सुरक्षा और सांस्कृतिक हितों की रक्षा कर सकती है, और यह भी जोड़ा कि हम एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

18 जिलों की...

इस सीट पर कुल 10 उम्मीदवार मैदान में हैं।

अलीनगर विधानसभा सीट सबसे चर्चित सीटों में से एक है। भाजपा ने यहां से लोक गायिका मैथिली ठाकुर को मैदान में उतारा है। राजद ने यहां से विनोद मिश्रा को टिकट दिया है। जनसुराज ने यहां से बिप्लव कुमार चौधरी को मैदान में उतारा है। सीवान जिले की रघुनाथपुर विधानसभा सीट पर राजद ने बाहुबली शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को टिकट दिया है। जदयू ने यहां से विकास कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वहीं जनसुराज की तरफ से राहुल कीर्ति मैदान में हैं। पिछले दो चुनावों से यहां राजद ने जीत दर्ज की है। दोनों बार यहां से राजद के हरिशंकर यादव को जीत मिली थी। पार्टी ने इस बार उनकी जगह ओसामा शहाब को टिकट दिया है।

गरखा विधानसभा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सुप्रीमो चिराग पासवान के भांजे सीमांत मृणाल यहां से लोजपा (आर) के टिकट पर पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। पिछली बार इस सीट पर भाजपा के उम्मीदवार को हार मिली थी। इस बार एनडीए गठबंधन में भाजपा ने यह सीट लोजपा के लिए छोड़ दी। राजद ने यहां से मौजूदा विधायक सुरेंद्र राम को ही टिकट दिया है। जनसुराज ने मनोहर कुमार राम को उम्मीदवार बनाया है। बांकीपुर विधानसभा सीट से अन्य चर्चित उम्मीदवार नितिन नवीन हैं, वह बांकीपुर सीट से चार बार विधायक रह चुके हैं। 2025 के लिए भी भाजपा ने इन्हें मैदान में उतारा है। 2020 के चुनाव में इन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी मतों के साथ हराया था। इस बार यहां से राजद ने रेखा कुमारी को टिकट दिया है। वहीं, जनसुराज ने वंदना कुमार को मैदान में उतारा है।

भोरे विधानसभा सीट गोपालगंज जिले के अंदर आती है। इस सीट से वर्तमान विधायक सुनील कुमार बिहार सरकार में शिक्षा मंत्री हैं। उन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव में भाकपा माले के प्रत्याशी जितेंद्र पासवान को मात्र 462 वोटों के बेहद मामूली अंतर से हराकर जीत दर्ज की थी। इस बार भी सुनील कुमार को जदयू से टिकट मिला है। उधर, महागठबंधन की ओर से भाकपा माले के धनंजय मैदान में हैं। जनसुराज ने प्रीति किन्नर को टिकट दिया है।

सारण जिले बनियापुर सीट पर भाजपा ने केदारनाथ सिंह को टिकट दिया है। केदारनाथ इससे पहले यहां से लगातार तीन बार राजद के टिकट पर जीत चुके हैं। केदारनाथ चुनाव से पहले पाला बदलकर राजद से भाजपा में आए हैं। राजद ने यहां से चांदनी देवी को मैदान में उतारा है। जनसुराज के टिकट पर श्रवण कुमार मैदान में हैं।

गायघाट विधानसभा सीट से लोजपा सांसद वीणा देवी की बेटी कोमल सिंह मैदान में हैं। कोमल के पिता जदयू के एमएलसी हैं। जनसुराज ने अशोक कुमार सिंह और राजद ने निरंजन राय को मैदान में उतारा है। सरायरंजन विधानसभा सीट पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और मौजूदा मंत्री विजय चौधरी को ही टिकट मिला है। जदयू के विजय कुमार चौधरी को इस सीट पर लगातार तीन बार जीत मिली है। 2010 से लगातार वह इस सीट पर जीतते आ रहे हैं। इससे पहले इस सीट पर कोई उम्मीदवार लगातार तीन बार नहीं जीता था। वह नीतीश कैबिनेट में कई विभागों के मंत्री भी रह चुके हैं। राजद ने अरबिंद कुमार साहनी और जनसुराज ने साजन कुमार मिश्रा को टिकट दिया है।

गौड़ा बौराम विधानसभा सीट इसलिए चर्चा में है क्योंकि महागठबंधन में राजद और वीआईपी के साथ होने बावजूद यहां दोनों के प्रत्याशी आमने-सामने रहे हैं। भाजपा ने सुजीत कुमार सिंह, वीआईपी ने संतोष सहनी और राजद ने अफजल अली को मैदान में उतारा है। राजद ने अफजल अली को नामांकन वापस करने की बात भी कही थी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया नहीं। इसके बाद पार्टी ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। बाद में अंतिम समय में मुकेश सहनी की पार्टी ने अपने उम्मीदवार को राजद के अफजल अली को समर्थन दे दिया है। यानि तकनीकी आधार पर फिलहाल इस सीट पर राजद के अफजल अली का मुकाबला भाजपा के सुजीत कुमार सिंह से है।

कल्याणपुर विधानसभा सीट महेश्वर हजारी की वजह से हॉट सीटों में से एक है। जदयू के टिकट पर लड़ रहे महेश्वर हजारी समस्तीपुर से सांसद भी रह चुके हैं। भाकपा (माले) ने रंजीत राम को मैदान में उतारा है। जाले विधानसभा सीट शहरी विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जीवेश कुमार मिश्रा की वजह से चर्चा में है। उन्हें एक बार फिर भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस ने ऋषि मिश्रा को मैदान में उतारा है।

मधेपुरा विधानसभा सीट भी काफी चर्चित सीट है। यहां से जदयू ने कविता साहा को टिकट दिया है। कविता वर्तमान में मधेपुरा नगर परिषद की मुख्य पार्षद हैं। एक साल पहले ही जदयू में शामिल हुई हैं। यह पहली बार है जब मधेपुरा सीट से किसी बड़े राजनीतिक दल ने किसी गैर-यादव को प्रत्याशी बनाया है। पिछले तीन चुनीवों में यहां राजद के चंद्रशेखर यादव को जीत मिली है। इस भी राजद ने इन्हें उम्मीदवार बनाया है। जनसुराज की तरफ से शशि कुमार यादव मैदान में हैं।

सहरसा विधानसभा सीट पर महागठबंधन में शामिल इंडियन इंक्लूसिव पार्टी यानी आईआईपी के संस्थापक आईपी गुप्ता मैदान में हैं। आईआईपी को महागठबंधन में दो सीटें मिली हैं। परबत्ता विधानसभा सीट से 1969 में सतीश प्रसाद सिंह परबत्ता सीट से ही चुनाव जीतकर राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। सम्राट चौधरी इसी सीट से राजद के टिकट पर जीतकर पहली बार 2000 और फिर 2010 में विधानसभा पहुंचे थे। 2004 से 2015 के बीच जदयू के रामानंद प्रसाद यादव यहां से चार बार विधायक रहे। 2020 में उनके बेटे संजीव कुमार को जदयू के टिकट पर इसी सीट पर जीत मिली थी। इस चुनाव से ऐन पहले संजीव कुमार ने जदयू का साथ छोड़ राजद का दामन थाम लिया। इस बार संजीव कुमार यहां से राजद उम्मीदवार हैं। वहीं, जदयू ने अपना गढ़ रही इस सीट को लोजपा के लिए छोड़ दिया है। लोजपा से बाबू लाल शौर्य को टिकट मिला है।

मुंगेर विधानसभा सीट से भाजपा ने कुमार प्रणय को टिकट दिया है। पहले चरण में किस्मत आजमा रहे 1314 उम्मीदवारों में प्रणय सबसे अमीर हैं। कुमार प्रणय ने अपने शपथ पत्र में कुल 170 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की है। राजद ने यहां से अविनाश विद्यार्थी को और जनसुराज ने संजय कुमार सिंह को मैदान में उतारा है। हालांकि चुनाव से ऐन वक्त पर जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी संजय कुमार ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

थलपति विजय...

यह पोस्टर विजय को आम आदमी के नेता के रूप में दर्शाता है। जन नायकन 9 जनवरी को पोंगल/मंगल संक्रांति के मौके पर रिलीज होगी। यह विजय की राजनीति में पूरी तरह उतरने से पहले उनकी आखिरी फिल्म मानी जा रही है। प्रशंसकों का मानना है कि यह उनकी शानदार सिनेमाई विदाई होगी। पोंगल का उत्सव दक्षिण भारत में दर्शकों के लिए खास होता है, जिससे फिल्म की बॉक्स ऑफिस सफलता की संभावना बढ़ जाती है। एच विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस ने किया है।

पीएम कौशल...

दोषी टीपी के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर लगे आरोपों में उपस्थिति रिकॉर्ड में छेड़छाड़ करके प्रशिक्षण केंद्रों से गायब छात्रों को भी शामिल करना शामिल था। टीपी और टीसी को ब्लैक लिस्ट में डालने के संबंध में अपने विस्तृत पत्र में मंत्रालय ने पीएमकेवीवाई की देखरेख करने वाले सभी राज्य और मिशन प्रमुखों को यह निर्देश दिया है, केंद्रों में देखी गई विसंगतियों को ध्यान में रखते हुए, यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि किसी भी सरकारी कौशल योजना के तहत प्रस्तुत किए गए किसी भी प्रस्ताव की जांच या विचार करते समय उचित कार्रवाई की जा सकती है।

ब्लैकलिस्ट में सबसे ज़्यादा संख्या उत्तर प्रदेश (59) की है। उसके बाद दिल्ली (25), मध्य प्रदेश (24) और राजस्थान (20) का स्थान है। जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मिज़ोरम, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे कई राज्य हैं जिनके एक-एक टीपी और टीसी को मंत्रालय ने इस लिस्ट में डाला है। 178 मामलों में से 122 में, टीपी की पहचान टीसी से भिन्न थी; 56 मामलों में, टीपी और टीसी की पहचान समान थी। जुलाई 2025 में, सरकार ने पीएमकेवीवाई 4.0 के लिए आवंटन (2024-25 के लिए 1,538 रुपए) पर एक प्रेस रिलीज जारी की थी जिसमें बताया गया था, मान्यता प्राप्त और संबद्ध प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) में प्रशिक्षण दिया जा रहा है और टीसी की फिजिकल और डिजिटल माध्यम से निगरानी की जा रही है। अनुपालन न करने वाले टीसी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करना, ब्लैकलिस्ट में डालना, निलंबन, वित्तीय वसूली आदि जैसी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सरकार ने बचाए...

आसान बनाने के लिए अनगिनत क्रांतिकारी सुधार किए गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय स्टेट बैंक के एक कार्यक्रम में यह बात कही है। वित्त मंत्री ने एसबीआई के कहा कि वैश्विक चुनौतियां प्रमुख होती जा रही हैं और वैश्विक संस्थाएं कमजोर पड़ रही हैं।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि देश को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है। इस बारे में रिजर्व बैंक और दूसरे बैंकों से बातचीत चल रही है। 12वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में बोलते हुए सीतारमण ने ऋणदाताओं से उद्योग के लिए ऋण प्रवाह को गहरा और व्यापक बनाने के लिए कहा। वित्त मंत्री ने भरोसा जताते हुए कहा कि जीएसटी दर में कटौती से बढ़ी मांग एक बेहतर निवेश का सिलसिला शुरू करेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत को बड़ी संख्या में विश्व स्तरीय बैंकों की जरूरत है। सरकार इस पर विचार कर रही है और काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई के साथ चर्चा कर रहे हैं। हम बैंकों के साथ चर्चा कर रहे हैं। निजीकरण की प्रक्रिया के तहत सरकार ने जनवरी 2019 में आईडीबीआई बैंक में अपनी 51 प्रतिशत नियंत्रणकारी हिस्सेदारी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को बेच दी थी।

26 नवंबर तक अपनी स्वराशि तुला में रहेंगे शुक्र

शुक्र देव 2 नवंबर को कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश कर लिया है और 26 नवंबर तक तुला राशि में रहेंगे। वैदिक ज्योतिष में शुक्र को बेहद ही शुभ ग्रह माना जाता है। ये प्रेम संबंधों, सुख-सुविधाओं और सभी प्रकार के भौतिक सुखों को प्रदान करने वाला ग्रह माना गया है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शुक्र देव 2 नवंबर को कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश कर लिया है और 26 नवंबर तक तुला राशि में रहेंगे। इसके वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी। जॉब बदलने का विचार मन में है तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यवहार में सौम्यता लाएगा। प्रशासनिक और राजनैतिक मामलों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा कहा जाता है। कई लोगों की सेहत में भी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। विपरित लिंग के लोगों के कारण कामकाज में बदलाव होने की भी संभावना है। सुख-सुविधाएं, यात्राएं और शारीरिक सुख संबंधी मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना है।

शुक्र के शुभ प्रभाव से सुख-समृद्धि और सौभाग्य में होगी वृद्धि होती है। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है। इसके साथ ही वैवाहिक जीवन में भी शुक्र की स्थिति का असर पड़ता है, यदि कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की दुर्बल स्थिति व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है। शनि व बुध शुक्र के मित्र ग्रहों में आते है। शुक्र ग्रह के शत्रुओं में सूर्य व चन्द्रमा है। शुक्र के साथ गुरु व मंगल सम सम्बन्ध रखते हैं। वृषभ एवं तुला राशि के स्वामी शुक्र कन्या राशि में नीच राशिगत संज्ञक तथा मीन राशि में उच्चराशिगत संज्ञक कहे गए हैं।

ज्योतिष में शुक्र

शुक्र या वीनस को ज्योतिष में स्त्री ग्रह भी माना जाता है। ये वृष और तुला राशि का स्वामी है। शुक्र लाभ के साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का भी कारक होता है। व्यक्ति की कलात्मकता का भी विकास होता है। किसी की कुंडली में ये ग्रह कमजोर या मजबूत हो, दोनों ही स्थिति में काफी मायने रखता है। ज्योतिष में शुक्र अच्छे कपड़े, विवाह, आमदनी, नारी, ब्राह्मण, पत्नी, यौन जीवन का सुख, फूल, वाहन, चांदी, आनंद, कला, वाद्ययंत्र और राजसी प्रवृत्ति का कारक ग्रह है। शुक्र के राशि परिवर्तन होने से इन मामलों संबंधी बदलाव देखने को मिलते हैं।

प्रभाव

शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शुभ असर देखने को मिलेगा। ललित कलाओं की तरफ आप का रूझान हो सकता है। यदि आप मनोरंजन के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होगा। वहीं मीडिया आदि के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी यह शुक्र लाभ कराने वाला होगा। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी। जॉब बदलने का विचार मन में है तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यवहार में सौम्यता लाएगा। प्रशासनिक और राजनैतिक मामलों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा कहा जाता है। कई लोगों की सेहत में भी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। विपरित लिंग के लोगों के कारण कामकाज में बदलाव होने की भी संभावना है। सुख-सुविधाएं, यात्राएं और शारीरिक सुख संबंधी मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

शुक्र का तुला राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि –वैवाहिक वार्ता सफल रहेगी। दांपत्य जीवन में भी मधुरता आएगी। शासन सत्ता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से भी सहयोग के योग।

वृषभ राशि–अप्रत्याशित परिणाम वाला सिद्ध होगा। स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहना होगा। गुप्त शत्रुओं से भी बचना होगा। झगड़े विवाद तथा कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले भी बाहर ही सुलझाएं।

मिथुन राशि–प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। विवाह भी करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से अवसर अनुकूल रहेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। नवदंपति के लिए संतान प्राप्ति और प्रादुर्भाव के भी योग।

कर्क राशि–मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार प्राप्ति के योग। शासन सत्ता का भी सहयोग मिलेगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। लिए गए निर्णय और किए गए कार्यों की सराहना होगी।

सिंह राशि–परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। छोटे भाइयों से मतभेद बढ़ने न दें। धर्म तथा आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान-पुण्य करेंगे।

कन्या राशि–कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें बेहतर रहेगा। कार्य संपन्न करें और सीधे घर आएं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी सावधान रहना होगा। विवादित मामले से दूर ही रहें।

तुला राशि–पद और गरिमा की वृद्धि होगी। शादी विवाह से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। संतान सुख में भी वृद्धि होगी। नवदंपति के लिए संतान प्राप्ति के भी योग हैं।

वृश्चिक राशि–विलासितापूर्ण वस्तुओं पर भी अधिक खर्च करेंगे। विदेशी मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार प्राप्ति के योग। कार्य-व्यापार के लिए विदेश जाने की सोच रहे हों तो यह अवसर बेहतरीन रहेगा।

धनु राशि–परिवार के वरिष्ठ सदस्यों और बड़े भाइयों से भी सहयोग मिलेगा। आय के साधन बढ़ेंगे। काफी दिनों का दिया गया धन भी वापस मिलने की उम्मीद। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी।

मकर राशि–माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। जमीन जायदाद संबंधी मामले हल होंगे। मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार प्राप्ति के योग। यात्रा के समय सामान चोरी होने से बचाएं।

कुंभ राशि–जो लोग नीचा दिखाने की कोशिश में लगे थे वहीं मदद के लिए आगे आएंगे। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्रकारी परास्त होंगे। न्यायिक मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत हैं।

मीन राशि–सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किए गए कार्यों की सराहना होगी। इस अवधि के मध्य षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद हल होंगे।

शादी में दूल्हा या दुल्हन सबसे पहले कौन पहनाता है वरमाला

शादी-विवाह के दौरान कई तरह की रस्में निभाई जाती हैं। हर धर्म के लोगों में विवाह के दौरान विभिन्न रस्मों-रिवाज और पंरपराएं निभाई जाती हैं। इनमें हल्दी, मेहंदी, फेरे आदि जैसे कई रस्म होते हैं। इन्हीं रस्मों में वरमाला भी एक है।

वरमाला को कई जगहों पर जयमाला भी कहा जाता है। यह वह क्षण होता है जब दूल्हा और दुल्हन पहली बार एक-दूसरे को स्वीकार करते हैं और विवाह की रस्मों के लिए आगे बढ़ते हं। वरमाला पहनाने को विवाह के रस्मों के शुभ आरंभ का प्रतीक माना जाता है।

बिहारी, बंगाली, मारवाड़ी, पंजाबी, मुस्लिम, ईसाई जैसे कई धर्म और जातियों में विवाह के दौरान वरमाला की परंपरा निभाई जाती है। लेकिन अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि शादी में सबसे पहले वरमाला कौन पहनाता है। यानी दूल्हा या दुल्हन कौन सबसे पहले वरमाला पहनाता है।

हिंदू धर्म में वरमाला की रस्म

हिंदू धर्म मे वरमाला की रस्म को महत्वपूर्ण माना जाता है। वरमाला का अर्थ है 'वर को माला पहनाना'। इसलिए सबसे पहले दुल्हन ही दूल्हे को वरमाला पहनाती है। प्राचीन काल में इसे स्वयंवर की परंपरा से जोड़ा जाता था। जब राजकन्या अपने पसंद के वर को माला पहनाकर जीवनसाथी के रूप में स्वीकार करती थी। इसलिए आज भी इसी नियम का परंपरा का पालन करते हुए दुल्हन द्वारा दूल्हे को सबसे पहले वरमाला पहनाना शुभ माना जाता है। हालांकि बदलते समय में शादी-विवाह की परंपराओं में भी कई बदलाव आए हैं। लेकिन आज भी वरमाला की परंपरा जरूर निभाई जाती है। वरमाला प्रेम, स्वीकृति और जीवनभर के साथ का संकल्प है।

विवाह में वस्त्र चुनें राशि अनुसार, दाम्पत्य जीवन रहेगा सुखद, ग्रह दोष होंगे दूर

शादी का दिन रह किसी के लिए बहुत खास होता है। इस दिन से लड़की का एक नया जीवन शुरू हो जाता है। ऐसे में उनके मन में कई प्रकार के डर और सवाल होते हैं कि आखिर शादी के बाद उनका जीवन कैसा होगा। वहीं, अपने शादी के स्पेशल दिन के लिए हर लड़की परफेक्ट ब्राइडल लहंगा पहनना चाहती है। इस लहंगे से आप अपने शादी के साथ-साथ पूरे वैवाहिक जीवन को सुखद बनाए रख सकती हैं। इसके लिए राशि अनुसार अपनी शादी का जोड़ा जरूर चुनें। इससे कुंडली में ग्रह मजबूत होते हैं और राशि अनुसार लहंगा पहनने से दांपत्य जीवन भी सुखद बना रह सकता है।

मेष राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं, जिसे उत्साह और ऊर्जा का कारक माना जाता है। ऐसे में मेष राशि की लड़कियों को अपने लिए पिंक, रेड या मेरून कलर का लहंगा चुनना चाहिए। ये कलर्स आपके ब्राइडल लुक के लिए एक एकदम परफेक्ट होंगे। इससे आपके जीवन में खुशहाली बनी रह सकती है और गुड लक हमेशा साथ रहता है।

वृषभ राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह शुक्र होते हैं, जिसे ऐश्वर्य, वैभव और सौंदर्य का कारक माना गया है। ऐसे में वृषभ राशि वाली लड़कियों को अपनी शादी के लिए क्रीम, गुलाबी, पेस्टल ग्रीन जैसे रंग के लहंगे या साड़ी चुननी चाहिए। इन रंगों के चुनाव से कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होगा और आपका वैवाहिक जीवन हमेशा खुशहाल बना रह सकता है।

मिथुन राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं, जिसे बुद्धि, संचार कौशल और तर्क शक्ति का कारक माना गया है। ऐसे में अपनी शादी के लिए आप ग्रीन, मस्टर्ड येलो या लेमन कलर का लहंगा चुन सकती हैं। अपनी राशि के अनुसार शादी का लहंगा चुनने से कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति मजबूत हो सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि के संयोग बनते हैं।

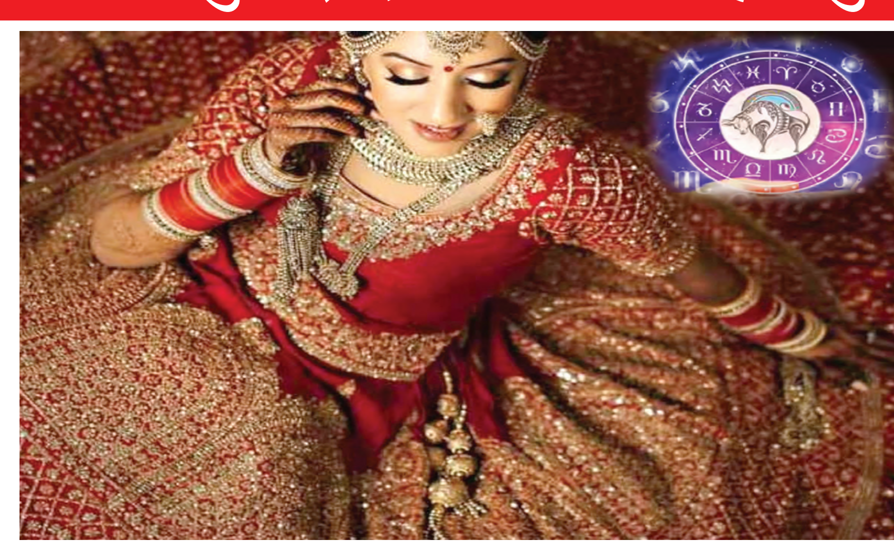

कर्क राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह चंद्रमा होते हैं, जिसे शांति, मन, भावना और माता का कारक माना गया है। ऐसे में अपने स्पेशल डे पर कर्क राशि वाली लड़कियों को सिल्वर, पर्ल व्हाइट, क्रीम, बॉटल ग्रीन आदि रंग का शादी का जोड़ा पहनना चाहिए। ये कलर्स आंखों को आराम देने वाले होते हैं, जिससे वैवाहिक जीवन में शांति बनी रह सकती है और जीवन संतुलित होता है।

सिंह राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह सूर्य होते हैं जिसे नेतृत्व क्षमता, मान-सम्मान, उच्च पद और यश कारक माना जाता है। ऐसे में सिंह राशि की लड़िकयों को अपनी शादी के दिन रॉयल पर्पल, गोल्डन या डार्क रेड कलर का लहंगा पहनना चाहिए। इससे आपके जीवन में सूर्य के समान तेज आ सकता है और कुंडली में सूर्य ग्रह की स्थिति मजबूत होती है।

कन्या राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह बुध होते हैं, जो तर्क शक्ति, बुद्धि और संचार कौशल का कारक होता है। कन्या राशि की लड़कियों को अपनी शादी के लिए ग्रीन, मस्टर्ड येलो या लेमन कलर का जोड़ा लेना चाहिए। इससे आपके वैवाहिक जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी।

तुला राशि–अपने विवाह के लिए तुला राशि की लड़कियों को पिंक, पेस्टल, ग्रीन या गुलाबी कलर का लहंगा चुनना चाहिए। इस राशि के स्वामी ग्रह शुक्र हैं जिन्हें वैभव, सौंदर्य और ऐश्वर्य का कारक माना गया है। ऐसे में इन कलर्स के लहंगे पहनने से आपकी कुंडली में शुक्र की स्थिति मजबूत हो सकती है और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी।

वृश्चिक राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह मंगल हैं जिन्हें, ऊर्जा, उत्साह, शक्ति और पराक्रम का कारक माना जाता है। ऐसे में वृश्चिक राशि वाली लड़कियों को अपने स्पेशल डे के लिए लाल, मेहरून या गुलाबी कलर का लहंगा चुनना चाहिए। इससे कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होगा और आपके दांपत्य जीवन में गुड लक आएगा।

धनु राशि–अपनी शादी के लिए धनु राशि वाली लड़कियों को गोल्डन, पेस्टल ग्रीन या येलो कलर का लहंगा चुनना चाहिए। यह कलर आपके जीवन में एनर्जी और पॉजिटिविटी बढ़ेंगे। धनु राशि के स्वामी ग्रह बृहस्पति हैं, जिसे धन, संतान, ज्ञान और भाग्य का कारक माना गया है। ऐसे में इन कलर्स के चुनाव से आपका वैवाहिक जीवन सुखद रह सकता है।

मकर राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह शनि होते हैं, जिन्हें कर्म, मकान, न्याय और जनता का कारक माना गया है। ऐसे में मकर राशि की लड़कियों को अपने स्पेशल डे के लिए पिंक, सिल्वर, डार्क ब्राउन आदि कलर्स का शादी का जोड़ा चुनना चाहिए। इससे कुंडली में शनि ग्रह मजबूत होगा और दांपत्य जीवन में पॉजिटिविटी बनी रहती है।

कुंभ राशि–अपने स्पेशल डे के लिए कुंभ राशि वाली लड़कियों को भी सिल्वर, डार्क ब्राउन और पिंक कलर का लहंगा चुनना चाहिए। क्योंकि कुंभ राशि के स्वामी शनिदेव होते हैं, जिन्हें, कर्म, न्याय, जनता का कारक कहा जाता है। ऐसे में ये रंग आपके वैवाहिक जीवन को खुशियों से भर सकते हैं। साथ ही, शनि के बुरे प्रभाव भी कम होते हैं।

मीन राशि–इस राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं, जिन्हें भाग्य, ज्ञान, धन, विवाह और संतान का कारक कहा जाता है। ऐसे में अपने स्पेशल डे के लिए मीन राशि की लड़कियों को पेस्टल ग्रीन, येलो या गोल्डन कलर का शादी का जोड़ा लेना चाहिए। इससे कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है और शादीशुदा जीवन हमेशा सुखद बना रहता है।

मालव्य राजयोग का संयोग से देवी लक्ष्मी की कृपा का लाभ पाएंगे मिथुन, तुला समेत अन्य राशियों के जातक

आज यानी 7 नवंबर 2025 दिन शुक्रवार है। और आज के दिन के स्वामी ग्रह शुक्र होंगे और दिन की स्वामिनी देवी महालक्ष्मी रहेंगी। पंचांग की गणना के अनुसार आज मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि रहेगी और चंद्रमा का गोचर दिन रात वृषभ राशि से होगा जिससे चंद्रमा आज उच्च के होकर गौर योग बनाएंगे जबकि चंद्रमा से तीसरे भाव में गुरु और छठे भाव में शुक्र और सूर्य के होने से वसुमान योग भी बनेगा। और आज शुक्र मालव्य राजयोग भी बना रहे होंगे और आज रोहिणी नक्षत्र के संयोग में परिध योग भी बन रहा है ऐसे में आज का दिन देवी लक्ष्मी की कृपा और मालव्य राजयोग के संयोग से मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मीन राशि के जातको के लिए बहुत ही शुभ और भाग्यशाली रहेगा

मिथुन – मिथुन राशि के जातको के लिए आज का दिन संतुलित और व्यवस्थित होगा। आप अपना काम आज सुचारू रूप से पूरा कर पाएंगे। आपको भाग्य उन्नति का मौका देगा। नौकरी में दिन आपका व्यस्तता भरा लेकिन लाभदायक रहेगा। आपके पिता और घर के बड़ों से आपको सहयोग मिलेगा। पारिवारिक धन संपत्ति का आपको लाभ मिल सकता है। आपको आज लव लाइफ में प्रेमी के साथ रोमांटिक समय बिताने का मौका मिलेगा। राजकीय क्षेत्र से आपको आज लाभ मिलने का योग बना हुआ है। आपका पूर्व में किया हुआ निवेश भी आज लाभ मिलेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा।

उपाय : मिथुन राशि के लोगों को दिन को अनुकूल बनाए रखने के लिए आज गाय को हरा चारा खिलाएं और गायत्री मंत्र का जप करें।

कन्या –कन्या राशि के जातको के लिए आज सितारे बातते हैं कि आप शिक्षा और बौद्धिक कार्यों में भाग्य का लाभ पाएंगे। आपकी बुद्धि और निर्णय क्षमता आपको आज वहां से भी लाभ दिलाएगी जहां से लाभ के बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा। नौकरी में बदलाव के लिए किए गए प्रयास सफल हो सकते हैं। आर्थिक योजनाओं को कामयाबी मिलने की संभावना रहेगी। बिजनेस में अटक हुआ माल निआज सकता है वहीं फंसा हुआ धन भी आपको मिल सकता है इसलिए दिन ऐसा है मानो दोनों हाथों में लड्डू हो। फैमिली लाइफ भी आज आपकी अच्छी रहने वाली है।

उपाय : आपको आज देवी लक्ष्मी को खीर का भोग लगाना चाहिए और श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए।

तुला –तुला राशि के लोगों के लिए आज शुक्रवार का दिन सुखद और भाग्यवृद्धि करने वाला रहेगा। आपको आज दोस्तो और पूर्व परिचित की मदद से फायदा हो सकता है। नौकरी में आज आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। शौक और मनोरंजन जो आपका स्वभाव है आप उसे पूरा भी कर पाएंगे। लव लाइफ में आपको प्रेमी के साथ रोमांटिक समय बिताने का मौका मिलेगा। डिनर डेट पर जाने का भी आप प्लान कर सकते हैं। आपको आज कहीं से उपहार और अचानक धन लाभ भी मिल सकता है। कही आपका पैसा फंसा है तो वह आपको वापस मिल सकता है।

उपाय : आपको आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए बाती में लौंग डालकर देवी लक्ष्मी की आरती करनी चाहिए। तुलसी चालीसा का भी पाठ करें।

धनु –धनु राशि के लोगों के लिए आज शुक्रवार का दिन बहुत भी शुभ और लाभदायक रहेगा। आपको आज भाग्य करियर में उन्नति का मौका प्रदान करेगा। आप किसी डील या नौकरी के लिए लंबे समय से प्रय़ास कर रहे हैं तो आपको इसमें सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलो में भी आपको आज भाग्य लाभ दिला सकता है। आप अपनी सैलरी के अलावा भी कुछ अलग स्रोत से धन कमाने के प्रयास में सफल होंगे। किसी मित्र या संबंधी की मदद से भी आपको आज फायदा हो सकता है। धर्म कर्म के काम में रुचि होने से आप आज पुण्य लाभ भी अर्जित कर पाएंगे। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा।

उपाय : आपको आज दिन को शुभ बनाए रखने के लिए देवी लक्ष्मी को लौंग युक्त पान अर्पित करना चाहिए।

मीन –मीन राशि के लोगों के लिए आज शुक्रवार का दिन बिजनेस और कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा। आपको नौकरी में आज किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिल सकता है जिससे अधिकारियों से आपको सपोर्ट और सहयोग मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में किए गए प्रयास आपके सफल होंगे। आपका फंसा हुआ धन आपको आज वापस मिल सकता है। आपको दोस्तो के साथ मौज मस्ती करने का भी आज मौका मिलेगा। अपने लिए आप कोई सुख साधन भी खरीद सकते हैं जिससे आपको खुशी मिलेगी। किसी सामाजिक उत्सव में भाग लेने का संयोग बन सकता है। वैवाहिक जीवन में आपके प्रेम और आपसी तालमेल बना रहेगा। धार्मिक यात्रा का प्रसंग बन सकता है।

उपाय : आपको आज दिन को शुभ बनाए रखने के लिए सूर्य गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए, चावल का दान करना शुभ रहेगा।

प्रेरणा अरोड़ा ने 'जटाधर' में जीवंत की सिनेमाई आध्यात्मिकता आस्था, ऊर्जा और यथार्थ से जुड़ी एक अनोखी फिल्म

जैसे ही ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा प्रस्तुत 'जटाधर' आज रिलीज़ होने जा रही है, दर्शकों की उत्सुकता अपने चरम पर पहुँच चुकी है। फिल्म के रचनात्मक स्तंभ, निर्देशक अभिषेक जायसवाल और वेंकट कल्याण तथा निर्माता प्रेरणा अरोड़ा, बताते हैं कि किस तरह एक दशक लंबी रिसर्च, श्रद्धा और तैयारी ने इस शक्तिशाली सिनेमाई ब्रह्मांड को आकार दिया है, जहाँ दिव्यता और अंधकार का संगम होता है। सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत 'जटाधर' पारंपरिक सुपरनैचुरल थ्रिलर की सीमाओं से परे जाती है। यह फिल्म आस्था, आध्यात्मिक शक्ति और दैवीय अधिष्ठान की गहराइयों में उतरती है, जो भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना में गहराई से निहित हैं।

फिल्म की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए अभिषेक जायसवाल ने महीनों तक अवेशग्रस्त व्यक्तियों का अध्ययन किया, उनकी ऊर्जा के परिवर्तन, आवाज़ के उतार-चढ़ाव और शरीर की भाषा को बारीकी से देखा। इन्हीं अनुभवों ने फिल्म के सबसे तीव्र दृश्यों को भावनात्मक और शारीरिक रूप से जीवंत बनाया।

अभिषेक कहते हैं, मैं चाहता था कि अभिनेता केवल अभिनय न करें, बल्कि उस अवस्था को महसूस करें। आवाज़ का बदलना, सांसों की लय, आंखों का भाव, हमने हर चीज़ को वास्तविक ऊर्जा से पुनःनिर्मित किया है। दर्शक सिर्फ देखें नहीं, बल्कि अनुभव करें।

जहाँ अभिषेक ने व्यवहार पर ध्यान केंद्रित किया, वहीं वेंकट कल्याण ने कहानी के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं में खुद को डुबो दिया। उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा को वास्तविक 'पिशाची' प्रस्तुतियों से रूबरू कराया ताकि वह दैवीय आवेश को सच्चाई से आत्मसात कर सकें।

वेंकट बताते हैं, सोनाक्षी बेहद समर्पित थीं। वह एक भी पल नकली नहीं दिखाना चाहती थीं। उन्होंने असली पिशाची अनुष्ठानों को देखा, वहाँ की आक्रोश, भक्ति और रूपांतरण को समझा। उन्होंने सब कुछ आत्मसात किया और बेहद सशक्त प्रदर्शन दिया।

वेंकट, जो पिछले दस वर्षों से 'जटाधर' पर काम कर रहे हैं, ने तेलंगाना के बोनालू जैसे त्योहारों में भाग लेकर दैवीय ऊर्जा की असली अनुभूति हासिल की।

वह कहते हैं, बोनालू ने मुझे सिखाया कि दैवीय ऊर्जा कैसी होती है, एक साथ अराजक, सुंदर और पवित्र। मैंने दस वर्षों में 'जटाधारा' को इस द्वैत भावना को पकड़ने के लिए संवारा है, जहाँ भक्ति और विनाश एक दूसरे से टकराते हैं।

निर्माता प्रेरणा अरोड़ा, जो गहराई और सशक्त कथानक वाली फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, बताती हैं कि 'जटाधर' आध्यात्मिकता और कहानी कहने की एक दुर्लभ संगम है।

वह कहती हैं, 'जटाधर' सिर्फ एक फिल्म नहीं, यह एक आध्यात्मिक अनुभव है। शोध से लेकर दृश्य निर्माण तक, हर तत्व सत्य पर आधारित है। हम चाहते थे कि दर्शक केवल एक कहानी न देखें, बल्कि ऐसी अनुभूति करें जो दैवीय ऊर्जा से सजीव हो।

वह आगे जोड़ती हैं, अभिषेक, वेंकट, सोनाक्षी और सुधीर, पूरी टीम ने इस फिल्म में जो मेहनत और भावना डाली है, उसने इसे एक बार मिलने वाला सिनेमाई अनुभव बना दिया है।

फिल्म में दिव्या खोसला (स्पेशल अपीयरेंस), शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत 'जटाधारा' एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसका निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंगल और निखिल नंदा ने किया है। अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह-निर्माता हैं, जबकि दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भाविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर हैं। ज़ी म्यूज़िक कंपनी द्वारा समर्थित यह फिल्म वर्ष की सबसे महत्वाकांक्षी और दृश्य रूप से अद्भुत सिनेमाई कृतियों में से एक बनने का वादा करती है, आस्था, नियति और प्रकाश-अंधकार के अनंत संग्राम की एक भव्य गाथा।

महेश बाबू की भांजी जान्वी स्वरूप फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए तैयार

महेशा बाबू साउथ के सबसे पॉपुलर एक्टर की लिस्ट में टॉप माने जाते हैं। उनके स्टारडम की तो पूरी दुनिया दीवानी है। लेकिन, अब उनकी भांजी भी इंडस्ट्री में कदम रखने को पूरी तरह से तैयार नजर आ रही हैं।

महेश बाबू की बहन मंजुला घट्टामनेनी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी बेटी ल की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में जान्वी काफी स्टनिंग लगीं। जान्वी ट्रेडिशनल हो या वेस्टर्न हर आउटफिट में बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।जान्वी की मां ने उनकी ये तस्वीरें उनके बर्थडे के मौके पर शेयर की थीं। तस्वीरों में जान्वी किसी एक्ट्रेस से कम नहीं लग रही हैं। तस्वीरों को शेयर करते हुए मंजुला घट्टामनेनी ने कैप्शन में ये भी बताया था कि उनकी बेटी जल्द ही इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। जान्वी की तस्वीरों को देखने के बाद अब फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं।

हालांकि, जान्वी किस फिल्म में नजर आएंगी उसके नाम का अभी खुलासा नहीं हुआ है। जान्वी को इससे पहले चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम करते देखा जा चुका है। लेकिन, अब फैंस उन्हें लीड एक्ट्रेस की भूमिका में देखने के लिए बेताब हैं। जान्वी के पिता का नाम संजय स्वरूप है जो एक फिल्ममेकर हैं। कई सालों तक स्पॉटलाइट और सोशल मीडिया से दूर रहने के बाद जान्वी ने अपने प्लान की घोषणा की है। जान्वी तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।मालूम हो जान्वी अभी महज 19 साल की हैं।

नौ साल बाद टीवी पर कमबैक कर रहीं माही विज

तलाक की अफवाहों के बीच स्क्रीन पर लौटेंगी

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय तक गुम होने के बाद किसी अभिनेता की वापसी हमेशा ही चर्चा में रहती है। ऐसा ही एक नाम है माही विज का। नौ साल के गैप के बाद माही टीवी की दुनिया में लौट रही हैं, और उनके फैंस के लिए यह किसी तोहफे से कम नहीं है। उन्होंने अपने व्लॉग में यह घोषणा की कि वह कलर्स टीवी के नए शो 'सहर होने को है' की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं। माही विज ने व्लॉग में सेट की कुछ झलकियां साझा करते हुए बताया, ''यह पहला दिन है और मैं फिर से शूटिंग शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे जरूरत के समय काम मिला। मैं सेट पर वापस जाना चाहती थी। इंतजार खत्म हुआ, आपकी नकुशा वापस आ गई है।'' माही ने इस दौरान यह भी बताया कि उनका नया किरदार एक टीनएजर की मां का है और इसके लिए उन्होंने पहले मना किया था।

उन्होंने कहा, ''शुरू में इस रोल को करने में हिचक थी, क्योंकि मैं खुद इस किरदार को निभाने के लिए तैयार नहीं थी। जब मुझे यह शो पहले मिला था, तो मैंने मना कर दिया था। मैं इंस्टाग्राम से अच्छी कमाई कर रही थी, लेकिन फिर भी मैं एक्टिंग की दुनिया में लौटना चाहती थी।''

तलाक की खबरों के बीच माही का यह प्रोफेशनल कमबैक और भी महत्वपूर्ण हो गया है। पिछले हफ्ते मीडिया में उनके और जय भानुशाली के बीच तलाक की अफवाहें वायरल हुई थीं। कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि माही ने जय से गुजारा भत्ते के तौर पर 5 करोड़ रुपए की मांग की है। इन खबरों का खंडन करते हुए माही ने अपने व्लॉग में कहा, ''मैं पढ़ रही हूं कि मेरे तलाक के कागजों पर साइन हो गए हैं। प्लीज मुझे वो कागज दिखाइए। जब तक हम कुछ न कहें, किसी को भी हमारी निजी जिंदगी में दखल देने का हक नहीं है।''

माही ने अपने व्लॉग में यह भी बताया कि घर में उनकी मां बीमार हैं और तीन बच्चे हैं। उनकी बेटी खुशी ने अफवाहों के बारे में पढ़कर उनसे सवाल भी किया। माही ने फैंस और मीडिया से अपील की कि उनके निजी जीवन में दखल न दें और उनके परिवार के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए।

माही और जय की शादी 2011 में हुई थी। 2017 में उन्होंने दो फॉस्टर बच्चों, खुशी और राजवीर की जिम्मेदारी ली, और 2019 में उनकी बेटी तारा का जन्म हुआ। अब, माही नए शो में पार्थ समथान और ऋषिका राठौर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी, और दर्शकों को एक नई कहानी के साथ उनका अभिनय देखने को मिलेगा।

कन्नड़ सिनेमा के खलनायक हरीश राय का निधन

उनकी दाढ़ी में छुपा था जिंदगी का दर्द

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री ने गुरुवार को एक बड़े सितारे को खो दिया। हरीश राय का 55 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्हें दर्शक खासतौर पर फिल्म 'केजीएफ' में 'रॉकी' के चाचा के किरदार से जानते थे। उनकी यह भूमिका इतनी यादगार बनी कि फैंस आज भी उन्हें उसी नाम से याद करते हैं। उनकी दाढ़ी लोगों को काफी पसंद थी, लेकिन इस दाढ़ी के पीछे उनका संघर्ष और दर्द छिपा था। वह स्टेज 4 थायरॉइड कैंसर से जूझ रहे थे। उनका इलाज बेंगलुरु के एक अस्पताल में चल रहा था। डॉक्टर्स की लगातार कोशिशों और कीमोथेरेपी के बावजूद बीमारी उनके पेट और अन्य अंगों तक फैल गई थी, जिसके चलते वह हमेशा-हमेशा के लिए दुनिया को अलविदा कह गए। उनके निधन की खबर सुनकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग और फैंस काफी दुखी हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, ''कन्नड़ सिनेमा के मशहूर खलनायक हरीश राय का निधन बेहद दुखद है। उन्होंने 'ओम', 'केजीएफ', और 'केजीएफ 2' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले और परिवार को यह दुख सहने की शक्ति मिले।'' हरीश राय ने अपने करियर की शुरुआत छोटे-छोटे रोल से की थी, लेकिन उनका अभिनय इतना प्रभावशाली था कि दर्शक उन्हें हमेशा याद रखते थे। उन्होंने कन्नड़ फिल्मों के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया। फिल्म 'ओम' में उनका 'डॉन राय' का किरदार और केजीएफ के दोनों चैप्टर में उनका 'चाचा' का रोल दर्शकों के दिलों में बस गया। उनकी भारी आवाज, शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और नेगेटिव रोल में गहराई ने उन्हें इंडस्ट्री में खास जगह दी। करीब तीन साल पहले, हरीश राय ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें कैंसर है। आर्थिक तंगी की वजह से उनका इलाज समय पर नहीं हो पाया और बीमारी ने तेजी से उन्हें कमजोर कर दिया।

हरीश राय ने खुलासा किया था कि उन्होंने 'केजीएफ 2' में लंबी दाढ़ी इसलिए रखी थी ताकि गले की सूजन छिप सके। यह दाढ़ी उनके संघर्ष की निशानी बन गई। कैमरे पर मजबूत दिखने वाले हरीश राय असल जिंदगी में दर्द और कमजोरी झेल रहे थे, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने काम को जारी रखा।

उनके साथ काम करने वाले कलाकार और दोस्त उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए । आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की ज़रूरत है। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रुपये–पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएँ तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में आपसी समझ नहीं रहती । लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक होने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि आपके विवेक को भी ज़ंग लगा देती है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार डाल देती है। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन खुशनुमा हो सकता हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खेल–कूद में हिस्सा लेने की ज़रूरत है । आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अपने जीवनसाथी के स्नेह से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। शादी के ठीक पहले के ख़ूबसूरत दिनों की याद ताज़ा हो सकती है ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 नवंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 11:07 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 12:34 तक
योग : परिघ रात्रि 10:27 तक
करण : गर प्रातः 11:07 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 09:17 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सड़क सुरक्षा पर सख्त राजस्थान सरकार

30 दिसंबर तक सड़कों से अतिक्रमण हटेगा, फुटपाथ होंगे दुरुस्त

जयपुर, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार नगरीय विकास विभाग ने सभी नगरीय निकायों को प्रगतिरत एवं आवश्यकतानुसार नवीन कार्यों को विशेष अभियान चलाकर 30 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और नागरिक सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक नगरीय क्षेत्र में सड़क नवीनीकरण, फुटपाथ व डिवाइडर मरम्मत एवं रखरखाव, स्वच्छता और यातायात संकेतक कार्य त्वरित गति से पूर्ण किए जाएं। फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, अण्डरपास आदि के प्रारम्भ स्थलों पर लगाए जाएंगे रेट्रोरिफ्लेक्टिव बोर्ड मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार सभी नगरीय निकायों में विशेष अभियान चलाकर अनाधिकृत रोड़ कट तत्काल बन्द किए जाएंगे एवं सडकों के जंक्शन के आस–पास अनावश्यक झाड़ियों को हटाया जाएगा। इसी तरह सड़कों के जंक्शन पर आवश्यकतानुसार स्लिप लेन निर्माण, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, अण्डरपास आदि के प्रारम्भ स्थलों एवं घुमाव पर वाहन खड़े नही करने सहित अन्य गतिविधियों के लिए रेट्रोरिफ्लेक्टिव बोर्ड लगाए जाएंगे। जेब्रा क्रॉसिंग, थर्मोप्लास्ट पेन्ट एवं सडक डिवाइडर के रंग–रोगन के कार्य नियमित रूप से किये जाएंगे। साथ ही, नगरीय क्षेत्र की सड़कों के नवीनीकरण के समस्त कार्य 31 मार्च, 2026 तक आवश्यक रूप से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, नगरीय निकाय द्वारा निर्माण स्थल पर जिम्मेदार अधिकारियों एवं संवेदको की सूचना, कार्य की लागत राशि एव समयावधि की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी, ताकि आमजन द्वारा किसी भी असुविधा की स्थिति में संबंधित अधिकारी से सम्पर्क किया जा सके।

इसी तरह आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाकर डिवाइडर एवं फुटपाथ रिपेयर के कार्य किए जाएंगे। इस दौरान निकाय क्षेत्रों में खुले नाले–नालियों को सुरक्षित रूप से ढकने, क्षतिग्रस्त फेरोकवर एवं सीवर लाइन के मैनहोल कवर का दुरूस्तीकरण भी व्यापक स्तर पर किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका नहीं रहे। इसी तरह, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर डिवाइडर पर मजबूत रेलिंग की पुख्ता व्यवस्था भी की जाएगी।

नगरीय निकाय द्वारा विशेष तौर पर नियमित रूप से अलग–अलग क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर फुटपाथों व सड़कों से अतिक्रमण हटवाए जाएंगे एवं व्यावसायिक वाहनों हेतु पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, सडकों के किनारे एवं डिवाइडर पर लगी हैज, पेड पौधों की नियमित कटाई, छंटाई एवं रखरखाव तथा सार्वजनिक स्थानों, फुटपाथ एवं सड़कों पर बिजली के खुले तारों को तत्काल व्यवस्थित किया जाएगा।

नगरीय विकास विभाग ने सभी नगर निकायों को सडकों पर खुदाई कार्यों से पूर्व प्रस्तावित कार्य का ब्यौरा सीबीयूडी ऐप पर आवश्यक रूप से अंकित करने एवं ऐप पर अंकन किए बिना संपादित कार्य पर पैनल्टी लगाने के प्रावधान के सख्त निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सीबीयूडी ऐप पर बिना इन्द्राज किए खुदाई कार्य करने के संबंध में राज्य सरकार के द्वारा कठोर दण्डात्मक कार्रवाइ अमल में लाई जाएगी। इसके साथ ही, कार्यां में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबधित इंजीनियर इन्चार्ज एवं संवेदक के उत्तरदायित्व का भी निर्धारण होगा।

आईआईटी जोधपुर और बीएसएफ ने मिलाया हाथ

विकसित करेंगे अत्याधुनिक स्वदेशी सुरक्षा तकनीकें

जोधपुर, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और सीमा सुरक्षा बल ने भारत की सीमाओं की सुरक्षा और निगरानी प्रणालियों को सशक्त बनाने हेतु अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीकों के सह–विकास और क्रियान्वयन के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस उद्देश्य से एक सहमति ज्ञापन (चेण) पर हस्ताक्षर श्री एम. एल. गर्ग, महानिरीक्षक, राजस्थान फ्रंटियर, बीएसएफ, और प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, निदेशक, आईआईटी जोधपुर के बीच किए गए। इस अवसर पर बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी और आईआईटी जोधपुर के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

इस सहयोग के अंतर्गत, दोनों संस्थान ड्रोन और एंटी–ड्रोन तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली, सुरक्षित संचार नेटवर्क, स्मार्ट बॉर्डर प्रबंधन, और अन्य रणनीतिक नवाचारों पर कार्य करेंगे, जिससे भारत की सीमाओं पर संचालन दक्षता को और सुदृढ़ किया जा सके।

आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा,

यह साझेदारी भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में वास्तविक समाधान में परिवर्तित करेगी। यह आईआईटी जोधपुर की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो 'आत्मनिर्भर और प्रौद्योगिकी सशक्त भारत' के निर्माण की दिशा में कार्यरत है। यह पहल आईआईटी जोधपुर के मानेकशॉ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज़ एंड रिसर्च के माध्यम से समन्वित की जाएगी – जो भारत के रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में रणनीतिक नवाचार, स्वदेशी तकनीक विकास और क्षमता निर्माण के लिए समर्पित केंद्र है।

इतिहास की गोद में मंत्री खर्रा : रामगढ़ फोर्ट में संस्कृति और विरासत पर हुई खास चर्चा

सीकर, रामगढ़, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बतौर अतिथि ऐतिहासिक शहर श्रृंखला – रामगढ़ शेखावाटी संस्करण के दूसरे दिन रामगढ़ फोर्ट में आयोजित 'रामगढ़ हेरिटेज टूर' कार्यक्रम में भाग लिया। मंत्री खर्रा ने कहा कि भव्य स्थापत्य, अद्वितीय वैभव और ऐतिहासिक महत्व से परिपूर्ण यह फोर्ट शेखावाटी की गौरवशाली विरासत को सजीव रूप में प्रस्तुत करता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान स्थानीय धरोहरों के संरक्षण, सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने और ऐतिहासिक स्थलों के पुनर्जीवन पर विस्तृत व सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि रामगढ़ फोर्ट केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जड़ों और ऐतिहासिक चेतना का सशक्त प्रतीक भी है।

खर्रा ने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन न केवल अतीत की झलक कराते हैं, बल्कि विरासत संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत बनाते हैं। उन्होंने आयोजकों और स्थानीय समुदाय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को नए आयाम प्रदान करती हैं।

नौ महीने के मासूम को गर्म सरिये से दागा

भीलवाड़ा, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इंरास गांव में 9 महीने के एक मासूम बच्चे को स्थानीय भोपा ने गर्म सरिये से दाग दिया। उपचार के नाम पर किए गए इस अंधविश्वास ने बच्चे की हालत गंभीर कर दी, जिसके बाद परिजन घबराकर उसे अस्पताल ले गए। फिलहाल मासूम का इलाज मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में चल रहा है। परिजनों के मुताबिक बच्चे को कई दिनों से सर्दी–जुकाम और सांस लेने में परेशानी थी। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पिता देवा बागरिया अपने बेटे गोविंद को गांव के ही एक भोपा के पास लेकर पहुंचे। भोपा ने बीमारी को 'देवता का प्रकोप' बताते हुए बच्चे के पेट पर गर्म सरिये से डाम लगाने की सलाह दी। परिजन भोपा की बातों में आ गए और बच्चे को दागने की अनुमति दे दी। डाम लगाए जाने के बाद पहले तो बच्चा सामान्य दिखा, लेकिन कुछ घंटों बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। बुधवार सुबह बच्चे का बुखार और बढ़ गया, साथ ही वह लगातार रोने लगा और सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी। यह देखकर परिजनों के हाथ–पांव फूल गए और वे तुरंत मासूम को लेकर भीलवाड़ा के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय पहुंचे। डॉक्टर्स ने बच्चे को तुरंत भर्ती कर इलाज शुरू किया। डॉक्टर्स के अनुसार, बच्चे की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है, लेकिन उसे लगातार निगरानी में रखा गया है।

वोटर लिस्टों के शुद्धिकरण के लिए भरतपुर जिले में अफसरों ने संभाली जागरूकता की कमान

भरतपुर, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

भरतपुर जिले में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 एसआईआर के अन्तर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र नदबई के मतदान केन्द्र ग्राम अरौदा की भाग संख्या 112 एवं 113, भरतपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र ग्राम मडौली की भाग संख्या 218, विधानसभा क्षेत्र वैर के मतदान केन्द्र ग्राम आमोली भाग संख्या 98 का अवलोकन किया। उन्होंने अवलोकन के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों को चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन की पालना करते हुए पारदर्शिता से कार्य कर मतदाताओं का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मतदाताओं को एसआईआर के बारे में बताते हुए प्रपत्र उपलब्ध कराने एवं मैपिंग के लिए दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम नदबई सचिन यादव ने ग्राम मतदान केन्द्र खॉगरी, भौसिंगा, झारकई, हन्तरा के मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया। राजस्व अपील अधिकारी एवं सुरवाईजरी ऑफिसर रिछपाल बुडरक ने विधान सभा क्षेत्र बयाना के ग्राम खानसूरजापुर के मतदान केन्द्र का अवलोकन किया।

तहसीलदार भुसावर एवं एईआरओ ने वैर महाराजपुरा, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम भुसावर द्वारा ग्राम इटामड़ा, नरहरपुर, बारौली के मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया। सुपरवाईजरी ऑफिसर विधानसभा क्षेत्र नदबई एवं डीआईजी स्टाम्प मुनिदेव यादव ने ग्राम कबई, खेडी देवीसिंह, गढी जालिमसिंह मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया।

सुपरवाईजरी ऑफिसर विधानसभा क्षेत्र भरतपुर एवं सहायक निदेशक लोकसेवायें भारती भारद्वाज ने भरतपुर शहर के जवाहर नगर भाग संख्या 125 का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। अवलोकन के दौरान बीएलओ की एडवाईजरी का पालन करने हेतु बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल अधिकारी उपस्थित पाये गये एवं हैल्प डैस्क का संचालन भी पाया गया।

यमुनानगर बस हादसे की जांच के आदेश, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : अनिल विज

चंडीगढ़, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा है कि यमुनानगर बस हादसे की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा यमुनानगर के प्रतापनगर में हुई दुखद बस दुर्घटना के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि हादसे की हर संभावना की जांच की जाए, चाहे वह बस की तकनीकी स्थिति से संबंधित हो या चालक की लापरवाही से। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर यदि गलती पाई जाती है तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि आज सुबह यमुनानगर के प्रतापनगर में एक बस में चढ़ने के दौरान कुछ छात्राएँ फिसलकर नीचे गिर गईं, जिसमें एक छात्रा की मृत्यु हो गई तथा अन्य घायल हो गईं। घायल छात्राओं का उपचार जारी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा यह आरोप लगाए जाने पर कि हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी करके भाजपा ने सरकार बनाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल गांधी जी का मेडिकल कराना चाहिए, क्योंकि जब वे यह बयान दे रहे थे, क्या वे ठीक थे?

उन्होंने कहा कि दो करोड़ वोटों में से 25 लाख वोटों को 'जाली' बताने का अर्थ है कि कांग्रेस अब तर्क नहीं, भ्रम फैला रही है। विज ने सवाल उठाया कि अगर कहीं पर वोट गलत बने, तो कांग्रेस के पोलिंग एजेंट वहाँ क्या कर रहे थे? पोलिंग एजेंटों का काम ही है ऐसे मामलों को मौके पर चुनौती देना। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस द्वारा चुनाव बीत जाने के बाद रोना, जनता को भ्रमित करने का प्रयास है। अनिल विज ने आगे कहा कि हमें तो लगता है कि ये जाली वोट कांग्रेस ने खुद ही बनवा रखे हैं ताकि चुनाव हारने के बाद रोने का बहाना रहे।

हरियाणा में वोट चोरी के खिलाफ युवा कांग्रेस का हल्ला बोल

पंचकूला में पुतला फूंककर किया जोरदार प्रदर्शन

पंचकूला, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में वोट चोरी के आरोपों को लेकर गुरुवार को हरियाणा युवा कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी कड़ी में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंचकूला सेक्टर–17 स्थित राज्य चुनाव आयुक्त कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया और चुनाव आयोग का पुतला फूंककर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन का नेतृत्व हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने किया। इस दौरान चंडीगढ़ युवा कांग्रेस अध्यक्ष मनाज लुभाना समेत बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने वोट चोरी बंद करो, लोकतंत्र बचाओ, जनता की आवाज़ दबाना बंद करो जैसे नारे लगाए। उन्होंने कहा कि जब जनता के वोट चोरी होते हैं, तो लोकतंत्र की बुनियाद हिल जाती है। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर राहुल गांधी की मुहिम 'वोट चोरी के खिलाफ देश की आवाज़' को मज़बूती देने की अपील की। प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि यह आंदोलन किसी एक दल का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की आवाज़ है जो लोकतंत्र में आस्था रखता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने बुधवार को पत्रकार वार्ता कर हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी का खुलासा किया था। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि जनता के जनादेश की खुली लूट है। भाजपा सरकार ने न केवल वोट चोरी की है बल्कि विधानसभा चुनाव में जनमत को भी अपहरण किया है।

निशित कटारिया ने आगे कहा कि चुनाव आयोग को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए और पारदर्शी जांच करानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए मतदाताओं के अधिकारों को कुचला है। हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि जनता की आवाज़ को चुप करा दिया जाए। जब वोट चोरी होती है, तब जनता की आवाज़ दबाई जाती है। कटारिया ने यह भी स्पष्ट किया कि युवा कांग्रेस इस आंदोलन को गांव–गांव, शहर–शहर तक ले जाएगी ताकि लोगों को समझाया जा सके कि लोकतंत्र की रक्षा सिर्फ वोट से ही संभव है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो बात कही, वह हर भारतीय के दिल की बात है। अब वक्त है कि हर नागरिक लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आए। वहीं, चंडीगढ़ युवा कांग्रेस अध्यक्ष मनाज लुभाना ने कहा कि देश के युवा अब जाग चुके हैं और भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अब सिर्फ विरोध तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सच्चाई को उजागर करने का राष्ट्रीय अभियान बनेगा।

प्रदर्शन के अंत में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही मुहिम को समर्थन देते हुए संकल्प लिया कि वोट चोरी के खिलाफ देश की आवाज़ को और मज़बूत बनाया जाएगा। प्रदर्शन शांति और अनुशासन के साथ समाप्त हुआ, लेकिन कार्यकर्ताओं का जोश यह साफ़ कर गया कि हरियाणा में लोकतंत्र की रक्षा के लिए अब निर्णायक लड़ाई शुरू हो चुकी है।

राहुल गांधी के मतदान में धांधली के आरोपों का खंडन नहीं किया जा सकता: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ढेरों दस्तावेज दिखाकर भाजपा पर चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने स्पष्ट किया है कि इससे इनकार नहीं किया जा सकता। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मीडिया को कोई बयान नहीं दिया है। उन्होंने सभी तरह के दस्तावेज उजागर किए हैं। यह सच है कि चुनाव में धांधली हुई है। उन्होंने कहा कि वे चित्तपुर में आरएसएस के जुलूस के संबंध में उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। गन्ना किसान हर साल कीमतों के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करते हैं। इस साल भी वे महाराष्ट्र मॉडल पर कीमतें देने की मांग कर रहे हैं। महाराष्ट्र में गन्ने की पैदावार बढ़ी है। हमारे गन्ने की पैदावार के आधार पर कीमतें तय की जा रही हैं। किसानों से बातचीत के कई प्रयास हुए हैं,

लेकिन बातचीत विफल रही है। कानून मंत्री एच.के. पाटिल बुधवार को घटनास्थल पर गए थे। उन्होंने कहा कि कैबिनेट में इस पर चर्चा हो रही है। पुलिस को किसानों के साथ संयम से पेश आने के निर्देश दिए गए हैं। पिछली बार विधानसभा के सामने हुए विरोध प्रदर्शन में तनावपूर्ण माहौल बन गया था। इस बार पुलिस को ऐसा न होने देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मूल्य संशोधन पर कैबिनेट में चर्चा की जाएगी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया तुमकुरु में पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना के घर दोपहर का भोजन करेंगे और हम सब साथ होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वहां कोई अन्य राजनीतिक चर्चा नहीं होगी। सिद्धरामैया तुमकुरु का 5 बार दौरा कर चुके हैं, जिनमें से 3 बार उन्होंने राजन्ना के घर दोपहर का भोजन किया है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने उनके घर आने के बारे में सभी नेताओं की राय भी पूछी थी। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, का दिल्ली दौरे और राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने हमेशा कहा है कि वह जलग्रहण विभाग से जुड़े एक अदालती मामले पर चर्चा करने के लिए दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें भी राजनीति तलाशना उचित नहीं है। मैं दिल्ली तभी जाऊंगा जब मुझे इसकी जरूरत होगी। मैं अनावश्यक रूप से नहीं जाऊंगा। अगर हम अपने विभाग के लिए विशेष अनुदान का अनुरोध करने जा रहे हैं, तो जाना स्वाभाविक है। मैंने पहले केंद्रीय गृह मंत्री से पांच हजार पुलिस आवासों के लिए अनुदान देने का अनुरोध किया था। मुझे उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अकबर रोड पर हमारे पास कोई काम नहीं है। धर्मस्थल मामले की जांच करने वाले एसआईटी अधिकारियों को तकनीकी कारणों से रिपोर्ट जमा करने में देरी हुई है। रिपोर्ट अक्टूबर के अंत या नवंबर के पहले सप्ताह तक जमा हो जानी चाहिए थी। कुछ नमूने भारतीय विज्ञान संस्थान और एफएसएल भेजे गए हैं। वहां से रिपोर्ट आनी चाहिए। इसका विश्लेषण करके रिपोर्ट में शामिल किया जाना है। उन्होंने इसके लिए समय मांगा है। उन्होंने कहा कि लगभग सब कुछ हो चुका है। उन्होंने कहा कि अगर आंतरिक आरक्षण के संबंध में कैबिनेट में कोई मसौदा विधेयक पेश किया जाता है, तो उसे अगले बेलगावी सत्र में पेश किया जाएगा। विधायकों की मांग पर बेंगलूरु शहर में पुलिस अधिकारियों के तबादले रोक दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य भर के सभी अधिकारियों का तबादला पूरा हो चुका है। कांग्रेस भवन के निर्माण के लिए निर्धारित भूमि पर जिला न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया गया है। लेकिन आवेदक के पास भूमि के स्वामित्व से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि स्थगन आदेश हटाने के लिए मामला उच्च अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा और भवन का निर्माण भी शुरू किया जाएगा।

यातायात की भीड़ से निपटने के लिए मेंगलूरु-सूरथकल राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन और फ्लाईओवर प्रस्तावित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 66) पर वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुए, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय कथित तौर पर कोटारा चौकी, कुलूर और सूरथकल में तीन अतिरिक्त फ्लाईओवर के निर्माण पर विचार कर रहा है। मेंगलूरु उत्तर के विधायक वाई भरत शेट्टी ने कहा कि उन्होंने फ्लाईओवर के लिए मंजूरी हेतु मंत्रालय को एक प्रस्ताव सौंपा है। उन्होंने कहा कोटारा चौकी, कुलूर और सूरथकल में मौजूदा फ्लाईओवर केवल एकतरफा यातायात की अनुमति देते हैं। ये तीनों स्थान शहर की सीमा के भीतर आते हैं, इसलिए इस व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग खंड पर यातायात की भीड़भाड़ को कम करने के लिए अतिरिक्त फ्लाईओवर आवश्यक हैं। विधायक ने बताया कि दोतरफा फ्लाईओवर की कमी के कारण, भारी वाहनों सहित सभी वाहन शहर की सड़कों पर एक ही दिशा में चलने को मजबूर हैं, जिससे यातायात में रुकावटें पैदा होती हैं। शेट्टी ने कहा दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने भी केंद्रीय मंत्री के समक्ष यह मांग उठाई है। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार, यह प्रस्ताव अभी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के चरण में है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई डीपीआर तैयार करने के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन करेगा और रिपोर्ट के आधार पर धन आवंटन किया जाएगा। उन्होंने कहा चूंकि यह एक आवश्यक आवश्यकता है, इसलिए मैं इसके लिए प्रयास जारी रखूंगा। मैं सांसद के साथ मंत्री से मिलकर यह सुनिश्चित करूंगा कि डीपीआर जल्द से जल्द तैयार हो। वर्तमान में, कोटारा चौकी फ्लाईओवर गोवा की ओर एकतरफा यातायात की अनुमति देता है, जबकि कुलूर और सूरथकल के फ्लाईओवर मेंगलूरु की ओर जाने वाले यातायात की सुविधा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के कारण तीनों व्यस्त स्थानों पर भीड़भाड़ हो जाती है।

एक शाम बालाजी के नाम 4.0 का भव्य आयोजन रविवार को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एफटीएस युवा बेंगलूरु द्वारा 'एक शाम बालाजी के नाम 4.0 का भव्य आयोजन रविवार को प्रिंसेस राइन गेट नंबर 9 में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5.30 बजे से होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय भजन सम्राट कन्हैया मित्तल, जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे फेम चंडीगढ़ से अपनी 15 सदस्यीय टीम के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। बालाजी, श्याम बाबा और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यह संध्या भक्तिमय वातावरण में संपन्न होगी। युवा अध्यक्ष प्रितेश बुरड़ ने बताया कि कार्यक्रम के प्राइम स्पॉन्सर के रूप में प्राइड ग्रुप एवं एवोन प्लास्ट ग्रुप का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। पूर्णाहुति प्रसाद के सहयोगी क्रिएशन्स हैं, महामंगल आरती के सहयोगी ईशा विक्रम अग्रवाल हैं। श्याम बाबा श्रृंगार के सहयोगी गुरु पुनवाणी प्रॉपर्टीज, राम दरबार श्रृंगार के सहयोगी रिलायंस प्लाईवुड तथा बालाजी श्रृंगार की सहयोगी सरिता आशीष गुप्ता हैं। इस आयोजन की एक विशेषता यह भी रहेगी कि कार्यक्रम के पश्चात सभी उपस्थित जनों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था की गई है। युवा सचिव विकास गुप्ता ने बताया यह आयोजन पिछले चार वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है और प्रत्येक वर्ष भक्तों से मिला अपार स्नेह व सहयोग इस कार्यक्रम की प्रेरणा रहा है। आयोजकों ने आशा व्यक्त की है कि इस बार भी समाज का वही उत्साहपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। युवा टीम इस वर्ष पहली बार इस कार्यक्रम के माध्यम से 150 एकल विद्यालयों के संचालन हेतु सहयोग जुटा रही है, जो कि बेंगलूरु के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में वनबंधु परिषद के कई राष्ट्रीय पदाधिकारी भी पधार रहे हैं। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एफटीएस युवा, बेंगलूरु की टीम पिछले दो महीनों से सतत प्रयासरत है। तैयारी में विक्रम अग्रवाल, आशीष गुप्ता, वैभव गुप्ता, पवन राजलीवाल, साकेत गर्ग, अमित सिंह, रचना डालमिया गणपत माली, गौरव अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, नीतीश खंडेलवाल, दीपिका जैन एवं पूरी युवा टीम का विशेष योगदान रहा है। संस्था ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे सपरिवार उपस्थित होकर इस भक्ति, देशभक्ति और सेवा से युक्त अनोखे आयोजन का आनंद लें।

राज्य में घी के दाम बढ़ाने वाली सरकार

किसान मंजेगौड़ा की मौत का सीधा कारण कांग्रेस सरकार: आर. अशोक

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मांड्या जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने किसान मंजेगौड़ा द्वारा आत्महत्या करने के पीछे सरकार ही सीधी वजह है। सरकार और कितने किसानों को मरते देखना चाहती है? एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से दो हजार से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को लगने लगा है कि यह सरकार उनके पक्ष में नहीं है, उन्हें फसल नुकसान का मुआवजा नहीं मिलेगा और उन्हें सिंचाई की सुविधा नहीं मिलेगी। सभी विभागों के अनुदान में भारी कटौती की गई है। किसान मंजेगौड़ा ने मांड्या जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर ली और अस्पताल में उनकी मौत हो गई। उन्होंने अपने सोने के गहने गिरवी रखकर 11 लाख रुपये का कर्ज लिया था। जब वह हल चलाने गए तो वन अधिकारियों ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने आपत्ति जताई

कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी सरकार उनकी मदद के लिए आगे नहीं आई। इस मौत का कारण सरकार की गैरजिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने म्यूजिकल चेयर खेलकर लोगों की जिंदगी सड़कों पर ला दी है। यह सरकार और कितने किसानों का इंतजार कर रही है? चामराजनगर में झील का पानी भरने का काम भाजपा ने किया था। वहां दो साल से सिंचाई व्यवस्था नहीं हुई है। वन्यजीव स्थानीय लोगों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग ने लोगों को कोई सुविधा नहीं दी है। राहुल गांधी को जीतने का कोई हक नहीं है। इसलिए वह कह रहे हैं कि कुछ सही नहीं है। उन्होंने खुद वोटिंग मशीन शुरू की और अब उसका विरोध कर रहे हैं। अगर वोट चोरी हुई थी, तो कर्नाटक में कांग्रेस को 136 सीटें कैसे मिलीं? सभी जानते हैं कि मलूर में वोट चोरी हुई थी। राज्य सरकार का अच्छा-खासा पैसा दिल्ली गया है। उन्होंने आलोचना की कि 60 प्रतिशत कमीशन लिया जा रहा है। घी के दाम अचानक 90 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं। शराब और दूध के दाम बढ़ाने के बाद अब घी के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं। अब तक जनता पर 65 हजार करोड़ रुपये का टैक्स लगाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह पापियों की सरकार है। इससे पहले ऐसे समय में जब रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों की बढ़ती कीमतों से लोग हांफ रहे हैं, कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ ने भी नंदिनी घी की कीमत में अचानक 90 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। नंदिनी घी की कीमत में 90 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है और नई कीमत बुधवार से ही लागू हो जाएगी। पहले 1 किलो घी की कीमत 610 रुपये थी, जो अब 90 रुपये बढ़कर 700 रुपये हो गई है। घी के अलावा नंदिनी के अन्य उत्पादों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बाहरी राज्यों से भारी मांग के कारण केएमएफ घी की कीमत में बढ़ोतरी की गई है। एक लीटर घी की कीमत में 90 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब एक लीटर एओई घी की कीमत 700 रुपये तय की गई है। पहले एक लीटर घी 610 रुपये में बिकता था। जीएसटी स्लैब सुधार से पहले यह 650 रुपये था और जीएसटी सुधार के बाद इसमें 40 रुपये की कमी की गई। केएमएफ ने जीएसटी सुधार से पहले ही कीमत बढ़ाने का फैसला किया था। केएमएफ अधिकारियों ने बताया कि विश्व बाजार में घी की कीमत में अपरिहार्य वृद्धि के कारण घी की कीमत में वृद्धि की गई है।

किसानों का विरोध प्रदर्शन तेज, हिंसा 8वें दिन भी जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गन्ना किसानों का संघर्ष न मरे सांप और न टूटे लाठी जैसा है। हालांकि सरकार से अपनी फसल का उचित मूल्य तय करवाने के लिए किसानों का संघर्ष आठवें दिन में प्रवेश कर चुका है, लेकिन सरकार ने केंद्र पर उंगली उठाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की हिम्मत नहीं दिखाई है। 3,500 रुपये प्रति टन गन्ने के मूल्य की मांग कर रहे गन्ना किसान पिछले एक हफ्ते से बेलगावी जिले के मुदलागी तालुक के गुरलापुर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और यह आठवें दिन में प्रवेश कर गया है। इस बीच कैबिनेट की बैठक होनी है और सरकार द्वारा मूल्य तय करने की संभावना है। अगर सरकार शाम तक किसानों की मांग नहीं मानती है, तो विरोध प्रदर्शन और तेज होने की संभावना है। किसानों का गुस्सा बढ़ने पर सरकार ने वरिष्ठ मंत्री एच.के. पाटिल को मध्यस्थता के लिए भेजा, लेकिन बातचीत विफल रही। कई संगठनों ने किसानों के

संघर्ष का समर्थन किया है। किसानों का संघर्ष और तेज हो गया है, खासकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद। बेलगावी और विजयपुरा के गन्ना किसानों ने मंत्री के अनुरोध को नजरअंदाज करते हुए शाम तक की अंतिम समय-सीमा दी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर राज्य सरकार शाम तक कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाती है, तो वे पंजाब-शैली का संघर्ष करेंगे। बेलगावी जिले से शुरू हुआ यह संघर्ष राज्य के सभी हिस्सों में फैल गया है।

बेलगावी, बागलकोट और विजयपुरा समेत कई जिलों में किसान सड़क जाम, धरना, रैलियां और विरोध प्रदर्शनों के जरिए सरकार के प्रति अपना असंतोष जाहिर कर रहे हैं। बेलगावी के प्रमुख राजमार्गों और शहरी इलाकों में यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन तेज होते गए, दूध, फल और सब्जियों की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई। छोटी दुकानें बंद हो गईं और गांवों से शहरों तक माल परिवहन ठप हो गया। कई जगहों पर सभाएं, शादियां और सार्वजनिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए। पिछले तीन दिनों से कई स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। छात्रों की पढ़ाई बिगड़ने के साथ, दिहाड़ी मजदूरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि किसान अपनी मांगों पर सरकार से स्पष्ट प्रतिक्रिया की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार की चुप्पी से असंतोष व्याप्त है। चूंकि आंदोलनकारियों के पीछे हटने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए राज्य में आर्थिक अराजकता बढ़ने की आशंका है। यदि यह संघर्ष जारी रहा, तो राज्य के कृषि क्षेत्र के साथ-साथ परिवहन, वाणिज्य और शिक्षा क्षेत्र को भी भारी नुकसान हो सकता है। यदि सरकार तुरंत हस्तक्षेप करके किसानों की मांगों पर तत्काल राहत प्रदान नहीं करती है, तो राज्य के सभी वर्गों पर आर्थिक संकट आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। यदि सरकार और किसानों के बीच बातचीत नहीं होती है, तो संघर्ष और तीव्र होने के संकेत हैं। जन-जीवन पहले ही अस्त-व्यस्त हो चुका है। इस संकट का भार कुल मिलाकर कौन उठाएगा? यह शाश्वत प्रश्न है। इस पर बोलते हुए, किसान नेता शशिकांत गुरुजी ने कहा कि पिछले सात दिनों से चल रहे हमारे संघर्ष के परिणामस्वरूप, समझा जाता है कि मंत्री गन्ने का उचित मूल्य तय करेंगे। हालांकि, मंत्री ने कहा कि वह सभी मुद्दों को मुख्यमंत्री के ध्यान में लाएंगे और गन्ने का मूल्य तय नहीं करेंगे। हमने सरकार को गुरुवार रात 8 बजे तक का समय दिया है। अगर हमें उचित मूल्य नहीं दिया गया, तो राज्य भर के लगभग 50 लाख गन्ना उत्पादक शुक्रवार को अपने-अपने जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों को जाम करके अपना संघर्ष जारी रखेंगे। हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हमें गन्ने का उचित मूल्य मिलेगा, यह उन्होंने स्पष्ट कर दिया है। बेलगावी जिले के मुदलागी तालुक के गुरलापुरा में गन्ना उत्पादक चीनी मिलों से 3,500 रुपये प्रति गन्ना मूल्य की मांग को लेकर दिन-रात धरना दे रहे हैं। पिछले रविवार को धरना स्थल पर पहुंचे बेलगावी जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में वे कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे हैं। लेकिन यह वार्ता विफल रही।

कार्तिक पूनम मेला का आयोजन

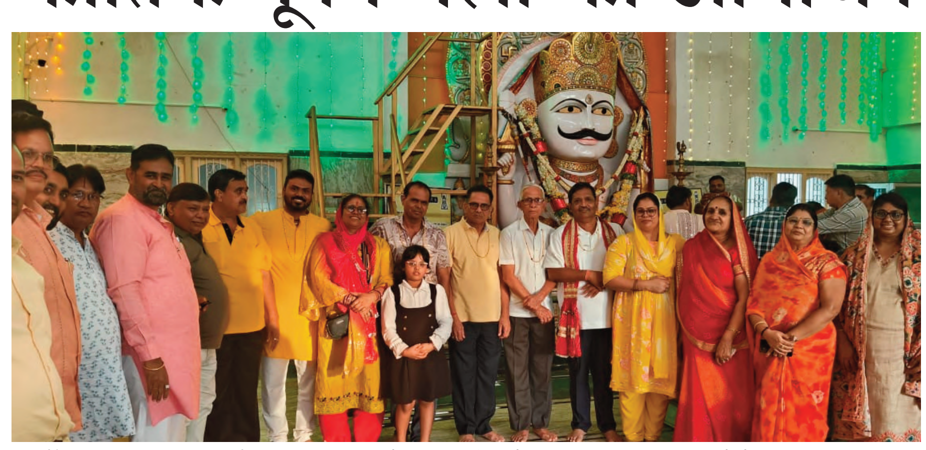

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे परिसर में कार्तिक पूनम मेला का आयोजन बड़े धूमधाम से संपन्न हुआ। दक्षिण नाकोडा भैरव सेवा मंडल, बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में गुलाबचंद दुग्गड ने पूनम मेला का संपूर्ण लाभ लेकर हजारों श्रद्धालुओं का रेल यात्रा द्वारा संघ सहित तीर्थ पहुंचकर सेवा पूजन का लाभ लिया। तुषार गुरुजी ने शुद्ध मंत्रोच्चार से पार्श्व भैरव महा-पूजन पढ़ाई, सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ प्रकाश राठोड, रिंकु बाफणा, प्रेमलता, कलिंगा कवाड के मधुर कंठ से बहा सुर सरगम को तीर्थ परिसर में संभव संगीत पार्टी ने संगीतमय बनाकर एकत्रित श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। पूनम के परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना लाभार्थिओं द्वारा हुआ। कार्तिक पूनम के अवसर पर शाश्वत तीर्थ श्री सिद्धाचल गिरिराज पालीताणा की भाव यात्रा में सभी भक्तों ने अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर हिस्सा लिया। अरसीकेरे सहित बेंगलूरु, चेन्नई, मैसूरु, चिक्कमगलूरु, राणीबेन्नुर, कडुर, होलेनरसीपुर, तिपटुर, तुमकुरु, शिवमोग्गा, हासन आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने आगंतुकों का स्वागत कर पूनम मेला के लाभार्थिओं का बहुमान किया। ट्रस्टी मांगीलाल मेहता, डॉ.विजय कुमार सुराना, रमेश कटारिया, ज्ञानेश मेहता के साथ ललित चोरडिया, महावीर पिपाडा, ललित मेहता, अशोक सिंघी, राहुल कल्पवृक्ष, राकेश सालेचा, राजेश बंदामुथा, मदनलाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com